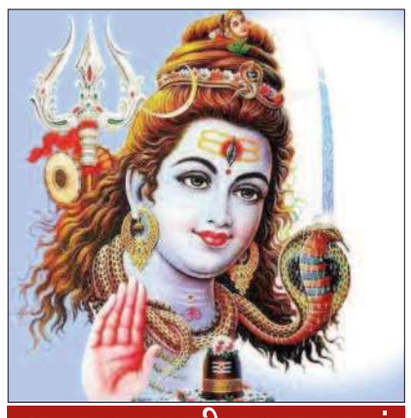
01 अगस्त 2024 गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



श्रावण मास की शुभकामनाएं



बिहार में आकाशीय बिजली ने बरपाया कहर, 3 जिलों में 10 लोगों की ली जान

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

पूर्णिया के तनिष्क शोरूम में हुए करोड़ों की लूटकांड का खुलासा, चार अपराधी गिरफ्तार

- गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो देसी कट्टा, तीन बाइक, तीन गोली 4 मोबाइल, जला हुआ कपड़ा और सामान का अवशेष बरामद
- 26 जुलाई को 7 अपराधियों ने 3 करोड़ 70 लाख रुपये के हीरे व सोने के जेवरात की हुई थी लूट



केटी न्यूज/पटना

26 जुलाई को पूर्णिया के तनिष्क शोरूम में हुए लूट कांड का बिहार पुलिस ने सफल उद्भेदन कर दिया है। पुलिस ने लूट की घटना में शामिल चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो देसी कट्टा, तीन बाइक, तीन कारतूस, 4 मोबाइल और जला हुआ कपड़ा और सामान का अवशेष बरामद हुआ है। एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने बताया कि 26 जुलाई को तनिष्क में 7 अपराधियों ने 3 करोड़ 70 लाख रुपये के हीरे और सोने के जेवरात की डकैती की थी। इसको लेकर सहायक खजांची थाना कांड संख्या-146/24, धारा-310 (2) बीएनएस-2023 एवं 25 (1-बी) ए/26 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया था। कांड के उद्भेदन हेतु तकनीकी साक्ष्य के आधार पर अग्रतर कार्य हेतु जिला पुलिस एवं पुलिस मुख्यालय के स्तर से एसटीएफ की 10 अलग-अलग संयुक्त टीम बनाकर बिहार के कई जिलों में एवं पश्चिम बंगाल के कई जिलों में छापेमारी की गई।

बेऊर जेल में बनी थी शोरूम के लूट की योजना

इस पूरे घटना का अंजाम बेऊर जेल में बंद शातिर अपराधकर्मी सुबोध सिंह द्वारा अपने अन्य सहयोगियों एवं स्थानीय स्तर पर कुख्यात अपराधी बिट्टू सिंह, जो बेउर जेल में कुछ समय पूर्व सुबोध सिंह एवं अन्य के साथ था, के द्वारा दिया गया। इस घटना का उद्भेदन करते हुए छापेमारी के क्रम में राहुल कुमार पे-स्व भोला प्रसाद श्रीवास्तव, स्थायी पता-आदापुर, थाना-मनसुरचक, जिला-बेगूसराय, वर्तमान में लाइन बाजार पूर्णिया में क्लिनिक चलाते हैं, को पुलिस निगरानी में लेकर पूछताछ किया गया तो इनके द्वारा बताया गया कि प्रभात कॉलोनी एवं हाउसिंग बोर्ड स्थित बिट्टू सिंह, अभिमन्यु सिंह एवं चुनमुन झा के विभिन्न ठिकानों में स्थानीय एवं बाहरी अपराधकर्मी के साथ आभूषण के दूकान में लूट करने का स्थानीय स्तर पर योजना बनाया गया, जिसका निर्देशन बेउर जेल में बन्द अपराधकर्मी सुबोध सिंह, अपने अन्य सहयोगियों के द्वारा किया गया।

अररिया में स्थानीय व बाहरी अपराधियों की हुई थी मीटिंग

एसपी ने बताया कि इस घटना को अंजाम देने के लिए बाहर से आए अपराधकर्मियों को अररिया के शिवपुरी स्थित लॉज में रखा गया, फिर अररिया में ही स्थानीय एवं बाहरी अपराधियों की मीटिंग हुई। इसके बाद लूट की योजना हेतु अररिया और पूर्णिया के विभिन्न दुकानों से कपड़े एवं अन्य सामान खरीदा गया था। घटना से एक सप्ताह पूर्व पुनः तनिष्क शोरूम की रेकी की गई थी। घटनास्थल पर उपस्थित स्थानीय अपराधी में चुनमुन झा एवं अन्य की पहचान कर ली गई है। घटनास्थल पर उपस्थित अपराधियों का सम्पर्क बेउर जेल के अपराधियों के साथ था और वहां के निर्देश पर ही अपराधियों के द्वारा घटना कारित किया जा रहा था। चुनमुन झा के भाई आनंद झा के द्वारा घटना कारित करने में सहयोग के अलावा चुनमुन झा के मोबाइल को भी घटना के बाद जलाया गया है, जिसका अवशेष भी बरामद कर लिया गया है।

घटना कारित करने में एवं योजना बनाने में सहयोगी अभिमन्यु सिंह. पिता-अरविन्द सिंह, सा०-जयप्रकाश कॉलोनी, थाना-मधुबनी, जिला पूर्णिया एवं बमबम यादव तथा अन्य की पहचान की गई है। वहीं गिरफ्तार अपराधियों में अभिमन्यु सिंह, राहुल श्रीवास्तव, अपराधी चुनमुन झा का भाई आनंद झा और बमबम यादव शामिल हैं।

केरल में आपदा लेकर आई बारिश, चालियार नदी से मिले 83 शव

वायनाड में मची तबाही से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 251, बचाव कार्य जारी

- वायनाड जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों में घोषित की गई छुट्टी
- एनसीसी में शामिल स्टूडेंट्स स्कूलों में पीड़ितों की मदद में जुटे





एजेंसी/वायनाड-नई दिल्ली

केरल के वायनाड जिले में सोमवार देर रात भारी बारिश से हुए भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 251 पहुंच गई है। मंगलवार की रात तक यह आंकड़ा 128 था। बुधवार को 27 शव मेप्पडी अस्पताल ले जाए गए। इस त्रासदी को देखते हुए वायनाड में सभी शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। एनसीसी में शामिल स्टूडेंट्स स्कूलों में पीड़ितों की मदद के लिए जुटे हुए हैं। दक्षिणी कमान भारतीय सेना ने एक्स पर पोस्ट कर रेस्क्यू ऑपरेशन के वीडियो ओर तस्वीरें जारी की. सेना ने कहा, त्रिवेन्द्रम से दो अतिरिक्त टुकड़ियां मेपाड्डी पहुंच गई हैं और राहत बचाव कार्य में जुट गई है। चूरलमाला में 190 फीट लंबे पुल के निर्माण के लिए बैंकों की तैयारी पूरी हो गई है और ब्रिजिंग उपकरण जल्द ही आने की उम्मीद है। वायनाड में मेप्पाडी के दक्षिण पश्चिम, वेल्लारीमाला में वनरानी एस्टेट और एला एस्टेट से फंसे लोगों को निकालने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। ऑन मनोरमा की रिपोर्ट के मुताबिक चालियार नदी से बुधवार को 83 शव बरामद किए गए हैं। बारिश की वजह से सेना ने बेली ब्रिज के निर्माण का कार्य रोक दिया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी गुरुवार को वायनाड दौरे पर जाएंगे और वहां पीड़ित परिवारों से मिलेंगे।

संसद में गूंजा केरल भूस्खलन का मद्दा: केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन का मुद्दा संसद में खूब गूंजा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में कहा, इस इलाके में ऐसी त्रासदी दूसरी बार आई है। पांच साल पहले भी ऐसे हालात हुए थे। इस इलाके में कुछ न कुछ इकोलॉजिक परिस्थितियां ऐसी हैं, जिनको देखा जाना चाहिए और जो भी उपचार

आपदा को लेकर पहले ही किया गया था आगाह: अमित शाह

वायनाड में भारी बारिश के कारण आई आपदा को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटना को लेकर बुधवार को राज्यसभा में अपनी बात रखी। उन्होंने केरल की लेफ्ट सरकार को घेरते हुए कहा कि ऐसी आपदा की आशंका के मद्देनजर केरल सरकार को पहले ही आगाह किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि आमतौर पर कई राज्य ऐसी चेतावनियों पर ध्यान देते हैं, लेकिन केरल सरकार ने इसे नजरअंदाज किया। अमित शाह ने वायनाड में भूस्खलन में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, इस घटना में जितने भी लोग हताहत हुए हैं और घायल हुए हैं, उन सभी के परिवारजनों के साथ मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं सदन के सामने स्पष्ट करना चाहता हूं कि 23 जुलाई को केरल सरकार को भारत सरकारी की तरफ से चेतावनी दी गई थी। इसके बाद फिर 24 और 25 जुलाई को भी चेतावनी दी गई थी। 26 जुलाई को बताया गया कि 20 सेमी से ज्यादा वर्षा होगी, भूस्खलन होने की संभावना है। मिट्टी भी गिर सकती है और लोग इसमें दब कर मर सकते हैं। वहीं सीएम पिनराई विजयन ने गृह मंत्री के इस दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि भूस्खलन से पहले भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यह दोषारोपण का समय नहीं है।

नोएडा में घर में लगी आग से तीन बच्चियों की जलकर मौत

नई दिल्ली। नोएडा के एक घर में बैटरी में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लगने से 3 बच्चियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में बच्चों के माता-पिता घायल हो गए। पिता की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाडियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग इतनी तेज लगी कि किसी को बाहर भागने का मौका तक नहीं मिला। घायल पिता को इलाज के लिए दिल्ली के अस्पताल में भर्ती करा दिया। बताया गया है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। जिसके कारण 3 बच्चियों की मौत हो गई है। उनके पिता को सफदरजंग रेफर किया गया है। बच्चियों की मां का भी प्रारंभिक उपचार किया गया है। इस हादसे में मरने वालों की पहचान आस्था (10), नैना (7) और आराध्या (5) के रूप में हुई है। जबकि दौलत राम को गंभीर हालत में सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया। मीनू का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया 10 और 7 साल की दो बच्चियां और पांच साल का लड़का बिस्तर पर सो रहा था, जबकि माता-पिता जमीन पर सो रहे थे। मरने वाले बच्चों के पिता दौलत राम रिक्शा चलाते हैं और कमरे में बैटरी चार्ज हो रही थी। आशंका जताई जा रही है कि बैटरी की वजह से ही आग लगने की घटना हुई है।

पुलिस की मिलीभगत से दिल्ली में हो रहा है अवैध निर्माण: हाईकोर्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के राजेंद्र नगर कोचिंग के बेसमेंट में 3 स्टूडेंट्स की मौत के मामले में बुधवार को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले में हाई कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम को फटकार लगाई है। इसके साथ ही जांच रिपोर्ट पर असहमति जताई है। हाई कोर्ट ने कहा कि पुलिस की मिलीभगत से गैरकानूनी निर्माण कार्य किया जा रहा है। दिल्ली नगर निगम ने क्या किसी वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की गई? सबसे जूनियर अधिकारी पर कार्रवाई की गई। क्या एमसीडी का अधिकारी जेल गया? दिल्ली हाई कोर्ट ने इस मामले में सख्ती दिखाते हुए एमसीडी को फटकार लगाई है। दरअसल, दिल्ली हाई कोर्ट में कोचिंग सेंटर हादसे के मामले में उच्चस्तरीय जांच करवाने की मांग वाली याचिका पर आज बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि सब एक दूसरे दोष लगा रहे हैं। हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि लोगों की जान महंगी है।

हाई कोर्ट ने कहा कि इस मामले में दिल्ली पुलिस रिपोर्ट दाखिल करे। सुनवाई के दौरान एमसीडी कमिश्नर व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहें। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस के जांच



शुक्रवार को मामले की अगली सुनवाई होगी

हाई कोर्ट ने कहा यह बेसमेंट कैसे बने? उनकी अनुमति किस इंजीनियर ने दी। पानी निकालने का क्या इंतजाम किया? इसकी जांच कौन करेगा? क्या एमसीडी का कोई एक अधिकारी जेल गया है? सिर्फ वहां से गुजर रहे एक कार वाले को पकड़ लिया गया। कोर्ट ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसी घटनाएं फिर न हों। अब इस मामले की सुनवाई शुक्रवार 2.30 बजे होगी।

अधिकारी और डीसीपी को भी तलब किया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने निर्देश दिया कि एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारियों को बदलाव सुनिश्चित करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए। कोर्ट ने आदेश दिया कि इस मामले में की गई कार्रवाई का विवरण देने वाला हलफनामा प्रस्तुत किया जाए। इसके साथ ही ड्रेन सिस्टम के ऊपर जो भी अतिक्रमण है, उसे तुरंत हटाया जाए।

मोदी सरकार समुदायों को विभाजित करने, भय का माहौल बनाने की नीति पर कर रही काम: सोनिया

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सीपीपी की बैठक में पार्टी नेताओं से कहा कि हमें आत्मसंतुष्ट और अति आत्मविश्वासी नहीं बनना है, माहौल हमारे पक्ष में है, हमें एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें लगता था कि मोदी सरकार लोकसभा चुनाव के नतीजों से सबक लेगी, लेकिन वह आज भी समुदायों को विभाजित करने, भय और शत्रुता का माहौल बनाने की अपनी नीति पर कायम है। इस दौरान उन्होंने आरएसएस पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि आरएसएस खुद को एक सांस्कृतिक संगठन कहता है, लेकिन पूरी दुनिया जानती है कि वह बीजेपी का राजनीतिक और वैचारिक आधार है। सीपीपी की मीटिंग में सोनिया गांधी ने कहा कि केंद्रीय बजट में किसानों और



युवाओं की मांगों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का जनगणना कराने का कोई इरादा नहीं है। सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश में चल रही कांवड़ यात्रा का जिक्र करते हुए नेमप्लेट विवाद की भी बात की। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से सुप्रीम कोर्ट ने सही समय पर हस्तक्षेप किया, लेकिन यह केवल एक अस्थायी राहत हो सकती है। सोनिया गांधी ने वायनाड में आई आपदा पर भी दुख जताया।

यूपीएससी ने पूजा खेडकर पर की कार्रवाई, अब नहीं रही आईएएस

एजेंसी/नई दिल्ली

विवादों में फंसी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को बड़ा झटका लगा है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने पूजा खेडकर की अस्थाई उम्मीदवारी को रद्द कर दिया है। इसके अलावा खेडकर पर भविष्य में होने वाली किसी भी परीक्षा में शामिल होने पर रोक लगाई गई है। यूपीएससी ने इस बात के संकेत पहले ही दे दिए थे। यूपीएससी ने दिल्ली पुलिस को शिकायत दी थी कि पूजा खेडकर ने अपना नाम, अपने माता-पिता का नाम, अपनी तस्वीर, हस्ताक्षर, ईमेल



आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदलकर फर्जी पहचान पहचान पत्र बनवाए। शिकायत में कहा गया है कि खेडकर ने धोखाधड़ी से परीक्षा दी। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने खेडकर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पूजा खेडकर पर आरोप लगाया गया कि प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी के रूप में उन सुविधाओं की मांग की, जिनकी वे हकदार नहीं थीं।

प्रतिदिन 12 हजार टन अतिरिक्त सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट क्षमता बढ़ाएगी योगी सरकार

उत्तर प्रदेश में कूड़ा प्रबंधन क्षमता को दोगुना करने की तैयारी

केटी न्यूज/लखनऊ

बढ़ते शहरीकरण के साथ ही सॉलिड और लिक्विड वेस्ट का प्रबंधन भी पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार इसे ध्यान में रखते हुए कूड़ा प्रबंधन क्षमता को दोगुना करने की तैयारी में जुटी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप शहरों से प्रतिदिन निकलने वाले हजारों टन कूड़े को प्रॉसेस करके न केवल सड़कें बनाई जा रही हैं, बल्कि वेस्ट टू वंडर योजना के तहत पार्कों का भी निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में प्रदेश के नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने विधानसभा में विस्तार से जानकारी दी है।



उन्होंने बताया कि कूड़ा प्रबंधन के मामले में उत्तर प्रदेश बेहतर स्थिति में है। इसके अलावा प्रदेश के नगरों की एयर क्वालिटी भी देश के तमाम शहरों से बहुत अच्छी है। प्रदेश में प्रतिदिन 20 हजार टन सॉलिड वेस्ट निकलता है, हालांकि अभी फिलहाल 15 हजार टन सॉलिड वेस्ट को प्रॉसेस किया जाता है। बताया कि सरकार इस क्षमता को तकरीबन दोगुना करते हुए 12 हजार टन प्रतिदिन का इजाफा करने जा रही है। प्रदेश में फिलहाल 933 एमआरएफ सेंटर हैं, जिनमें से 711 कार्यरत हैं, जहां सॉलिड वेस्ट को प्रॉसेस करने का कार्य हो रहा है।

वेस्ट मैनेजमेंट का उत्कृष्ट उदाहरण है 'यूपी दर्शन पार्क'

प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिड वेस्ट को प्रॉसेस करते हुए इनसे सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। लखनऊ में न्यू हाईकोर्ट और पुलिस मुख्यालय की रोड को अबर्न वेस्ट को प्रॉसेस करके बनाया गया है। कूड़े को प्रतिदिन घरों से उठाकर एमआरएफ सेंटर में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक और एयर प्रेशर से प्रॉसेस किया जाता है। प्रॉसेस्ड मैटेरियल का तीन प्रकार से उपयोग होता है। इसमें प्राइवेट वेंडर्स को प्लास्टिक का री-यूजेबल मैटेरियल देना, सड़कें बनाना और वेस्ट टू वंडर पार्क बनाने में उपयोग शामिल है। राजधानी लखनऊ में पांच एकड़ में वेस्ट टू वंडर पार्क के रूप में 'यूपी दर्शन पार्क' का निर्माण हुआ है, जो कूड़े के प्रबंधन का उत्कृष्ट मिसाल है। इसके अलावा हैपिनेस पार्क और आगरा, गोरखपुर, मीरजापुर सहित अन्य नगरों में वेस्ट टू वेंडर पार्क का निर्माण किया गया है।



जहानाबाद और औरंगाबाद में चार-चार जबकि रोहतास जिले में दो लोगों की मौत, मचा कोहराम

बिहार में बारिश के बीच आकाशीय बिजली ने बरपाया कहर, 3 जिलों में 10 लोगों की ली जान

केटी न्यूज/पटना

बिहार के कई हिस्सों में बुधवार को हुई बारिश कुछ लोगों के लिए राहत तो कुछ के लिए तबाही लेकर आयी। बारिश के कारण गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से जहानाबाद और औरंगाबाद में चार-चार जबकि रोहतास जिले में दो लोगों की मौत हो गई। इन मौतों के कारण मृतकों के परिजनों पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। इससे हंसते-खेलते घर तबाह हो गए। कुछ समय पहले तक जहां इन घरों के आंगन में खुशियां बिखर रही थीं वहां अब मातम पसरा हुआ था। किसी को यह अंदेशा नहीं था कि जिंदगी की डोर अब टूटनेवाली है।

जहानाबाद में बारिश के दौरान दो अलग-अलग जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने से गांव में तीन बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई। पहली घटना टेहटा थाना क्षेत्र के पश्चिमी सरेन गांव की है जहां खेत में काम करने के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, दूसरी घटना परस बीघा थाना क्षेत्र के कसवां गांव की है जहां खेत में काम करने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति मौत हो गई।



खेत में काम करने के दौरान अचानक आ गई मौत

बुधवार को मौसम ने करवट ली और झमाझम बारिश हुई, लेकिन यह बारिश सरेन और कसवां गांव में कहर बन कर आई। सरेन गांव में ठनका गिरने से तीन बच्चे चंदन दास, पवन मांझी और गोपाल मांझी की मौत हो गई। ये सभी खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। बारिश के क्रम में उनके ऊपर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई जिससे तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरी घटना परस बीघा थाना क्षेत्र के कसवां गांव की है जहां खेत में काम करने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। आनन फानन में उसे सदर अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक मोहन दास बुधवार को खेत से काम कर रहा था। इस दौरान अचानक ठनका गिरने से उसकी मौत हो गई।

आकाशीय बिजली से बचने के लिए करें ये उपाय: यदि आप खेत खलिहान में काम कर रहे हैं, और किसी सुरक्षित स्थान की शरण न ले पाये हों तो सबसे पहले आप जहां है वहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सूखी चीजें जैसे-लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें। दोनो पैरों को आपस में सटा लें, दोनो हाथों को घुटनों पर रख कर अपने सिर को जमीन के तरफ झुका लें।

औरंगाबाद में जितनी भी मौतें हुईं, सभी खेत में कर रहे थे काम

बिहार के औरंगाबाद में खेत में काम करने के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 3 महिला और एक पुरूष शामिल हैं। पहली घटना बारूण थाना क्षेत्र अंतर्गत छक्कन बिगहा गांव की है। जहां राम अवतार सिंह की 60 वर्षीय पत्नी सोनाहल देवी की मौत आकाशीय बिजली गिरने से हो गई, वो खेत में काम कर रही थी। दूसरी घटना इसी थाना क्षेत्र के रेड़िया गांव निवासी विनय पाल की पत्नी जैतरी देवी के साथ घटी है। वो भी खेत में काम कर रही थी, इसी दौरान वज्रपात की चपेट में आ गई। वहीं तीसरी घटना मदनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पिरवां गांव की है। जहां के रहने वाले राजगीर महतो के 40 वर्षीय पुत्र महेश प्रसाद उर्फ गोरा की मौत ठनका की चपेट में आने से हो गई। वे खेत में धान की रोपनी के लिए मेढ़ बांधने गए थे। चौथी घटना टंडवा थाना क्षेत्र के खजूरी महेश गांव में घटी है। जहां रामदहीन पासवान की 55 वर्षीय पत्नी इंद्रावती देवी वज्रपात की चपेट आ गई। वह खेत में धान रोपनी करने पहुंची थी। इसी बीच बारिश होने लगी और अचानक ठनका गिर गया। जिसके चपेट में आने से मौत हो गई।

रोहतास जिले में एक ही परिवार के सात लोग झुलसे

रोहतास जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में एक ही परिवार के सात लोग गंभीर रूप से झुलस गए। जिनमें दो लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच को इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान शिवपूजन राम और विवेक कुमार के रूप में की गई है। दोनों रिश्ते में चाचा-भतीजा थे। घटना जिले के करगहर प्रखंड क्षेत्र के देव खैरा गांव की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, सभी सदस्यों में से कुछत के ऊपर लगाए गए झोपड़ी और आंगन में थे। तभी वर्षा के बीच बिजली गिरी जिसमें चाचा शिवपूजन राम तथा भतीजा विवेक कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि धनजी राम की पत्नी बुद्धि देवी, ऋषि कपूर राम की पत्नी रानी देवी, श्री कृष्णा राम की पत्नी सिंधु देवी, शंकर राम की पुत्री दुर्गा कुमारी एवं धनजी राम की पुत्री दिव्यांशु कुमारी घायल हो गई।

सुपौल में नर्सरी के छात्र ने तीसरी कक्षा के छात्र पर चला दी गोली



केटी न्यूज/पटना

बिहार के सुपौल में बुधवार की सुबह तीसरी कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र को दूसरे लड़के ने गोली मार दी। घटना त्रिवेणीगंज के लालपट्टी स्थित एक प्राइवेट बोर्डिंग स्कूल की है। जिस छात्र को गोली लगी है उसका नाम मो. आसिफ है। उसकी उम्र 10 से 12 साल के आसपास होगी। गोली उसके बाएं हाथ की हथेली में लगी जो आर-पार हो गई है। हालांकि गोली मारने की वजह अभी सामने नहीं आई है।

मो. आसिफ को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल त्रिवेणीगंज में भर्ती कराया गया है। यहां उसका इलाज चल रहा है। हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर है। इस घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल उठ रहा है जिस बच्चे ने गोली मारी है उसके पास हथियार कहां से पहुंचा? इसकी पुलिस जांच कर रही है। कहा जा रहा है कि जिस छात्र ने गोली मारी है वह भी इसी स्कूल का बच्चा है। उसकी उम्र 6-7 साल के आसपास होगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस छात्र ने गोली चलाई है उसका पिता पहले इस स्कूल में गार्ड का काम करता था। गोली चलाने वाला छात्र नर्सरी में पढ़ता है। इस मामले में घायल छात्र के परिजन (मामा) ने बताया कि स्कूल के प्रिंसिपल ने सूचना दी कि आपके बच्चे मो. आसिफ को गोली लगी है। अस्पताल आइए। आरोपित छात्र के पिता को सूचना दी गई तो वह भी स्कूल पहुंचे। आनन-फानन में प्रिंसिपल के टेबल से बंदूक लेकर अपने बेटे के साथ स्कूल की दीवार फांदकर वह फरार हो गए।

बेगूसराय में बिना रजिस्ट्रेशन के मीट-मुर्गा की बिक्री पर लगी रोक

केटी न्यूज/पटना

बेगूसराय में भी अब योगी के यूपी मॉडल लागू होने जा रहा है। दरअसल, गिरिराज सिंह की लगातार मांग के बाद नगर निगम बेगूसराय में बिना निबंधन के और खुले में चलने वाले मीट की दुकानों को बंद कराया जा रहा। साथ ही स्पष्ट हिदायत दी गई है कि खुले में मीट और मुर्गा की दुकान नहीं लगाएं। बिना निबंधन के मीट मुर्गा के दुकान पकड़े गए तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं नगर निगम के इस आदेश के बाद लोग यह कहने लगे हैं कि अब बिहार के बेगूसराय में भी योगी के यूपी मॉडल की तर्ज पर धीरे-धीरे हिंदू धर्मावलंबियों के धर्म की रक्षा को लेकर प्रशासन सजग हो रहा है। बेगूसराय में पिछले एक सप्ताह से अतिक्रमण हटाओ अभियान चल रहा है। इसी दौरान एनएच 31 किनारे खुले में चल रहे मीट मांस के दुकानों को हटाया गया है। चेतावनी दी गई है कि खुले में मीट मांस की दुकान नहीं चलेंगी।

सहरसा पुलिस ने फरार चल रहे एक लाख रुपए के इनामी कुख्यात साधु यादव को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

सहरसा से एक लाख के इनामी कुख्यात को गिरफ्तार कर लिया गया है, जो पहले पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। हालांकि उस समय इसके एक साथी को प्रतिबंधित हथियार एके-47 के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था। सहरसा जिले के एक लाख के इनामी महिषी थाना क्षेत्र के धनौजा निवासी कुख्यात अपराधी साधु यादव को गांव के बगल रकथी से जिला आसूचना इकाई ने गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी पर पुलिस द्वारा एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ में जुटी है।

गौरतलब है कि कनारिया थाना और चिरैया थाना पुलिस ने इसके एक सहयोगी को बीते मई महीने की 12 तारीख को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार अपराधी साधु यादव पुलिस पर फायरिंग कर भागने में कामयाब हो गया था, जिसके बाद एसटीएफ भी इसके पीछे लगी थी। सहरसा पुलिस ने पहली बार प्रतिबंधित हथियार में शामिल एके-47 बरामद की थी। जिला आसूचना इकाई, चिरैया थाना और कनारिया ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना पर बीते मई महीने में एक एके-47, एक देशी पिस्तौल, 11 जिंदा कारतूस और दो खोखे के साथ कुख्यात अपराधी सुभाष यादव को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, एक लाख का इनामी कुख्यात अपराधी साधु यादव पुलिस पर गोलीबारी कर भागने में सफल रहा था।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

जांच में मिली खामियों के बाद खान सर के कोचिंग सेंटर पर पुलिस ने जड़ा ताला

केटी न्यूज/पटना



दिल्ली के राजेंद्र नगर के कोचिंग संस्थान में अभ्यर्थियों की मौत के बाद पटना सहित पूरे बिहार के कोचिंग संस्थानों की जांच की जा रही है। दिल्ली के कोचिंग संस्थान की लाइब्रेरी में तीन छात्रों की मौत के बाद पटना में भी जांच कर सिलसिला शुरू हुआ है, जिसमें खान सर के कोचिंग सेंटर पर भी ताला जड़ दिया गया है। दरअसल, यह कोचिंग सेंटर मानकों के अनुरूप नहीं था। जिसे फिलहाल बंद कर दिया गया है। सदर एसडीएम ने मंगलवार को निरीक्षण किया था, जिसकी जांच रिपोर्ट में कई खामियां मिली। इसके बाद कोचिंग के बाहर बुधवार को नोटिस लगाकर इसे बंद कर दिया गया है।

बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने भी दिल्ली की घटना से सबक लेते हुए बिहार के सभी कोचिंग संस्थानों की जांच करने का आदेश दिया है। यह आदेश सभी जिलाधिकारी सपा और फायर ब्रिगेड के अधिकारियों को जारी किया गया है। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्री की तरफ से यह कदम उठाया गया है। पटना में कोचिंग संस्थानों की जांच मंगलवार से ही की जा रही है। जांच के क्रम में खान सर की कोचिंग में भी खामी पाई गई। पटना के एसडीएम श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर टीम के साथ कई कोचिंग संस्थानों का जायजा लिया। वह खान सर के जीएस रिसर्च सेंटर पहुंचे थे। मिली जानकारी के अनुसार पहले तो खान सर के कर्मचारियों ने उन्हें टालने की कोशिश की, लेकिन बाद में पूरे कोचिंग सेंटर की जांच की गई। अब तक लगभग 30 कोचिंग सेंटर की जांच की गई है, जिनमें कई कोचिंग सेंटर तो ऐसे हैं जिनका रजिस्ट्रेशन भी नहीं हुआ है। प्रशासन की तरफ से कोचिंग सेंटर में फायर सिस्टम का होना अनिवार्य बताया गया है, जो ज्यादातर संस्थाओं के पास नहीं मिला।

झारखंड में एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी जदयू: श्रवण

पटना। जैसे-जैसे झारखंड विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक दलों में हलचल भी तेज हो गई। इसी बीच झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार सरकार में जेडीयू कोटे से मंत्री श्रवण कुमार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में हम लोग एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। कितने सीटों पर लड़ेंगे और किन-किन विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, ये हमारे नेता मिल बैठकर निर्णय करेंगे। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि एनडीए से फाइनल बातें हो जाएंगी, उसके बाद उम्मीदवारों का चयन होगा। श्रवण कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में झारखंड में चुनाव लड़ेंगे भी और जीतेंगे भी। झारखंड जदयू के प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि हमारी तैयारी 11 विधानसभा सीटों पर है। इस पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष ने जो लिस्ट दिया है, वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गोपनीय है।

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018
APPROVED RERA
ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING
FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX
SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

कृषि भवन पटना के अवस्थित सभागार में 'शीतगृह मालिकों के साथ परिचर्चा का आयोजन

बिहार में कोल्ड स्टोरेज खोलने पर दिया जाएगा 50 प्रतिशत का सहायता अनुदान: मंगल पांडेय

केटी न्यूज/पटना



बिहार सरकार के कृषि मंत्री मंगल पांडेय द्वारा बुधवार को कृषि भवन पटना के अवस्थित सभागार में 'शीतगृह मालिकों के साथ परिचर्चा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल द्वारा की गई।

इस दौरान कृषि मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार राज्य में फल का औसतन 5059 हजार मीट्रिक टन उत्पादन सालाना होता है, जो भारतवर्ष में फलोत्पादन में आठवां स्थान है। इसी प्रकार, बिहार राज्य में सब्जी का औसतन 18021 हजार मीट्रिक टन उत्पादन सालाना होता है, जो भारतवर्ष में चौथा स्थान एवं आलू का उत्पादन लगभग 9075 हजार मीट्रिक टन सालाना होता है, जो भारतवर्ष में तीसरा स्थान है। इतनी अधिक मात्रा में फल, सब्जी एवं आलू के उत्पादन के पश्चात इन्हे संरक्षित रखने के लिए बड़े पैमाने पर शीतगृह एवं कोल्ड चेन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य में अब तक कुल 202 शीतगृह कार्यरत हैं, जिसकी कुल भण्डारण क्षमता लगभग 12,30,176 मीट्रिक टन है। बिहार राज्य में 12 जिले ऐसे हैं, जहां कोल्ड स्टोरेज की सुविधा किसानों को प्राप्त नहीं है। इसे दृष्टिगत रखते हुए राज्य के 12 जिलों यथा-मधुबनी, नवादा, औरंगाबाद, बांका, सहरसा, जमुई, मुंगेर, जहानाबाद, लखीसराय, शेखपुरा, अरवल तथा शिवहर में नए कोल्ड स्टोरेज निर्माण कराने हेतु राज्य सरकार द्वारा तीन वर्षों के लिए योजना स्वीकृत है। इस योजनान्तर्गत नए कोल्ड स्टोरेज टाईप-1 एवं टाइप-2 की स्थापना पर 50 प्रतिशत सहायतानुदान का प्रावधान है।

मंत्री ने कहा कि राज्य में कार्यरत कोल्ड स्टोरेजों में सौर ऊर्जा की संस्थापना की योजना भी स्वीकृत है, जिसके अन्तर्गत राज्य के वर्तमान में मौजूद कोल्ड स्टोरेजों में से 50 इकाई को सौर ऊर्जा के माध्यम से संचालन कराया जाएगा, ताकि विद्युत ऊर्जा पर निर्भरता कम की जा सके तथा किसानों को सस्ते दर पर भंडारण की सुविधा प्राप्त कराई जा सके, जिस पर 50 प्रतिशत अधिकतम 17. 50 लाख रुपए प्रति कोल्ड स्टोरेज सहायतानुदान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त राज्य के सुदूर क्षेत्रों में फल एवं सब्जियों के भंडारण की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण फल एवं सब्जियां बहुतायत मात्रा में खराब हो जाती हैं, जिसके लिए सौर ऊर्जा आधारित सोलर पैनल माइक्रो कूल चैम्बर जिसकी भंडारण क्षमता 10 मीट्रिक टन है। इससे संबंधित योजना स्वीकृत है, जिससे कि फल एवं सब्जियों की बबार्दी को कम किया जा सके। इस अवयव अन्तर्गत इकाई लागत 25.00 लाख रूपए का 50 प्रतिशत अधिकतम 12.50 लाख रूपए अनुदान दिया जाएगा।

प्रेमचंद ने आज की समस्या-समाधान भी अपने साहित्य में संकेतित किया है: पंकज

♦ महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने प्रेमचंद जयंती का उत्साहपूर्वक किया आयोजन

केटी न्यूज/बक्सर



शहर के प्रतिष्ठित महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय में बुधवार को मानवीय संवेदनाओं का सजीव चित्रण करने वाले, हिंदी साहित्य के प्रख्यात साहित्यकार और जनमानस के प्रिय रचनाकार मुंशी प्रेमचंद जी की 144वीं जयंती का आयोजन अत्यंत उत्साहपूर्ण ढंग से किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रेमचंद को पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई, उसके बाद उनके जीवन और कार्यों पर महत्वपूर्ण व्याख्यान हुआ। हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार चौधरी ने प्रेमचंद के साहित्यिक योगदान पर मुख्य भाषण दिया और प्रेमचन्द को कालजयी साहित्यकार बताते हुए कहा कि प्रेमचन्द ने आज की समस्या और समाधान भी अपने साहित्य में संकेतित किया है, यही प्रेमचन्द की खासियत रही है। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ श्वेत प्रकाश ने कहा कि हम प्रेमचंद की विरासत का जश्न मनाने के लिए गर्वित हैं, जो लेखकों और पाठकों की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहे हैं। उनके कार्य आज भी हमें प्रेरित करते हैं, और हमें उम्मीद है कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी आत्मा को जिंदा रखेंगे। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. छाया चौबे ने प्रेमचन्द जीवन पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि सबके जीवन में प्रेमचन्द एक बार अवश्य आए हैं। प्रत्येक परिस्थिति में जीवन जीने की जिद, विरोध की चेतना आदि हमारे अंदर प्रेमचन्द की उपस्थिति को दशार्ती है। महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. योगर्षि राजपूत ने प्रेमचन्द के गोदान उपन्यास की गूढ़ता पर सबका ध्यान आकर्षित किया और प्रेमचंद की भाषायी विविधता को अपनाने और इस विषय पर शोध को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस कार्यक्रम में फैकल्टी सदस्यों डॉ. रवि प्रभात, डॉ. सैकत देबनाथ, श्री प्रियेश रंजन, डॉ. सुजीत कुमार, श्री अवधेश प्रसाद, डॉ. भरत कुमार, डॉ. श्वेता और महाविद्यालय के सदस्य संतोष कुमार, विनोद कुमार, सुखदेव, लक्ष्मण प्रसाद, भोला, दीपक आदि सहित विद्यार्थियों साक्षी, निशा, रीमा, खुशबू,अजमेरी खातून आदि भी उपस्थित रहे।

जयंती पर याद किये गए मुंशी प्रेमचंद्र

डुमरांव। प्रसिद्ध साहित्यकार और लेखक मुंशी प्रेमचंद्र की जयंती डुमरांव में आईसा के द्वारा मनाया गया। इस दौरान आईसा और आरवाईए नेताओं ने साहित्यकार प्रेमचंद्र के जीवनकाल के समय के औपनिवेशिक भारत और उनके सपनों के भारत को लेकर ब्याख्या किये। इसका संचालन कर रहे गणेश मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि पूंजीवादी सत्ता संस्कृति तथा मौजूदा फासिस्ट दौर में प्रेमचंद्र को याद करना और उनके साहित्य को आम आवाम तक पहुंचाना हमारे लिए अतिआवश्यक है। इस दौरान साहित्यकारों ने कहा कि प्रेमचंद्र ने अपने उपन्यास और कहानियों में कृषक जीवन की त्राशदी का भी चित्रण किया है। डुमरांव विधायक डा. अजीत सिंह ने मुंशी प्रेमचंद्र काल के दौरान अंग्रेजी हुकूमत के साथ-साथ ग्रामीण भारत के जमींदारी जैसी दयनीय स्थिति पर चर्चा करते हुए इन कुरूतियों का कलम के माध्यम से पुरजोर विरोध में प्रेमचंद्र और तमाम साहित्यकारों का अहम योगदान रहा है। राजदेव सिंह ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सामंति, पूंजीवादी ताकतों से लड़ने के लिए प्रेमचंद्र से प्रेरणा लेकर लड़ाई को धारदार बनया जा सकता है। मौके पर अंकित सिद्धार्थ, नवीन कुमार, अनुप शर्मा, गणेश सिंह, रविरंजन, प्रभात, बाबूलाल सहित अन्य मौजूद थे।

एक नजर

केसठ के विद्यालय में भूमिदाता का बसेरा देख प्रशिक्षु आईएएस ने प्रबंधन को लगाई फटकार



केसठ। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी प्रतीक्षा कुमारी ने बुधवार को केसठ प्रखंड क्षेत्र के विद्यालयों का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय जमुवा टोला का निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि विद्यालय का भूमिदाता उसी परिसर में अपना बसेरा बना रह रहा है। इस पर उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को तत्काल विद्यालय परिसर को अतिक्रमणमुक्त कराने का निर्देश दिया। इसके अलावे उन्होंने कन्या प्राथमिक विद्यालय, संस्कृत प्राथमिक विद्यालय, जमुवा टोला प्राथमिक विद्यालय सहित प्रखंड के चारों प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में प्रशिक्षु आईएएस ने विद्यालय में प्रशानिक, प्रबंधकीय एव शैक्षणिक व्यवस्था सहित अन्य जानकारी संबंधित पूछताछ की। साथ ही वर्ग कक्ष में जाकर छात्र छात्राओं से पूछताछ की। विद्यालय में एनजीओ से आ रहे मध्याह्न भोजन, स्वच्छता, पेयजल की व्यवस्था सहित स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। वही, विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक व शिक्षकों को कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया। इसके बाद जमुवा टोला प्राथमिक विद्यालय केसठ पहुंचकर उन्होंने विद्यालय में पठन पाठन व प्रबंधकीय व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पाया कि विद्यालय के अधिकतर कक्षों में ताला लटका हुआ था। साथ ही गुणवतापूर्ण शिक्षा के सूचक बिंदुओं को अमल करने का प्रभारी प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक व बच्चें उपस्थित रहे।

दीवार गिरने से मलबे में दब मजदूर की मौत



केसठ। नावानगर थाना क्षेत्र के केसठ काली मंदिर के समीप बुधवार की सुबह जर्जर भवन को तोड़ने के दौरान दीवार गिरने से मलवे में दबकर 55 वर्षीय मजदूर मुरलीधर राम की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार केसठ काली मंदिर के पास एक जर्जर मकान को पौधरोपण कराने को ले तुड़वाया जा रहा था कि अचानक दीवार के गिरने से केसठ निवासी मुरलीधर राम मलबे में दब गए। कार्य स्थल पर मजदूरों के शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो बचाव-राहत कार्य शुरू कर दिया। काफी मशक्कत के बाद मलवे में दबे मजदूर को बाहर निकाल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ में भर्ती कराया गया। स्थिति चिंताजनक देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए बक्सर सदर अस्पताल रेफर कर दिया, ले जाने के क्रम में रास्ते में ही मजदूर ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर नावानगर थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया गया। जहा से पोस्टमार्टम के बाद प्रशासन ने शव को परिजनों को सौंप दिया। वही इस घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर कोहराम मच गया। मृतक मजदूर की पत्नी रीता देवी का रो रो कर बुरा हाल था। मृतक लोहिया स्वच्छता अभियान के सफाई कर्मी के रूप में कार्यरत था। वह मजदूरी कर अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी का जुगाड़ करता था। मृतक अपने पीछे एक पुत्र तथा एक पुत्री छोड़ गया है। सूचना मिलते ही राजद नेता सुनिल कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव परिजनों से मिल ढांढस बंधाया साथ ही बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा से उचित मुआवजा दिलाने की बात कही। वही उन्होंने में कहा कि वरीय अधिकारियों को लिखा जाएगा तथा पीड़ित परिवार को हर संभव मदद की जाएगी।

बीडीओ ने किया विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण

डुमरांव। सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को त्वरित एवं प्रभावी ढ़ग से लागू करने, इसके सतत अनुश्रवण, न्याय के साथ विकास को सुनिश्चित करने एवं प्रशासन को और संवेदनशील बनाने हेतु राज्य सरकार से मिले निर्देश के आलोक में बुधवार को जिलें के सभी प्रखंड अन्तर्गत विभिन्न प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च विद्यालय का जिला स्तरीय पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया गया। इसी क्रम डुमरांव प्रखंड विकास पदाधिकारी शमन प्रकाश द्वारा प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। बीडीओ ने बताया कि मुरार हाइस्कूल में मध्यान भोजन के बाद छात्रों के घर चले जाने की बात सामने आयी हैं। जिसको लेकर शिक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए आगे से ऐसा नहीं होने की बात कही गयी। वहीं कई विद्यालयों में बेहतर तरीके से साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि ठोरी पांडेयपुर के मध्य विद्यालय में निरीक्षण के दौरान एक शिक्षक गायब पाया गया। जिसके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की गयी हैं।

पुराना भोजपुर काली मंदिर नाले का होगा जीर्णोद्धार



डुमरांव। पुरानाभोजपुर काली मंदिर के रास्ते और नाले के जाम को लेकर लोगों में विरोध का स्वर फूट रहा है। जब इसकी जानकारी उप मुख्य पार्षद विकास ठाकुर को हुई तो उन्होंने मौके पर जाकर काली मंदिर जाने वाले रोड और नाली का निरीक्षण किया। फिर विरोध कर रहे लोगों के साथ बैठक की। उप मुख्य पार्षद ने मंदिर समिति के साथ बैठक की। बैठक में घंटों चली वार्ता के बाद आक्रोशित मंदिर समिति के सदस्यों को काफी मशक्कत के बाद समझाया। बता दें कि नाली सफाई और नाली निर्माण को लेकर मंगलवार को लोगों ने नगर परिषद अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों का जमकर विरोध किया था। लोगों का कहना था कि ये लोग काली मंदिर के प्रांगण में आकर सांत्वना दिए कि हमलोग जाम हुई नाली को बनवाएंगे और सफाई करवाएंगे लेकिन जब से कहकर गए तबसे झांकने भी नहीं आए। उप मुख्य पार्षद से मिले आश्वासन के बाद लोगों में खुशी थी। उप मुख्य पार्षद ने कहा कि काली मंदिर का वार्षिक पूजनोत्सव 13 अगस्त को है, इससे पहले नाली की अच्छे से सफाई, मंदिर के बाहरी परिसर में ईंट सोलिंग सहित अन्य कई कार्यों का पूरा कराया जाएगा। बता दें कि लोगों ने विरोध करते हुए कहा था कि वादों के बावजूद एक ईंट तक काली मंदिर के जीर्णोधार में नहीं जोड़ी गई, वहीं डुमरांव काली मंदिर के पूजनोत्सव से पहले सड़क, नाली और गली का पीसीसीकरण हो रहा है। क्या पुराना भोजपुर के लोग नगर परिषद क्षेत्र में नहीं आते वहीं अब उप मुख्य पार्षद के आश्वासन के बाद स्थानीय लोगों की उम्मीदें एक बार फिर विकास कार्यों की तरफ लग चुकी है।

खबरें फटाफट

शराब सेवन के आरोप में एक गिरफ्तार

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज पुलिस ने शराब सेवन में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 10 धनगाई निवासी रामानंद राम के पुत्र मुकेश कुमार को पुलिस ने नशे की हालत में गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को उनके भाई और मां नशे की हालत में थाना पर लेकर आए थे। जांचोपरांत आरोपी नशे की हालत में पाए गए। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बारिश से गिरी चाहरदीवारी, दबकर एक बच्ची की मौत

बक्सर। नगर थाना क्षेत्र के सोहनीपट्टी में बारिस के बाद एक मकान की चाहरदीवारी भरभरा कर गिर पड़ी। इस दौरान एक तीन वर्षीय बच्ची गिरे दीवार के चपेट में आने से दब गई। जिससे उसकी मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों द्वारा बच्ची का शव सड़क पर रखकर बक्सर मेन रोड को जाम कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की दोपहर शहर में काफी तेज बारिश हुई। बारिश के दौरान पड़ोस के दद्दू राय के मकान का चहारदीवारी अचानक से भरभरा कर गिर पड़ी। चहारदीवारी के चपेट में मनु राजभर की तीन वर्षीय पुत्री काजल आ गई, जिससे वह दब गई। जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने शव को रख शहर का मेन रोड स्थित दुर्गा मंदिर के पास जाम कर दिया। मोहल्ले वासी मौके पर एसपी को बुलाने और उचित कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। सड़क जाम की सूचना मिलने पर टाउन थाना प्रभारी प्रभारी थानाध्यक्ष संजय विकास त्रिपाठी पहुंचे। परिजनों को समझा कर सड़क जाम हटवाया गया। लोगो का कहना था कि यह परिवार बहुत गरीब परिवार है। पिता ठेला व मा चौक बर्तन कर परिवार का भरण पोषण करते है। इसी दौरान पड़ोसी की दीवार गिरने से उसमे दबकर बच्ची की मौत हो गई। जिसे मुआवजे के साथ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैंप लगाकर डीएम ने पात्र लाभुकों के बीच किया ऋण वितरण, मौजूद रहे अधिकारी

उद्योग विभाग ने 64 लाभुकों का 379.16 लाख लोन किया स्वीकृत





♦ बोले डीएम... रोजगार सृजन व आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए अधिक से अधिक लोगों को दे योजना का लाभ

केटी न्यूज/बक्सर

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में बुधवार को उद्योग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं पीएमईजीपी, पीएमईजीपी-2 एवं पीएमएफएमई योजना अंतर्गत ऋण स्वीकृति एवं वितरण कैंप का आयोजन समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। ऋण स्वीकृति एवं वितरण कैंप का उदघाटन के बाद अपने संबोधन में डीएम ने सभी पदाधिकारियों एवं बैंककर्स को अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को योजना का लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया, ताकि रोजगार सृजन के साथ-साथ लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सकें। डीएम ने कहा कि इन योजनाओं का मुख्य उदेश्य रोजगार के माध्यम से लागों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना ही है। उन्होंने कहा कि पात्र लाभुकों का चयन कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर ऋण स्वीकृत कर योजना का लाभ देने से ही इसके उदेश्यों को पूरा किया जा सकता है।

कैंप में हुआ 64 लाभुकों का ऋण स्वीकृत व भुगतान

ऋण वितरण कैंप में पीएमईजीपी योजना अंतर्गत 20 लाभुकों को ऋण स्वीकृति एवं 14 लाभुकों को वितरण पत्र तथा पीएमएफएमई योजना अंतर्गत 12 लाभुकों को ऋण स्वीकृति एवं 18 लाभुकों को वितरण पत्र दिया गया। कैंप में कुल 64 लाभुकों को ऋण स्वीकृति एवं भुगतान किया गया। जिसमें कुल 379.16 लाख की राशि का वितरण व वितरण के लिए लाभुकों का चयन शामिल है। इस कैंप में बैंकों द्वारा अन्य ऋण के रूप में कुल 2023.85 लाख रुपए का ऋण राशि दिया गया।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत दिया जाता है लोन

जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत सेवा क्षेत्र में अधिकतम 20 लाख एवं निर्माण क्षेत्र में अधिकतम 50 लाख ऋण उपलब्ध कराया जाता है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के लाभुकों को क्रमशः 25 से 35 प्रतिशत एवं शहरी क्षेत्र के लाभुकों को क्रमशः 15 से 25 प्रतिशत अनुदान देने का प्रावधान है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम 2 अंतर्गत वैसे आवेदक जिन्होंने पीएमईजीपी -1 एवं मुद्रा ऋण योजना के तहत बैंक से ऋण प्राप्त कर लिया हो तथा तीन वर्षों से कार्यरत इकाईयों, जो टर्म लोन की आदायगी बैंको को कर दिया हो उन्हें 15 प्रतिशत अनुदान की दर से एक करोड़ रूपए तक का ऋण प्रदान किया जाता है। जबकि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के उद्योगों को 35 प्रतिशत की दर से अधिकतम 10 लाख रुपए अनुदान प्रदान किया जाता है।

डीएम ने भावी उद्यमियों के उज्जवल भविष्य की कामना की

डीएम ने कहा कि वर्तमान समय में शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी उद्योगों की स्थापना हो रही है। बक्सर जिला अंतर्राज्यीय सीमा पर स्थित है तथा सड़क एवं रेल नेटवर्क से जुड़ा है जिसके कारण यहां के उद्योगों के लिए बड़ा बाजार उपलब्ध है। जिला पदाधिकारी ने भावी उद्यमियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनसे अनुरोध किया कि अपने साथ अन्य लोगों के लिए रोजगार का अवसर सृजित करें तथा जिला एवं राज्य के आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति के साझेदार बने।

वितरण समारोह में उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल, उप सचिव उद्योग विभाग, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र बक्सर, अग्रणी बैंक प्रबंधक, सभी बैंकों के जिला समन्वयक, शाखा प्रबंधक एवं विभिन्न योजनाओं के लाभुक उपस्थित थे।

बगैर प्राक्कलन बोर्ड लगाए शहर में बन रहे हैं रोड, मानक की अनदेखी

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर में टेंडर व कार्य योजना से 67 योजनाओं पर काम कराना है। वर्तमान में कुछ योजनाओं पर शहर में कार्य प्रारंभ भी हो चुका है। योजनाओं पर शुरू हो चुके कार्य के किसी भी साइट पर प्राक्कलन का बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। बोर्ड नहीं लगाए जाने से लोगों में अफवाहों का बाजार गर्म है। वर्तमान में गोशाला रोड और छठिया पोखरा में काम लगा हुआ है। इस रोड से होकर अनुमंडल कार्यालय और अनुमंडलीय अस्पताल जाया जाता है। लिहाजा अधिकारियों से लेकर आम लोगों का आना-जाना लगा रहता है। इससे गुरने वाला हर यात्री से लेकर नगरवासी तक यह कहते हुए पाए जाते हैं की कितने का रोड बन रहा है, इसका प्राक्कलन बोर्ड संवेदक ने नहीं लगाया है। लोग तरह-तरह की बाते कहते हुए आते-जाते रहते हैं। मिली जानकारी के अनुसार नगर में टेंडर से 34 व कार्य योजना के माध्यम से 33 योजनाओं पर कार्य लगाना है। वर्तमान समय में दोनों योजनाओं पर लगभग आठ से दस स्थानों पर कार्य चल रहे हैं। किसी भी कार्य स्थल पर प्राक्कलन का बोर्ड नहीं लगाया गया है। इस संबंध में लोगों का कहना है कि कहीं भी प्राक्कलन का बोर्ड नहीं मिला। लोग तरह-तरह की बातें कह रहे थे। संवेदक इस लिए प्राक्कलन का बोर्ड नहीं लगाया की लोग देखकर सारी सच्चाई जान इसका पूछताछ शुरू कर देंगे। इस संबंध में जब नप ईओ मनीष कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा की इसकी जांच करायी जाएगी।

धरती के दूजे भगवान के प्रयासों से बच गई खून से लथपथ महिला की जान

केटी न्यूज/डुमरांव



डॉक्टर को यूं ही नहीं धरती के दूजे भगवान की संज्ञा दी जाती है। लोगों को मौत के मुंह से बचा उन्हें नई जीवन देने वाले भगवान की संज्ञा के हकदार होते है। बुधवार को एक बार फिर से अपने इस उपमा को चरितार्थ कर दिखाया है शहर के चर्चित डॉ. विनिश कुमार ने। स्थानीय स्टेशन पर ट्रेन में सवार होने के दौरान उक्त महिला प्लेटफार्म से नीचे गिर गई थी तथा खून से लथपथ हो मौत को गले लगाने ही वाली थी कि संयोग से उसी समय सदर अस्पताल बक्सर के चिकित्सक डॉ. विनीश भी वहां मौजूद थे। वे उसी ट्रेन से बक्सर जा रहे थे। उन्होंने तत्काल यात्रियों के सहयोग से महिला को उठवा पहले प्लेटफार्म पर ही प्राथमिक इलाज देना शुरू किए। फिर उसकी बिगड़ती स्थिति को देख स्टेशन के पास स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए। वहां इलाज देने के दौरान ही उन्होंने एंबुलेंस बुलवा महिला को साथ लेकर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। जहां उनके साथ अन्य डॉक्टरों ने तत्परता से इलाज कर महिला को खतरे से बाहर निकाला। तब जाकर उसकी पहचान हो सकी तथा परिजनों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर ले जाने से पहले डॉक्टर विनिश को तहे दिल से धन्यवाद दिए। मिली जानकारी के अनुसार मलियाबाग निवासी 32 वर्षीय रेशमा खातून अपने गांव से लखनऊ जाने के लिए निकली थी। तभी बीच रास्ता में यह दुर्घटना घट गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि श्रमजीवी में चढ़ने के दौरान अक्सर इस तरह की घटनाएं होती है।

शहर के राज हाईस्कूल सहित विभिन्न स्कूलों में खेलकूद का किया गया आयोजन, छात्रों को दिखा उत्साह

शिक्षा सप्ताह: खेल दिवस पर विभिन्न खेलों से रूबरू हुए स्कूली छात्र

♦ स्थानीय खेलों के आयोजन के साथ ही स्वदेशी खेलों और उनके महत्व के बारे में छात्रों को दी गई जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव





शिक्षा विभाग द्वारा स्थानीय प्रखंड के सभी स्कूलों में बच्चों के बीच शैक्षणिक सुधार को लेकर कई तरह की गतिविधियों चलायी जा रही हैं। सरकारी विद्यालयों में शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम तीन अगस्त तक मनाया जायेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर विभाग द्वारा अलग-अलग दिवस के लिए अलग-अलग थीम निर्धारित किया गया हैं। इस कार्यक्रम के दौरान बुधवार को विभिन्न विद्यालयों में खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय खेलों के आयोजन के साथ ही स्वदेशी खेलों और उनके महत्व के बारे में छात्रों को जानकारी प्रदान की गई। इसके अलावा, प्राचीन भारतीय खेलों के इतिहास और महत्व की जानकारी एवं प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर रस्सी कूदना, विष-अमृत, खो-खो, कबड्डी इत्यादि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्सव के माहौल में किया गया। स्थानीय शहर के राज हाईस्कूल सहित विभिन्न स्कूलों में खेलकूद का आयोजन किया गया। राज हाईस्कूल के हेडमास्टर अनुराग मिश्रा ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल जरूरी है। खेलो से बच्चों का शारीरिक विकास तो होता है साथ ही खिलाड़ी भावना से स्व अनुशासन की भावना भी पनपती है। उन्होंने कहा कि खेल दिवस के मौके पर बच्चों को खेल के महत्व तथा उसका जीवन में लाभ की जानकारी विस्तार से दी गई। इस दौरान छात्रों को कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, ऊंची कूद, लंबी कूद, दौड़ आदि खेल तथा एथलेटिक्स के संबंध में सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अब तो खेल में छात्रों का कैरियर भी बन रहा है।

सिमरी अंचल के निरीक्षण के दौरान लंबित मामलों को देख बिफरीं अपर समाहर्ता

एडीएम कुमारी अनुपम ने जांच में पाया बायोमैट्रिक लगाये जाने के बाद भी विलंब से आ रहे हैं कर्मचारी

- सीओ को सभी राजस्व कर्मियों से स्पष्टीकण पूछने का दिये निर्देश
- लंबित है दाखिल खारिज के कई मामले, साक्ष्य के बावजूद अस्वीकृत किए गए है परिमार्जन

केटी न्यूज/सिमरी

बुधवार को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह के द्वारा सिमरी अंचल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरन उन्होंने दाखिल खारिज, परिमार्जन, सरकारी भूमि अतिक्रमण, मापी संबंधी मामले, जमाबंदियों का आधार सीडिंग, लगान वसूली एवं अभियान बसेरा-2 के तहत भूमिहीनों को भूमि उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली तथा सीओ को इस संबंध में कई आवश्यक निर्देश भी दिया। दाखिल खारिज की समीक्षा के क्रम में उन्होंने पाया कि राजस्व कर्मचारी द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर प्रतिवेदन समर्पित नहीं की किया गया है, वही अंचल अधिकारी द्वारा भी इस संबंध में किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। अपर समाहर्ता ने इसे विभागीय निदेर्शों का उल्लंघन बताया और सभी राजस्व कर्मचारियों से स्पष्टीकरण पूछने व संतोषजनक जबाव नहीं देने वालों पर विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

साक्ष्य के बावजूद रद्द किया गया है परिमार्जन

परिमार्जन संबंधी मामले की समीक्षा के दौरान अपर समाहर्ता ने पाया कि अंचल कार्यालय में सभी साक्ष्य उपलब्ध होने के बावजूद परिमार्जन संबंधी मामले को अस्वीकृत किया गया है। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही माना तथा कहा कि विभागीय निर्देश है कि निर्धारित समय सीमा के अंदर परिमार्जन का काम पूरा कर लेना है। इस संबंध में भी राजस्वकर्मियों से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया तथा कहा कि परिमार्जन का काम वरीयता के



आधार पर करना है।

प्रधान लिपिक को लॉग बुक का ठीक से संधारण का दिया निर्देश

अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता ने पंजी एवं लॉग बुक का अवलोकन भी किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि इसका संधारण सही ढंग से नहीं किया गया है। उन्होंने प्रभारी प्रधान लिपिक एवं अंचल अधिकारी को निर्देश दिया कि इसका संधारण सही ढंग से करवाए। उन्होंने कहा कि यदि दोबारा तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अभियान बसेरा के तहत पर्चा देने का निर्देश

अभियान बसेरा- 2 के की समीक्षा के दौरान उन्होंने चिन्हित भूमिहीन परिवार या पात्र परिवार को भूमि उपलब्ध नहीं कराने पर नाराजगी जताई तथा कहा कि अंचल प्रशासन द्वारा सरकार के इस महत्वाकांक्षी एवं महत्वपूर्ण योजना को जान बूझकर असफल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सीओ से इस संबंध में स्पष्टीकरण पूछने का निदेश दिया कि अभी तक पात्र लाभुकों को बासगीत पर्चा क्यों नहीं दिया गया है।

विलंब से आने वाले कर्मियों पर करें कार्रवाई

बायोमेट्रिक उपस्थिति की समीक्षा करने पर पाया गया कि कुछ कर्मियों द्वारा विलंब से उपस्थिति दर्ज की गई है। अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में निर्गत दिशा निर्देश के आलोक में संबंधित कर्मियों पर नियमानुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे।अवकाश पंजी का संधारण सही ढंग से नहीं किय गया था। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि कुछ कर्मी एक सप्ताह से ज्यादा समय से कार्यालय से बगैर स्वीकृति के अनुपस्थित हैं। बावजूद इसके अंचल अधिकारी द्वारा इस संबंध में किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि इस संबंध में प्रभारी प्रधान लिपिक से स्पष्टीकरण पूछेंगे तथा कर्मियों को कार्य संस्कृति में सुधार लाने का निर्देश देने को कहा। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह में कार्यसंस्कृति में सुधार नहीं हुआ तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यह लगातार सूचना मिल रही है कि कई कर्मी मुख्यालय छोड़कर अपने घर यानी दूसरा जिला में चले जाते है। इस तरह की कार्यप्रणाली किसी भी स्तर पर बर्दास्त नहीं की जाएगी। इसमें जो भी दोषी पाए जाएंगे। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

एक नजर

देवमार्कण्डेय शिव धाम से सैकड़ों की संख्या में कांवरियों का जत्था बक्सर के लिए रवाना हुआ



काराकाट। काराकाट प्रखंड मुख्यालय देवमार्कण्डेय शिव धाम से बुधवार को हाथी-घोड़े व गाजे-बाजे के साथ सैकड़ो की संख्या में कांवरियों का जत्था बक्सर के लिए रवाना हुआ। उसके पूर्व शिव धाम परिसर में विद्वतजनों के श्रीमुख से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सर्वप्रथम गजानन की पूजा व अर्चन की गई। उसके उपरांत भूत भावन बाबा भोलेनाथ के सपरिवार पूजन अर्चन करते हुए उक्त स्थल पर विद्यमान सभी देवी देवताओं का विधिवत पूजन अर्चन किया गया । तत्पश्चात उसी गांव के रहने वाले वीरेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में सभी कांवरियों का जत्था मां गंगा का जल लाने बक्सर के लिए रवाना हो गए । उक्त दौरान शिव धाम स्थल पर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि विष्णु लोक से पधारे सभी देवी देवता व गंधर्व अपने नेत्रों से इस सुंदर दृश्य को देख रहे हो । उक्त स्थल से सिर्फ व सिर्फ सभी शिव भक्तों के श्रीमुख से बोल बम के नारा बा... बाबा एक सहारा बा ... बोल बम... जय महाकाल के जय घोष गूंज रहे थे । उस वक्त दृश्य देखने पर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मानों ब्रह्मांड के सभी देवी देवता व गंधर्व मृत्यु लोक पर पधारे हुए है । बताते चले कि देव मार्कण्डेय शिव धाम से नौ यात्री बस व करीब 10 से 20 की संख्या में बाइक सवार जल लाने के लिए बक्सर के लिए रवाना हुए । पूजा समिति के अनुसार बक्सर के लिए करीब साढ़े 5 सौ के आसपास कांवरिया जल लाने बक्सर के लिए प्रस्थान किए है । जो सभी कांवरिया गंगा स्नान कर आज यानी गुरुवार को जल लेकर बिक्रमगंज शहर के रेलवे स्टेशन के समीप संध्या समय विश्राम के लिए रुकेंगे ।जहां पर सभी कांवरियों के लिए नगर परिषद बिक्रमगंज के धारूपुर पूजा समिति के सभी सदस्यों व देवमार्कण्डेय पूजा समिति के सभी सदस्यों के द्वारा संयुक्त रूप से जलपान व भोजन की व्यवस्था की गई है । उसके उपरांत सभी कांवरिया स्नान कर अपने गंतव्य स्थल देवमार्कण्डेय शिव धाम के लिए प्रस्थान करेंगे । साथ ही साथ शुक्रवार की सुबह बाबा भोलेनाथ के परिसर में पूजन अर्चन के दौरान आस्था और विश्वास के साथ जलाभिषेक करेंगे । उसके बाद बाबा भोलेनाथ के सभी शिवभक्त जलाभिषेक करेंगे । जिसकी सारी तैयारी देवमार्कण्डेय पूजा समिति के द्वारा कर ली गई है ।

सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षकों के मूल प्रमाण पत्रों की जांच आज से, तैयारी पूरी

बक्सर। जिले में प्रथम सक्षमता परीक्षा में उत्तीर्ण शिक्षकों की मूल प्रमाण पत्रों का वेरिफिकेशन सह काउंसिलिंग गुरुवार से डीआरसीसी भवन में किया जाएगा। इसकी तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। इसको लेकर अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग एस सिद्धार्थ ने पत्र जारी किया है। जारी पत्र के अनुसार जिले में वेरिफिकेशन को सुगमतापूर्वक कराने के लिए सात काउंटर बनाया गया है। सभी काउंटरों के लिए कर्मियों को नियुक्त कर दिया गया है। जो विभागीय निर्देश के आलोक में आवश्यकतानुसार संचालित होंगे। वेरिफिकेशन के लिए शिड्यूल भी विभाग से जारी किया गया है। वेरिफिकेशन का कार्य कोटीवार पांच टाईम स्लॉट निर्धारित किया गया है। वहीं जारी पत्र के अनुसार सफल अभ्यर्थियों का जिले के डीआसीसी में वेरिफिकेशन निर्धारित तिथि एवं टाइम स्लॉट के आधार पर किया जाएगा। बिहार विशिष्ट शिक्षक नियमावली 2023 के नियम-4 के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय निकाय शिक्षकों की सक्षमता परीक्षा फरवरी-मार्च 2024 में आयोजित किया गया था। सफलता के बाद नवपदस्थापित विद्यालय में योगदान करने के पश्चात विशिष्ट शिक्षक कहें जायेंगे। अभ्यर्थी वेरिफिकेशन स्थल पर अपने आधार कार्ड एवं रजिस्टर्ड मोबाईल के साथ आयेंगे। जिस पर एसएमएस एवं ई-शिक्षाकोष मोबाईल एप के माध्यम से टाईम स्लॉट की सूचना दी जायेगी। जिसके आधार पर ही वेरिफिकेशन स्थल पर प्रवेश मिलेगा। वहीं प्रत्येक विद्यालय से कार्यरत बल के सापेक्ष एक तिहाई शिक्षक अभ्यर्थी ही वेरिफिकेशन में आयेंगे। जिससे विद्यालय का कार्य प्रभावित नहीं हो सके। वहीं इस दौरान केवल 3 दिन तक ही अभ्यर्थी ऑफिशियल ड्यूटी पर माने जाएंगे। वेरिफिकेशन पूर्वाह्न 9:00 बजे से प्रारंभ की जायेगी। वेरिफिकेशन को 5 टाईम स्लॉट में बांटा गया है। जहां निर्धारित टाइम स्लॉट के अनुसार ही अभ्यर्थी का नाम काउंटर पर खुलेगा। जिसके बाद वेरिफिकेशन होगा। माध्यमिक शिक्षकों का 2 अगस्त 2024 से लगातार, स्नातक कोटि के सभी विषय के शिक्षक का 3 अगस्त 2024 से लगातार, मूल कोटि के उर्दू, बंगला, शारीरिक शिक्षक का 5 अगस्त 2024 से लगातार, मूल कोटि के सामान्य शिक्षक का 6 अगस्त 2024 से लगातार वेरिफिकेशन का कार्य किया जाएगा। पत्र में दी गई जानकारी के अनुसार वेरिफिकेशन की तिथि का वरीयता से कोई संबंध नहीं है। इसको देखते हुए अभ्यर्थियों से वेरिफिकेशन के लिए कोई हड़बड़ी एवं आपाधापी न करने का सलाह दिया गया है। उनकी वरीयता का निर्धारण योगदान की तिथि के आधार पर निर्धारित होगी।

46 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति के मामले में एलआईसी को नोटिस

बक्सर। जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद पत्र संख्या 33/2024 में विपक्षी भारतीय जीवन बीमा निगम को नोटिस जारी किया है। मामला रामरेखा घाट बक्सर के रहने वाले सुनील कुमार केसरी से संबंधित है जो रामरेखा घाट के पास श्रृंगार प्रसाधन की एक दुकान चलाते थे तथा उसके द्वारा अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। उन्होंने दो पॉलिसी अपने एवं अपनी पत्नी पूजा केसरी के नाम से लिया था। पॉलिसी लेने के कुछ दिनों के बाद ही अचानक जब वह दुकान बंद करके घर आए तो उनकी तबीयत बिगड़ गई तथा उन्हें उल्टी होने लगी थी बाद में उनका इलाज बीएचयू बनारस में किया गया। लेकिन कोई सुधार नहीं देख, हेरिटेज, फिर विद्या हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर लखनऊ , डॉक्टर राम मनोहर संस्थान गोमती नगर में उनका इलाज किया गया जहां इलाज के क्रम उनकी मृत्यु हो गई। पति की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी बीमा के लाभ के लिए सभी कागजातों को विपक्षी एलआईसी के कार्यालय में जमा कर दिया। जहां कई दिनों तक उन्हें दौड़ी गया लेकिन बाद में 12 मार्च 2024 को एलआईसी ने एक पत्र देखकर बीमा के दावे को निरस्त कर दिया, जिसे देख परिवार ने सदस्य स्तब्ध रह गए अंत में कोई अन्य विकल्प नहीं पाते हुए परिवादिनी ने आर्थिक क्षति ,मानसिक क्लेश , शारीरिक कष्ट की क्षतिपूर्ति के लिए कुल 46 लाख रुपए के लिए जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद पत्र दाखिल किया जहां ग्रहण के बिंदु पर सुनवाई के बाद न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला उपभोक्ता आयोग वेद प्रकाश सिंह ने विपक्षियों को नोटिस जारी किया है।

जिले में बढ़ी लो-वोल्टेज और पावर कट की समस्या, उपकरण हो रहे खराब

बक्सर। जिले में विद्युत उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज और पावर कट की समस्या झेलनी पड़ रही है, जिसकी वजह से लोग साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के विरुद्ध आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि अन्य राज्यों की तुलना में अधिक बिजली बिल भुगतान करने के बावजूद ना तो निर्बाध और ना ही सही गुणवत्ता की बिजली प्राप्त हो रही है, जिसके कारण घरेलू उपकरण खराब हो जा रहे हैं। साथ ही ,उमस भरे माहौल में जीवन-यापन कठिन हो जा रहा है। विभागीय सूत्र बताते हैं कि कम वोल्टेज पर बिजली का मीटर तेज चलने लगता है।

खबरें फटाफट

वाहन चेकिंग में पुलिस ने काटा 35 हजार का चालान

बिक्रमगंज। स्थानीय थानाध्यक्ष ललन कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने काटा 35 हजार रुपए का चालान। बुधवार को बिक्रमगंज नगर परिषद के धनगाई रोड़ में एसआई सोनी कुमारी ने महिला कांस्टेबल के साथ वाहन चेकिंग अभियान चलाते हुए वाहन नियम उल्लंघन में 23 बाइक चालकों से हेमलेट, डीएल, प्रदूषण, मोबाईल इस्तेमाल, बाइक इंश्योरेंस, ट्रिपल सवारी तहत अलग-अलग राशि अंतर्गत ऑनलाइन के द्वारा पैंतीस हजार रुपए का चालान काटा। जो जांच में पकड़ गए सभी बाइक चालकों का ऑन द स्पॉट चालान काटा गया। इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि वाहन चालकों और जनहित में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। ताकि वाहन चलाते हुए लोग वाहन नियमों का पालन करते हुए अपने जान की सुरक्षा स्वयं कर सकें।

सूर्यपुरा मे किया जायेगा नुक्कड़ नाटक का आयोजन

सूर्यपुरा। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के द्वारा स्मार्ट प्रीपेड मीटर जागरूकता अभियान के तहत प्रखंड सूर्यपुरा के बड़ा तालाब के पास 1 अगस्त को नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाएगा। जिसमे वरिष्ठ प्रोटोकॉल ऑफिसर ख्वाजा जमाल, विद्युत अधीक्षण अभियंता रोहतास इंद्रदेव कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्राविम, सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के साथ साथ क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि उक्त तिथि को नुककड़ नाटक के माध्यम से सभी उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्रीपेड मीटर की विशेषताएं को बताया जायेगा। अभी तक विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज के ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत 7011 स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का कार्य जोरों पर चल रहा है।

पुलिस ने एनबीडब्ल्यू वारंटी को किया गिरफ्तार

दावथ। सूर्यपुरा पुलिस ने एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सूर्यपुरा थाना के प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष कंचन राज ने बताया कि थाना क्षेत्र के अन्धार निवासी वीर बहादुर बैठा को पुलिस ने गिरफ्तार कर जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से वारंट निर्गत था।

धारा प्रवाहित इलेक्ट्रिक मोटर की चपेट में आने युवक की मौत

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव स्थित बधार में खेत की सिंचाई करने के लिए गए एक 30 वर्षीय किसान धारा प्रवाहित इलेक्ट्रिक मोटर की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया, जिसकी जानकारी के बाद ग्रामीणों ने उसे इलाज के लिए राजपुर सीएचसी लाया। जहा गम्भीर स्थिति में उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन, बीच रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मिली जानकारी के अनुसार राजपुर निवासी विश्वामित्र पासवान के पुत्र मनोज पासवान एवं उसके चचेरे भाई वीरेंद्र पासवान दोनों बधार में खेत की सिंचाई करने के लिए गए थे। खेत पर पहुंचते वक्त बिजली नहीं थी। इलेक्ट्रिक मोटर को चालू करने के लिए यह लोग सुरक्षा के लिए बने लोहे के बॉक्स को खोला तभी इसमें अचानक करंट आ गया। करंट लगते ही वीरेंद्र झटका के साथ उससे दूर हो गया तब तक मनोज पासवान इस लोहे के बॉक्स के संपर्क में आ गया। जिसमें धारा प्रवाहित होने से वह बुरी तरह से झुलस कर बेहोश हो गया। वीरेंद्र के चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर खेत के आसपास काम कर रहे लोग दौड़कर खेत की तरफ पहुंचे। बेसुध मनोज को इलाज के लिए राजपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल ले जाने के क्रम में बीच रास्ते में ही इसकी मौत हो गई। इसकी खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में भी मातमी सन्नाटा पसर गया। जानकारी के बाद पहुंची पुलिस कागजी कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। किसी को यह विश्वास ही नहीं हो रहा है कि मनोज पासवान अब इस दुनिया में नहीं है। वह काफी मिलनसार व्यक्ति थे।

जिला परिषद सदस्यों ने बक्सर डीडीसी पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, फूंका पुतला

- आरोप विकास कार्यों में बाधा पहुंचा रहे हैं डीडीसी
- डीडीसी की तानाशाही रवैया के कारण विकास कार्य में पहुंच रही है बाधा

केटी न्यूज/बक्सर



बुधवार को जिला परिषद सदस्यों ने बक्सर डीडीसी डॉ महेंद्र पाल पर विकास कार्यों में बाधा पहुंचाने तथा भ्रष्टाचार का आरोप लगा उनका पुतला दहन किया। इसके साथ ही डीडीसी की मनमानी के खिलाफ सदस्यों ने मोर्चा खोल दिया है। पुतला दहन करने के पहले एकजुट हुए जिप सदस्यों ने डीडीसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की तथा उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाया। जिप सदस्यो ने कहा कि डीडीसी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हैं तथा जिला परिषद के विकास कार्यों में बाधा पहुंचा रहे हैं, जिससे आम जनता के बीच जिला परिषद सदस्यों की किरकिरी हो रही है। सदस्यों का कहना था कि उनकी मनमानी व तानाशाही के कारण विकास कार्य अवरुद्ध है। सदस्यों का कहना था कि चुनाव बीते तीन साल हो गए, जबकि अब तक जिला परिषद के माध्यम से विकास योजनाएं शुरू भी नहीं हो पाई है। सदस्यों का कहना था कि वह जानबूझकर बार-बार कार्य एजेंसी को बदल रहे हैं ताकि विकास का काम नहीं हो पाए। बता दें कि इसके पहले भी जिप सदस्यों द्वारा डीडीसी कार्यालय का घेराव किया गया था और आंदोलन की धमकी दी गई थी। बावजूद डीडीसी ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया। इसके बाद उनका आक्रोश चरम पर पहुंच गया और बुधवार को डीडीसी का पुतला दहन कर जिप सदस्यों ने उनके खिलाफ खुलेआम मोर्चा खोल दिया है। पुतला दहन करने वालो में राजीव कुमार यादव, अरमान मलिक, अशोक राम व धर्मेन्द्र ठाकुर आदि सदस्यों के अलावा रिंकू यादव, सुनील कुमार सिंह, मनोज कुशवाहा, विजेन्द्र पाल, पुना साह तथा राजद व बसपा के नेता मौजूद थे।

पुलिस ने नोखा-बक्सर बड़ी लाइन नहर से लापता युवक के शव किया बरामद

केटी न्यूज/दिनारा

नटवार पुलिस ने नोखा-बक्सर बड़ी लाइन नहर से लापता युवक का शव किया बरामद । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नटवार थाना क्षेत्र अंतर्गत राजपुर गांव निवासी राजेंद्र राय के 30 वर्षीय पुत्र अमित राय उर्फ सोनू राय मंगलवार को अपने घर से बाइक द्वारा सुबह के करीब 9:30 बजे के आसपास नटवार बाजार के वास्ते निकले। लेकिन मंगलवार की देर शाम तक नटवार बाजार से वे घर वापस नहीं लौटे। जिसको लेकर उनके परिजन खोजबीन करने के वास्ते घर से निकल पड़े। लेकिन कहीं से कोई सुराक नही मिल पाया। अंततोगत्वा उनके परिजन मंगलवार को करीब 9 से 10 बजे रात्रि के आसपास स्थानीय थाना पर पहुंचे । तत्पश्चात स्थानीय थाना पहुंच पुलिस के समक्ष लापता युवक के भाई अजीत कुमार सिंह व उनके परिजनों ने घटना के बारे में अपनी आपबीती सुनाई । उसके उपरांत स्थानीय पुलिस को लापता युवक के भाई द्वारा गुमशुदगी मामले का लिखित आवेदन दिया गया। पुलिस को लिखित आवेदन दिया गया था। उसके उपरांत घटना की जांच पड़ताल मेजुट गई । जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि लापता युवक के मोबाइल पर कॉल किया गया परंतु उनका मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था । लेकिन पुलिस के द्वारा मोबाइल का टावर लोकेशन की जांच की गई तो मोबाइल का लोकेशन नोखा बता रहा था । लापता युवक के परिजन मोबाइल लोकेशन के आधार पर खोजबीन करने के वास्ते बुधवार की सुबह नोखा पहुंचे । परंतु उनके परिजन को निराशा हाथ लगी। थानाध्यक्ष ने बताया कि लापता युवक के परिजन नोखा-बक्सर बड़ी लाइन होते हुए अगल-बगल एवं बड़ी लाइन नहर में खोजबीन करते हुए घर वापस आ ही रहे थे तो नोखा-बक्सर लाइन बड़ी नहर में नटवार थाना क्षेत्र के पचमोरिया के पास नहर में शव तैरते हुए दिखाई दिया। जिसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई । उक्त दौरान घटनास्थल के आसपास शव की खबर सुन सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई ।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन के तहत 12 लाभुकों को मिला 1.14 करोड़ का लोन

केटी न्यूज/सासाराम



समाहरणालय स्थित डीआरडीए सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी नवीन कुमार ने 25 लाभुकों को लघु लोन वितरण किया। जिला उद्योग केंद्र द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 12 लाभुकों को कुल 1 करोड़ 14 लाख तथा प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के तहत 13 लाभुकों को कुल 1 करोड़ 3 लाख का ऋण उपलब्ध कराया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री उद्यमी योजना तथा मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत सतत रूप से पूरे जिले भर में स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने लाभुकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक माह के तीसरे मंगलवार को ऋण संबंधि, भूमि विवाद, एलपीसी आदि समस्याओं एवम शिकायतों को लेकर आमजनों के लिए बैठक बुलाई जाती है। उन्होंने लाभुकों से कहा कि इस बारे में अपने-अपने क्षेत्रों के ग्रामीणों को बताएं, ताकि उनकी समस्याओं का हल इन बैठकों में किया जा सके। इस मौके पर जिले के वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

सघन-पौधरोपण अभियान के तहत डीएम ने इटाढ़ी में किया पौधरोपण

प्रत्येक छात्र अपने जीवन में एक पौधा लगा उसे करें संरक्षित : डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

पर्यावरण संरक्षण में छात्रों को महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। प्रत्येक छात्र अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगा उसे संरक्षित करें। उक्त बातें बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल ने बुधवार को इटाढ़ी प्रखंड के ग्राम पंचायत बिझौरा के जमुआंव में कही। जहा, जल जीवन हरियाली व सघन पौधरोपण अभियान के अंतर्गत के विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। इस दौरान उन्होंने इस अभियान के माध्यम से जल-जीवन, अभियान को गति भी दी। इस दौरान जिला पदाधिकारी के नेतृत्व में जन प्रतिनिधियों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा



800 पौधों का रोपण किया गया। जिला पदाधिकारी ने इस दौरान कार्यक्रम पदाधिकारी को पौधों की सुरक्षा के लिए चारों तरफ से कटीले तार से घेराबंदी करने को निर्देशित किया। साथ ही वे विद्यालय पहुंचे छात्र-छात्राओं को एक-एक पौधा लगाने एवं उन्हें संरक्षित करने को प्रोत्साहित किये। उन्होंने छात्र-छात्राओं से पेड़-पौधे के महत्व के बारे में पूछा तथा उन्हें बताया कि पर्यावरण संरक्षण में पेड़-पौधा ही सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बिगड़े पर्यावरण को बचाने का एकमात्र उपाय पौधरोपण ही है।

जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत में यदि किसी लाभुक जिनके पास अपना जमीन हो एवं वे पौधारोपण हेतु इच्छुक हो तो ग्राम पंचायत के मुखिया, ग्राम पंचायत रोजगार सेवक एवं कार्यक्रम पदाधिकारी से कार्य अवधि में संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मनरेगा अंतर्गत पोखर के किनारे पेवर ब्लॉक, इनलेट-आउटलेट, पोखर के परिसर में चापाकल के किनारे सोख्ता का भी निर्माण किया गया है। पंचायती राज विभाग से ओपेन जिम भी अधिष्ठापित किया गया है। भविष्य में जब ये पौधे बडे हो जायेंगे उस दौरान पोखर का सुन्दरता और भी बढ जायेगी।

वृक्षों को संरक्षण के लिए पंचायत के मुखिया के द्वारा मनरेगा अंतर्गत आठ वनपोषक को भी चयनित कर कार्य आवंटित कर दिया गया है। जिनका कार्य पौधे को पानी देना निराई गुणई करना, पौधों की सुरक्षा करना एवं अतरजिविता सुनिश्चित करना होगा। ये वनपोषक पांच वर्षों तक पौधो की देखभाल किया जाएगा। जिनको मनरेगा अंतर्गत प्रतिमाह आठ दिवस की मजदूरी दी जायेगी। यह प्रयास किया जा रहा है कि अधिक से अधिक पौधारोपण जिले में हो।

नरहीं वसूली कांड... यूपी एसओजी की रडार पर बिहार पुलिस के कई इंस्पेक्टर व आरक्षी

- यूपी पुलिस के एएसपी पहुंचे बिहार, सारिमपुर से उठा ले आई लग्जरी कार
- बक्सर जिले के कई थानों के पुलिसकर्मी पर हो सकती है कार्रवाई

तिलक कुमार/ बलिया

उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़ा नरहीं वसूली कांड की आंच अब बिहार तक जा पहुंची है। नरहीं वसूली कांड में विवेचक शुभम अग्रवाल व एसओजी की टीम ने पड़ोसी प्रांत बिहार के सारिमपुर से एक संदिग्ध के न मिलने पर उसकी लग्जरी कार उठा ले आई है। वहीं पलियाखास गांव से कई लोगों को उठाया गया है। चूंकि मामले में गंगा इस पार यानी यूपी पुलिस के दारोगा व आरक्षी समेत कइयों पर अब तक गाज गिर चुका है। ऐसे में इससे बिल्कुल इंकार नहीं किया जा सकता है बिहार पुलिस भी जल्द ही कार्रवाई की जद में आ सकते हैं।

सूत्र की मानें तो एसओजी और विवेचक की पूछताछ लगातार जारी है, बिहार खास कर बक्सर जिले के कई



थानों के पुलिसकर्मी नप सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बीते दिनों भरौली यूपी पुलिस के एडीजे व डीआईजी ने ट्रक के खलासी बनकर रेड करने के बाद अब तक नरहीं एसओ के भाग जाने से लेकर गिरफ्तारी तक, आरोपी आरक्षियों के सरेंडर करने तक सब कुछ हो चुका है। अब जब बिहार प्रांत के सारिमपुर तक सब एसओजी टीम पहुंच चुकी है, वह बात दीगर है आरोपी हाथ नहीं लगा और सिर्फ लग्जरी कार ही आई है, ऐसे में अब यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि बिहार पुलिस भी इस कार्रवाई की जद में आ सकते हैं।

रेड के दिन भागे थे बिहार पुलिस के कई सिपाही

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नरहीं वसूली कांड के बाद अब ट्रक वसूली के साथ दारू पर भी बड़े पैमाने में रेड शुरू हो गई है। रेवती, मनियर में लगातार हो रही कार्रवाई और भट्ठों की तस्वीर पुलिस के अब तक रवैये को भी उजागार कर रही है। वसूली के इस खेल में बिना दो हाथ मिले यारी हो नहीं सकती है, ऐसे में बिहार पुलिस का भंडा फूटना तय है। बस परत दर परत कड़ी खुलने की देर है। रेड के दिन भरौली उस पार वीर कुंवर सिंह पर बिहार प्रांत के बक्सर में खड़े कई बिहार पुलिस जो इस वसूली कांड में संल्पित है वह भाग खड़े हुए थे।

खबरें फटाफट

अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा की बैठक आयोजित

गाजीपुर। अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा गाजीपुर की बैठक ब्लाक के महाहर धाम शिव मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। जिसमें संगठन की मजबूती पर बल देते हुए विस्तार किया गया।इसमें संगठन की मजबूती पर बल देते हुए जिलाध्यक्ष मदन यादव ने कहा कि हमारे स्वजाति समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने की आवश्यकता है। इसमें हम सभी लोगों को मिलकर एकजुट होकर इन बुराइयों को दूर करने का संकल्प लेना पड़ेगा। इसके लिए सभी बुद्धजीवी वर्ग को सामने आकर समाज में पनप रही बुराईयों का मुंहतोड़ जवाब देना होगा। इस अवसर पर सर्वसम्मत से नसीरूद्दीनपुर प्रधान प्रतिनिधि अनील यादव को जंगीपुर विधानसभा अध्यक्ष व मरदह ब्लॉक अध्यक्ष रमायन सिंह यादव प्रधानाचार्य को चुना गया। इस मौके पर जिला संरक्षक हरिद्वार यादव, उपेंद्र यादव, महामंत्री प्रवीण यादव, नगर अध्यक्ष अनीता यादव, श्रीराम यादव, उदल यादव, मनोज यादव, उमाशंकर यादव, दयाशंकर यादव, कमलेश यादव, रामविजय, रमाकांत यादव, सहित कई पूर्व व वर्तमान ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य आदि मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के तहत 104 शिक्षकों ने लिया प्रशिक्षण

गाजीपुर। रेवतीपुर बीआरसी में बुधवार को शासन के निर्देश पर जल जीवन मिशन के अंतर्गत मानव जीवन के लिए जल की चुनौतियां विषयक हर घर पानी खुद निगरानी के तहत शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हो गया। दो दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में कुल 104 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। हरेक स्कूल से एक शिक्षकों का चयन इस प्रशिक्षण के लिए किया गया था।बुधवार को अंतिम प्रशिक्षण समाप्त होने पर बीईओ ने प्रशिक्षण में शामिल सभी शिक्षकों को जल जीवन मिश?न से संबंधित एक कीट का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने सभी को जल संरक्षण एवं इसे लेकर आम लोगों में जागरूकता खातिर शपथ भी दिलाई। प्रशिक्षण के समाप्ति पर बोलते हुए बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि हर घर पानी एवं उसकी खुद निगरानी पर जोर देना होगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की हुई बैठक

18 वर्ष से कम आयु व बिना डीएल के वाहन चलाते समय पकड़े जाने पर होगी कार्रवाई

- स्कूल, कॉलेज के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य सुनिश्चित करें कि जो बच्चे जिन वाहनों से स्कूल आते हैं उसकी सूचना वाहनवार स्कूलों में होनी चाहिए

केटी न्यूज / मऊ

जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल स्कूली वाहनों की संख्या 687 है, फिटनेस फेल वाहनों की संख्या 148 एवं परमिट फेल वाहनों की संख्या 141 है। उन्होंने बताया कि फिटनेस फेल एवं परमिट फेल वाहनों के खिलाफ लगातार नोटिस भेजी जा रही है एवं कार्रवाई भी की जा रही है। एक महीने में 16 वाहनों को बंद किया गया एवं 86 वाहनों का चालान भी किया गया है। उन्होंने स्कूल वाहनों के चालकों का ड्राइवरी लाइसेंस एवं चरित्र सत्यापन के संदर्भ में बताया



कि कोरोना से पूर्व डीएल एवं चरित्र सत्यापन की सूचना प्राप्त हो रही थी परंतु कुछ समय से नहीं हो पा रही है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने फिटनेस फेल वाहनों को बंद करने एवं परमिट फेल वाहनों का चालान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में स्कूली वाहन के अतिरिक्त अन्य वाहनों जैसे मोटरसाइकिल, टेंपो, ई रिक्शा आदि से बच्चे स्कूल आ रहे हैं। स्कूल, कॉलेज के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य अपने स्तर से यह सुनिश्चित करें कि जो बच्चे जिन वाहनों के माध्यम से स्कूल आते हैं उसकी सूचना वाहनवार स्कूलों में होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने स्कूली वाहनों में निश्चित सीट केअनुसार ही बच्चों को स्कूल ले आने और ले जाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूली वाहन को निर्धारित गति के अनुसार चलाने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त अभिभावक यह सुनिश्चित करे कि स्कूली ड्रेस में कोई भी छात्र- छात्रा जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है एवं जिन छात्र- छात्रों के पास ड्राइवरी लाइसेंस नहीं है वह बाइक से विद्यालय न जाय, अन्यथा की स्थिति में पकड़े जाने पर वाहन सीज कर दिया जायेगा। उन्होंने ऐसी स्थिति में पकड़े जाने पर वाहन सीज करने के सख्त निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने स्कूल वाहनों के चालको का डीएल एवं चरित्र प्रमाण पत्र का सत्यापन करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने समस्त प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य को निर्देश दिए कि स्कूली वाहन में बच्चों को स्कूल आने और जाने में 1 घंटे से अधिक का समय ना लगे। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों के आवागमन की सुरक्षा ही सबसे महत्वपूर्ण है बच्चे घर से स्कूल तथा स्कूल से घर तक समय से सुरक्षित पहुंचे इसमें चालक एवं परिचालक के दायित्व महत्वपूर्ण हैं। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री इलमारन जी ने फिटनेस फेल वाहनों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को दिए जिससे फिटनेस फेल वाहनों के संचालन को रोका जा सके। उन्होंने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की स्कूली वाहनों में निर्धारित सीट के अनुसार ही बच्चों को स्कूल ले जाने और स्कूल से घर ले आना सुनिश्चित कराए। बैठक के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सहित संबंधित अधिकारी एवं स्कूलों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

एसडीएम न्यायिक ने किया विद्यार्थियों से संवाद



मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र के निर्देश पर घोसी तहसील सभागार में स्कूली बच्चों से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर एसडीएम न्यायिक राजेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि जिलाधिकारी के निर्देश पर यह एक अनूठा कार्यक्रम है जो क्लास 6, 7, और 8 के बच्चो के साथ उनकी भावना, इच्छा, संकल्प, परेशानियां, पढ़ाई का स्तर जानने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन अपने बच्चों को स्कूल भेजना अभिभावकों की पहली जिम्मेदारी है। कोचिंग और ट्यूशन विद्यालय के विकल्प नहीं हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन विद्यालय आने के बाद ही छात्र-छात्राओं को सरकार से मिलने वाली विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार की ये योजनाएं विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन-अध्यापन के लिए अवसर प्रदान करती हैं जिनका लाभ अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को उठाना चाहिए। इस मौके पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय धरौली, कंपोजिट विद्यालय माउरभोज, मानिकपुर आशना, प्राथमिक विद्यालय घोसी तथा कंपोजिट विद्यालय खात्रीपार से करीब आए 92 विद्यार्थियों को उपजिलाधिकारी न्यायिक ने जीवन की दिनचर्या, पठन पाठन, अनुशासन, आने वाले दिनों में पढ़ाई की चुनौतियों के संबंध में विस्तार से बताया। इस दौरान बीईओ,प्रदीप वर्मा, अमरुद्दीन अंसारी, अशफाक अहमद तथा अमित यादव मौजूद रहे।

उप जिलाधिकारी ने सिंगेरा गांव के किसानों की शिकायत पर अस्थाई गौशाला का किया निरीक्षण

केटी न्यूज / गाजीपुर

मरदह विकास खंड के सिगेंरा गांव के किसानों के शिकायत पर गांव स्थित अस्थाई गौशाला का निरीक्षण उप जिलाधिकारी ने किया। मालूम हो गांव निवासी दर्जनों किसानों ने बीते दिनों शिकायती पत्र के माध्यम से उप जिलाधिकारी कासीमाबाद आशुतोष कुमार को पत्रक सौंप के अवगत कराया था कि अस्थाई गौशाला निर्माण गांव में वर्षों पहले स्थापित किया गया। यहां लगभग 80 निराश्रित पशु मौजूद हैं। यहां पर टीनशेड लगाकर पशुओं को रखा गया है। लेकिन परिसर के चारों तरफ वर्षों बाद भी चाहरदीवारी का निर्माण नहीं होने के कारण पशु मौके पर मौजूद क्षतिग्रस्त कटीले तार व पोल को फांदकर बाहर निकलकर किसानो के फसलों को बेतहाशा क्षति पहुंचा रहे हैं। रात हो दिन किसान खेतों की रखवाली करते करते थक हार गए। जिसकी



शिकायत कई बार ग्रामवासियों ने ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान से किए, लेकिन किसी ने सूध नहीं लिया था। शिकायती पत्र मिलने के आज उप जिलाधिकारी कासीमाबाद आशुतोष कुमार ने गौशाला का स्थलीय निरीक्षण किया। इस साफ- सफाई, रख-रखाव, पेयजल, छाया, चारा, पशुओं के स्वास्थ्य? का फीडबैक लिया। किसानों की शिकायत पर मौके पर क्षतिग्रस्त कटीले तार व पोल सहित फसलों को देखा।चहारदीवारी निर्माण के लिए अपने अधीनस्थों को निर्देशित किया तथा मौके पर स्थित गौचर भूमि पर भारी मात्रा में अतिक्रमण को मुक्त कर हरा चारा की बुआई करने का भी निर्देश दिया। इस संबंध में उप जिलाधिकारी आशुतोष कुमार ने कहा कि शिकायत पर मौके का जांच पड़ताल किया गया संबंधित को उचित दिशा निर्देश देते हुए चिन्हित अतिक्रमण को जल्द से जल्द मुक्त कराकर गौशाला प्रबंधक के पक्ष में किया जाएगा।इस मौके पशु चिकित्साधिकारी डॉ. चन्द्रकांत सिंह, क्षेत्रीय लेखपाल जितेन्द्र यादव,प्रधान प्रतिनिधि किशन चौहान सहित शिकायत कर्ता हरेन्द्र, विनोद, सिंधु, आदि उपस्थित थे।

घर में घुसे चोरों ने लाखों के आभूषण पर किया हाथ साफ

केटी न्यूज / गाजीपुर

छत के रास्ते घर में दाखिल हो चोरों ने लाखों के आभूषण व नकदी उठा ले गए। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। थाना क्षेत्र के चंवर गांव में बीती रात जयनरायन सिंह के घर में छत के रास्ते दाखिल होकर चोरों ने 80 हजार नकदी समेत लाखों रुपये के सोने-चांदी के कीमती आभूषण चोरी कर लिया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध चोरी का मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बीती रात्रि में जयनारायण सिंह घर के दरवाजे पर बाहर सोये थे परिवार के लोग ट्रांसफार्मर जलने से लाइट न होने से दो मंजिला मकान के छत पर सो रहे थे। बता दें कि घर के पिछवाड़े से छत के रास्ते मकान दाखिल हुए चोरों ने घर के चार कमरों का ताला तोड़कर उसमे रक्खे बक्शो को तोड़कर लाखो रुपये के दर्जनों की संख्या में सोने चॉदी के आभूषण एवं अस्सी हजार नकदी चोरी कर ली।चोरी के बाद चोरों ने सीढ़ी का दरवाजा बंद करते हुए घर के पिछवाड़े के दरवाजे से बाहर निकल कर बाहर से दरवाजा बंद करके फरार हो गए।सुबह जागने पर घर के कमरों के टूटे दरवाजे बिखरे पड़े सामान को देखकर परिवार के लोगो को चोरी की घटना की जानकारी हुई तो पैरों तले जमीन खिसक गई।मंगलवार की सुबह घर के पिछवाड़े झाड़ियों के पास तीन बक्से टूटी अवस्था में पड़े मिले।गृहस्वामी ने बताया कि आभूषण लड़की की शादी के लिए रखे गए थे।इस संबंध थानाध्यक्ष धर्मेंद्र पाण्डेय कौशल्या सिंह पत्नी जयनारायण सिंह की तहरीर पर पुलिस ने चोरों के विरुद्ध चोरी का मुकदमा दर्ज कर छानबीन किया जा रहा है।

पुरुषार्थ के चार धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति की कामना के लिए आते है यहां

आस्था का केंद्र महाहर धाम : जलाभिषेक के लिए उमड़ रही भक्तों की भीड़

- पूरे सावन जल लेकर पहुंचते हैं शिव भक्त

केटी न्यूज / गाजीपुर

पूरे सावन मास में शिवभक्तों की महाहर यात्रा ऐतिहासिक होती है। आलम यह है कि महादेव के कई भक्त दिव्यांगता को भी मात दे महाहर धाम पहुंच रहे हैं। प्रतिदिन शहर स्थित ददरीघाट से गंगा जल लेकर? शिवभक्त मंदिर पहुंचते हैं। लेकिन रविवार को देर शाम से शुरू हुई यात्रा जो सोमवार देर शाम तक चलती है वह ऐतिहासिक होती है। उस दिन गाजीपुर मुख्यालय से लेकर महाहर धाम तक केवल शिवभक्तों की भीड़ दिखाई देती है। लोग मंदिर तक पहुंचने के लिए पैदल, दंडवत, साइकिल, मोटर साइकिल, चार



पहिया वाहन, ई-रिक्शा से लगातार शिवालय पहुंचने का काम करते हैं। जलाभिषेक के लिए लंबी कतारों में लगकर दर्शन- पूजन करते हैं। पैर में पड़े छाले व दर्द भी आस्था को चोट नहीं पहुंचाते। तीस किलोमीटर की कठिन यात्रा शिवभक्त एक दिन में ही पूरी करते हैं। महाहर धाम जलाभिषेक करने के लिए जनपद ही नहीं गैरजनपदों से भी भोलेभक्तों की भीड़ उमड़ती है। इन भक्तों की सेवा के लिए सोमवार को जगह-जगह स्टाल भी लगाए जाते हैं। ऐसे जलाभिषेक के लिए रोजाना भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है। महाहर धाम पहुंचे? ग्रामीण अंचल व शहर क्षेत्र के सैकड़ों भक्तों ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से यात्रा कर रहे हैं। पुरुषार्थ के चार धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति की कामना के साथ हर वर्ष वह महाहर धाम यात्रा करते हैं। महाहर धाम शिव मंदिर सहित सभी क्षेत्र के अन्य शिवालयों पर भोर से ही शिवभक्तों की कतारें लगी रहती है। दूसरी तरफ महाहर धाम यात्रा पर निकले युवा शिवभक्तों के जयकारों से क्षेत्र का कण-कण भक्तिभाव में डूब जाता है। सावन मास लहुरी काशी में हर ओर हर-हर महादेव की गूंज सुनाई देती है। शिवालयों के कपाट रात के तीसरे पहर से खुलने के बाद दर्शन करने वालों की कतार बढ़ जाती है। महाहर धाम सहित ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों मंदिरों में हजारों भोले के भक्तों की भारी कतार देर शाम तक लगी रहती है। पौराणिक मान्यता है कि कभी अपने नेत्रहीन माता-पिता को कंधे पर लेकर तीर्थ कराने जा रहे बालक श्रवण की जान राजा दशरथ के शब्दभेदी बाण से चली गई थी। त्रेता में अपने को दोषमुक्त कराने के उद्देश्य से यहां पर शिवमन्दिर भव्य निर्माण कराया गया था। यहां जलाभिषेक के लिए दर्जनों दिव्यांगजन व किन्नर समाज के लोग भी बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। दर्शनार्थियों के बीच पहुंचे गौरा रेवतीपुर निवासी दिव्यांग सुमंत राय बागी ने बताया कि वह 2015 से जलाभिषेक कर पूजन अर्चन करते आ रहे हैं। दूसरी ओर दिव्यांग बम अंतू चौहान निवासी बाराचंवर सन् 2009 से ट्रिसाईकिल से जलाभिषेक कर रहे हैं। इसी क्रम में शहर के ददरीघाट निवासी अखिलेश वर्मा जिनका एक पैर नहीं था वह भी जलाभिषेक किए। मलसा गांव के दिव्यांग छोटू चौधरी भी लगातार चार वर्ष से जलाभिषेक कर मन्नत मांग रहे हैं। उसरी गांव मुहम्मदाबाद की 10 महिलाओं के समूह ने कंधे पर कावंड जल यात्रा के दौरान मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक की। दूसरी ओर शंकर जी के स्वरूप में पहुंचे एक शिव भक्त ने भी जलाभिषेक किया, जो काफी चर्चा का विषय रहा। साथ ही साथ दर्जनों लोग दंडवत करते हुए जलाभिषेक कर बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। बीते सोमवार को करीब एक लाख शिवभक्तों ने महाहर बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक कर दर्शन पूजन किया। इस मौके पर सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर सहित परिसर में सीसी कैमरा, एक सेक्सन पीएसी, फायर ब्रिगेड, पांच थानों की पुलिस, महिला कांस्टेबल, पुरूष कांस्टेबल, होमगार्ड, सब- इंस्पेक्टर, पांच एचएसओ की ड्यूटी स्विफ्टवार लगाई गई थी।

एक नजर

पिज्जा सेंटर के मालिक व अराजकतत्वों के खिलाफ नपा कर्मचारियों ने की कार्रवाई की मांग

बलिया। नगर पालिका परिषद बलिया के अधिशासी अधिकारी व कर्मचारियों ने बुधवार को मुख्य राजस्व अधिकारी/प्रभारी अधिकारी स्थानीय



निकाय को ज्ञापन सौंप एक पिज्जा सेंटर के मालिक और उनके द्वारा बुलाए गए अराजकतत्वों के विरुद्ध कर्मचारियों से दुर्व्यवहार और कार्य में बाधा डालने को लेकर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि जिलाधिकारी के मौखिक आदेश के क्रम में बुधवार को टीडी कालेज चौराहा से सिविल लाइन पुलिस चौकी तक अतिक्रमण अभियान चलाया गया। जिसमें अतिक्रमण करने वालो का बोर्ड, करकट आदि हटाया गया और अतिक्रमण हटाने का जुमार्ना लगाया गया। इसी दौरान सिविल पुलिस चौकी के उत्तर साइड पिज्जा की दुकान का बोर्ड हटाया गया और सरकारी वाहन पर लादा गया। इसी दौरान पिज्जा के दुकानदार ने कुछ अधिवक्तागणों को बुला लिया तथा अधिकारी एवं कर्मचारियों पर गैर वसूली का आरोप लगाते हुए अपशब्द बोलते हुए धक्का मुक्की करने लगे। जिसका विरोध हम लोगों द्वारा करने पर हाथ उठाने पर उतारू हो गये और जबरदस्ती पिज्जा के बोर्ड को सरकारी वाहन से उतार ले गये। इस तरह के प्रकरण अतिक्रमण अभियान के दौरान कई बार हो चुके है। ईओ व कर्मचारियों ने पिज्जा दुकानदार एवं इनके द्वारा बुलाए गए अराजकतत्वों के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

एसएसओ की लापरवाही से झुलसा लाइनमैन

बलिया। सुखपुरा क्षेत्र स्थित बैसवार (नार्थ ईस्ट फीडर) पर तैनात लाइनमैन बुधवार की सुबह बहादुरपुर (माधोपुर) में हाईटेंशन तार व इंसुलेटर की मरम्मत कर रहा था, तभी विभाग के एक कर्मचारी ने बिजली सप्लाई कर दिया। जिसकी चपेट में आकर लाइनमैन गम्भीर रूप से झुलस कर नीचे गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर हड़कम्प मच गयी और साथी कर्मचारियों ने



उसे जिला अस्पताल पहुँचाया, जहां से उसे वाराणसी रेफर कर दिया गया। बता दे कि लाइनमैन मनोज यादव निवासी बजहां अपने थाना बांसडीहरोड के माधोपुर में हाईटेंशन तार व इंसुलेटर की मरम्मत कर रहा था, तभी अचानक उपकेंद्र पर तैनात एसएसओ (सब स्टेशन आपरेटर) ने विद्युत सप्लाई चालू कर दी। जिससे मनोज तेज आवाज के झटके के साथ गम्भीर रूप से झुलस कर नीचे गिर पड़ा। इस दौरान उसके शरीर से धुआं निकलता रहा था। वहां मौजूद विद्युतकर्मी उसे लेकर जिला अस्पताल गये, जहां से वाराणसी रेफर कर दिया गया। घटना में एसएसओ की लापरवाही से साथी लाइनमैन की जान जोखिम में देख साथी विद्युतकर्मी काफी आक्रोश में थे और अधिकारियों से संबंधित एसएसओ की सेवा समाप्ति के साथ उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग भी की।

बलिया के बसंतपुर उपकेंद्र पर पहुंचा 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर, विभाग है अंजान



बलिया। बीते डेढ़ माह से विकास खण्ड सोहांव के बसंतपुर स्थित विद्युत उपकेंद्र से जुड़े गांवों को दो से तीन घंटे की आपूर्ति मिल रही है। विभाग इसके पीछे ओवरलोड बताते हुए उपकेंद्र की क्षमता बढाने की बात करता रहा। अब उपकेंद्र पर 10 एमवीए का ट्रांसफार्मर पहुंच चुका है। लेकिन यह किस मद से आया है विभाग को इसकी जानकारी नहीं है। खैर जो भी हो अब विद्युत आपूर्ति सुधरने की उम्मीद दिखने लगी है। सबसे बड़ी बात यह है कि अप्रैल व मई महीने में जब तापमान 48 डिग्री तक पहुंच गया था और बिजली की खपत बढी हुई थी उस समय इसी ट्रांसफार्मर से निर्बाध आपूर्ति हो रही थी। बारिश के बाद जब तापमान में गिरावट आई और बिजली की खपत कम हो गई तो अचानक ओवरलोड कैसे बढ़ गया। उधर, उपकेंद्र के ट्रांसफार्मर को लेकर इलाके में राजनीति भी खूब हो रही है। बता दे कि कुछ दिनों पहले उपकेंद्र पर विधायक संग्राम सिंह यादव ने दावा किया कि उन्होंने बहुत पहले ही अपने निधि से धन बिजली विभाग को दिया था। जबकि डीआरडीए के अधिकारी बता रहे कि ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं है। इतना ही नहीं विद्युत वितरण खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता नरेंद्र प्रकाश ने बताया कि हमे जानकारी नहीं है कि यह ट्रांसफार्मर कैसे आया है। भरौली गांव के चंद्रमणि राय ने आरटीआई के तहत आवेदन देकर विद्युत विभाग से ट्रांसफार्मर के लिए विधायक की ओर दी गई धनराशि की जानकारी मांगी है।

डीएम-एसपी ने जिला जेल का किया औचक निरीक्षण, दिये जरूरी दिशा-निर्देश



बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार व पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बुधवार को जिला जेल का औचक निरीक्षण किया। अधिकारी द्वय ने जेल के बैरक, अस्पताल, किचन आदि को देखा और जेलर को वहां की व्यवस्था सम्बन्धी जरूरी दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जेल अस्पताल में हौमियोपैथ के डॉ विमलेश कुमार ड्यूटी से नदारद मिले, जिस पर उनका स्पष्टीकरण तलब किया है। जिलाधिकारी ने कहा कि जेल किचन में और बेहतर साफ-सफाई की आवश्यकता है। कैदियों को दिये जाने वाले भोजन मीनू के अनुसार हो और उसकी गुणवत्ता अच्छी हो। इसमें अगर शिकायत मिली तो उसे गंभीरता से लिया जाएगा। जिलाधिकारी कैदियों से भी बातचीत कर आश्वस्त हुए कि उनकी कोई समस्या तो नहीं ! इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट इन्द्रकांत द्विवेदी साथ थे।

न्यू पेंशन स्कीम पर योगी ने कहा- हमारी सरकार ने खोले 8 लाख कर्मचारियों के पेंशन खाते

केटी न्यूज/ लखनऊ

- हमारी सरकार ने न्यू पेंशन स्कीम के अंतर्गत राज्यांश को बढ़ाकर किया 14 प्रतिशत
- मुख्यमंत्री ने लाल बिहारी यादव को विरोधी दल बनने पर दी बधाई



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधान परिषद् में न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) को लेकर वक्तव्य दिया। एनपीएस पर पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनाने के बाद राज्य के करीब 8 लाख कर्मचारियों के पेंशन खाता खोलने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि 2005 में जब न्यू पेंशन स्कीम लागू हुई तब प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में सपा सरकार थी। वहीं 2007 से 2012 तक बसपा और फिर 2012 से 2017 तक सपा सत्ता में थी, मगर ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक भी कर्मचारी के पेंशन खाते नहीं खोले गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2018 में जब ये बात हमारे सज्ञान में आई, तब हमने तत्कालीन फाइनेंस सेक्रेटरी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की। इसमें संबंधित विशेषज्ञों को भी रखा गया। कर्मचारी संगठनों से भी चर्चा की गई। ये लगभग आठ लाख कर्मचारियों से संबंधित मुद्दा था। तब ये बात सामने आई थी कि कर्मचारी की लास्ट पेमेंट जो ड्रॉ होगी उसका 50 प्रतिशत देने के लिए आवश्यक होगा कि सरकार अपना शेयर थोड़ा और बढ़ाए। आंकलन में पता लगा कि अगर सरकार और कर्मचारी समय से पैसा जमा करें और कर्मचारी किसी स्कीम से अपना पैसा जोड़ता है तो रिटायरमेंट के बाद करीब 60 प्रतिशत तक पैसा पेंशन के रूप में उसे प्राप्त हो सकता है। इसके बाद हमने पेंशन स्कीम में सरकार के शेयर को 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया है। हमने सभी कर्मचारियों के अकाउंट खोले, 2005 से 2017 तक का पैसा जो कर्मचारियों के खाते में नहीं गया था, क्योंकि खाता ही नहीं था, उस पैसे को भी डालने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 2005 में न्यू पेंशन स्कीम लागू होने के वक्त जिन कर्मचारियों की नियुक्ति अंतिम चरण में थी, ऐसे 70 हजार लोगों को ओल्ड पेंशन स्कीम में ही रखा, इनमें एक बड़ी संख्या शिक्षकों की है। सीएम योगी ने कहा कि न्यू पेंशन स्कीम को प्राइवेट बैंकों में जमा करने की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है और इसमें कार्रवाई भी की गई है, साथ ही धनराशि को वापस लाने का कार्य किया गया है। सरकार की प्राथमिकता होती है कि किसी भी सरकारी स्कीम का पैसा राष्ट्रीयकृत बैंक में ही जुड़े। इससे पहले मुख्यमंत्री ने लाल बिहारी यादव को विधान परिषद् में नेता विरोधी दल बनने पर बधाई दी और चुटकी लेते हुए कहा कि आशा करता हूं कि आप हमेशा नेता विरोधी दल बने रहें।

एक नजर

दिनदहाड़े युवक की हत्या से दहला कयार बाजार, कुछ महीने पहले पिता की हुई थी हत्या

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कयार गांव में मंगलवार की शाम बदमाशों ने अब्दुल्ला पुत्र स्व. एजाज की दिनदहाड़े हत्या कर हत्यारे फरार हो गये। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुँच कर शव को कब्जे में लेकर हत्यारों की तलाश में जुट गयी। अभी कुछ महीने पहले ही बदमाशों ने अब्दुल्ला के पिता ऐजाज अहमद की भी गोली मारकर हत्या कर दी थी। बताया जाता है,कि अब्दुल्ला शाम लगभग पांच बजे कयार चौराहे पर सामान लेकर लौट रहा था तभी पीछा कर रहे तीन बदमाशों ने अब्दुल्ला पर ताबड़तोड़ कई गोली मारी। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गयी। गोली की तडतडाहट की आवाज से आस पास एवं चौराहे पर अफरातफरी मच गयी। दूकानदारो ने दुकाने बंद कर दिया। पुलिस के मौके पर पहुचते ही भारी संख्या में भीड जमा हो गयी। पिता पुत्र दोनों की हत्या से परिवार में गमी का माहौल हो गया। तथा घटना के बाद से ही पूरे गाँव में सन्नाटा पसरा है। एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि अब्दुल्ला के हत्यारों की पहचान हो गयी है वे शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिए जायेगें। सुरक्षा के लिए गाँव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

घर के बाहर अकेले सो रहे अधेड़ की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या

जौनपुर। महराजगंज थाना क्षेत्र के पूरा गंभीरशाह (सुलेमपुर) में मंगलार रात घर से दूर बने मकान पर अकेले सोते समय अज्ञात लोगो ने धारदार हथियार से मारकर एक अधेड़ की हत्या कर दिया।बुधवार सुबह छोटा भाई जब शौच के लिए नए मकान की तरफ आया तो खून से लतपथ मृत पाया भाई ने शोर मचाया तो घर के लोग आ आए ।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। थाना क्षेत्र के पूरा गम्भीरशाह(सलेमपुर) गांव निवासी ओमप्रकाश(50) मिश्रा पुत्र स्व0 राजपति रोज की भांति मंगलवार रात साढ़े नौ बजे पुराने घर से खाना खाकर घर से थोड़े दूर खेत के पास बन रहे नए मकान पर अकेले सोने आए।सुबह छोटा भाई सूर्यप्रकाश जब खेत में आया तो देखा कि बड़े भाई ओमप्रकाश का गला रेतकर नृशंस हत्या कर दी गई थी पूरा शरीर खून से लतपथ था।चिल्लाने पर आसपास के लोग ग्रामीण दौड़ कर मौके पर पहुँचें।घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।घटना की सूचना पर मौके पर पहुँची पुलिस जाँच पड़ताल कर रही है।परिजन कार्यवाही की मांग कर रहे हैं घटना के बाद पत्नी रीता का रो रोकर बुरा हाल है।

पुलिस और बदमाशो के बीच हुई मुठभेड़, पुलिस की गोली से एक बदमाश घायल

जौनपुर। तीन थानों की पुलिस टीम के साथ बाइक सवार दो बदमाशों की मुठभेड़ हुई है।मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है, वही उसका दूसरा साथी मौके से फरार होने में सफल रहा।मुठभेड़ में घायल बदमाश की पहचान राहुल यादव के रूप में हुई जो थाना तेजी बाजार में दर्ज हत्या के प्रयास व अन्य केस में फरार चल रहा था। बदमाश के कब्जे से पुलिस ने एक 32 बोर की पिस्टल ,दो जिंदा कारतूस,एक खोखा कारतूस तथा एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद किया है। एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर चेकिंग के दौरान थाना तेजी बाजार, बक्सा व बदलापुर की संयुक्त पुलिस टीम को मंगलवार रात्रि करीब दो बजे थाना तेजी बाजार क्षेत्र मैनुद्दीन नहर पुलिया के पास बाइक सवार दो लोग आते दिखायी दिए,पुलिस बल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया,लेकिन बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायर कर दिया। पुलिस की जबाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी तथा एक बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। पकड़े गए बदमाश की पहचान राहुल यादव पुत्र बब्बन यादव निवासी गांव सरौली थाना तेजी बाजार के रूप में हुई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री का पुतला फूंका

चंदौली। बजट सत्र के दौरान संसद में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के दिग्गज लीडर राहुल गांधी की जाति को लेकर टिप्पणी करने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का जिले के कांग्रेसियों ने बुधवार को पुतला फूंका। इस दौरान नाराज कांग्रेसियों ने अनुराग ठाकुर व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने कहा कि कांग्रेस देश में जाति जनगणना कराकर रहेगी। कहा कि भाजपा ने हमेशा देश को बांटने का काम किया है। यह चंद पूंजीपतियों के लिए काम करने वाली सरकार है। देश की आम जनता के हित व सरोकार से भाजपा सरकार को कोई लेना-देना नहीं है।

खबरें फटाफट

चोरों ने पत्रकार का मोबाइल उड़ाया

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के नगर पंचायत कजगांव में चोरों ने बीतीरात एक पत्रकार का मोबाइल उसके कमरे से उड़ा दिया। काफी खोजबीन के बाद भी जब मोबाइल नही मिला तो पीड़ित पत्रकार ने चोरी की घटना से जफराबाद पुलिस को अवगत कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त नगर पंचायत निवासी एवं पत्रकार अरविन्द कुमार पटेल बीतीरात अपने कमरे में मोबाइल रखकर सोए हुए थे कि चोरो ने मौका पाकर उनका मोबाइल ही उड़ा दिया। अरविन्द पटेल जब सो कर सुबह उठे तो देखा कि मोबाइल कमरे से गायब है। काफी खोजबीन करने के बाद भी जब उन्हें मोबाइल नहीं मिला तो उन्होंने जफराबाद पुलिस को मामले से अवगत कराया, जिस पर थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव द्वारा मुकदमा दर्ज कर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन पत्रकार अरविन्द पटेल को दिया गया। फिलहाह कमरे से मोबाइल चोरी की घटना से क्षेत्रवासियों में चर्चाए खास बनी हुई है।

उपनिरीक्षकों को दी नई तैनाती

चंदौली। पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे का पोस्टिंग और लाइन हाजिर का क्रम जारी है। मंगलवार की रात्रि लापरवाह इलिया कस्बा के चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया। इसके साथ ही 13 गैर जनपद से आये उपनिरीक्षक को नई तैनाती दी गयी। जिसमें पिछले दिनों धानापुर के भदाहुँ चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर होने के बाद रिक्त हुए चौकी पर कृष्ण कुमार उपाध्याय, चंद्रप्रभा चौकी प्रभारी मनोज तिवारी को भेजा गया. राजेश गिरी को इलिया कस्बा का चौकी प्रभारी बनाया गया है। मनोज तिवारी को चौकी प्रभारी चन्द्रप्रभा, दिनेश मिश्रा को कंदवा, अरुण राय, यज्ञ नारायण यादव को सदर कोतवाली भेजा गया है. हरदेव मौर्या को बबुरी, लक्ष्मीकांत को सकलडीहा, संजय मिश्रा को नक्सल सेल, संजय कुमार तिवारी को इलिया कस्बा चौकी प्रभारी से पुलिस लाइन, इंद्रमणि यादव को चकियां, राजेश राय को अलीनगर भेजा गया है।

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर व डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत 33 आईएमएलसी का होगा विकास

30 जिलों में 33 इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग व लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स की होगी स्थापना

- यूपीडा ने इन सभी आईएमएलसी से संबंधित विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट्स के संकलन व निर्माण के लिए एजेंसी निर्धारण प्रक्रिया की प्रारंभ
- जिन जिलों में आईएमएलसी का गठन होना है उसमें मेरठ, प्रयागराज, आगरा, लखनऊ व गोरखपुर हैं मुख्य तौर पर शामिल, कुल 5 एक्सप्रेसवे के किनारे होगा क्लस्टर्स का निर्माण

केटी न्यूज/ लखनऊ



उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश के औद्योगिक विकास पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है। यही कारण है कि प्रदेश में विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं को गति देने के लिए योगी सरकार की ओर से लगातर प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में, सीएम योगी के विजन अनुसार प्रदेश के कुल 30 जिलों में एक्सप्रेसवे के किनारे 33 इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग व लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स (आईएमएलसी) की स्थापना किए जाने की प्रक्रिया को गति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिन 30 जिलों के 6,149.30 हेक्टेयर चिह्नित क्षेत्र में विभिन्न आईएमएलसी का निर्माण प्रस्तावित हैं उनमें गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ने वाले मेरठ, हापुड़, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ व प्रयागराज मुख्य हैं। इसी प्रकार, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे चित्रकूट में इंडस्ट्रियल कॉरीडोर के साथ ही डिफेंस कॉरिडोर के लिए नोड तथा बांदा, हमीरपुर, महोबा, जालौन व औरैया में आईएमएलसी निर्माण की प्रक्रिया प्रस्तावित है। इसी प्रकार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे व पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के समीप भी आईएमएलसी प्रस्तावित है। इन सभी कार्यों को पूरा करने के लिए एनवॉयमेंटल व अन्य क्लियरेंस प्रक्रिया पूरी करने के लिए विभिन्न प्रकार के रिपोर्ट्स का संकलन व निर्माण किया जाएगा जिसको लेकर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कुल 5 एक्सप्रेसवे के समीप चिह्नित क्षेत्रों में विकास की है योजना

सीएम योगी के विजन अनुसार, 30 जिलों में जिन 33 इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग व लॉजिस्टिक्स क्लस्टर्स की स्थापना की जानी है वह कुल 5 एक्सप्रेसवे के किनारे होगी। इनमें गंगा एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे तथा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे मुख्य हैं। इनमें से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे किनारे आगरा व अलीगढ़ में डिफेंस कॉरिडोर के लिए एडिशनल लैंड अलॉटमेंट तथा फिरोजाबाद, इटावा व कन्नौज में आईएमएलसी के अंतर्गत इंडस्ट्रियल कॉरीडोर की स्थापना की जाएगी। वहीं, कानपुर में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के साथ ही डिफेंस कॉरिडोर के लिए एडिशनल लैंड नोड भी प्रस्तावित है। वहीं, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे गोरखपुर में 62.93 हेक्टेयर में आईएमएलसी के अंतर्गत इंडस्ट्रियल कॉरीडोर तथा अंबेडकरनगर में 143.63 हेक्टेयर व 230.84 हेक्टेयर में इंडस्ट्रियल कॉरीडोर्स का निर्माण प्रस्तावित है। जबकि, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे किनारे लखनऊ में 90, बाराबंकी में 246.30, अमेठी में 148.68, सुल्तानपुर में 338.99 व गाजीपुर में 415.21 हेक्टेयर में आईएमएलसी के अंतर्गत इंडस्ट्रियल कॉरिडोर्स का विकास प्रस्तावित है।

विभिन्न प्रकार के रिपोर्ट्स के निर्माण व संकलन प्रक्रिया होगी शुरू

चूंकि, सभी निर्धारित परियोजनाओं में कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए एनवॉयरमेंटल व फॉरेस्ट क्लियरेंस की जरूरत होगी, ऐसे में यूपीडा द्वारा रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल माध्यम से कन्सल्टेंट एजेंसी की निर्धारण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस निर्धारण प्रक्रिया के पूरा होने के बाद एजेंसी को कायार्वंटित किया जाएगा जिसके बाद 120 दिनों के अंदर उसे आईएमएलसी प्रोजेक्ट से जुड़ी विभिन्न रिपोर्ट्स के निर्माण व संकलन के कार्यों को तेजी से पूरा करना होगा। ऐसा करने के लिए सभी चिह्नित क्षेत्रों में जाकर विभिन्न सर्वे प्रक्रिया को पूरा करना होगा और इस क्रम में उसे एक ऐसी टीम का गठन करना होगा जिसमें एनवॉयरमेंटल स्पेशलिस्ट्स, सोशियो इकॉनमिक स्पेशलिस्ट, फॉरेस्ट-इकोलॉजी व बायोडाइवर्सिटी एक्सपर्ट्स की नियुक्ति की जाएगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 3डी मॉडल के जरिए विभिन्न एक्सप्रेसवे होंगे शोकेस

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर के मध्य होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में भी यूपीडा बड़ी उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। इस कार्यक्रम में यूपीडा हॉल 8 में 400 से 500 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में एग्जिबिशन एरिया में उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रदेश के विभिन्न एक्सप्रेसवे के 3डी मॉडल को शोकेस करेगा। यहां भी इंडस्ट्रियल व डिफेंस क्लस्टर्स को प्रमोट करेगा और 50 ऑफिशियल्स की तैनाती करेगा जो कि एक्सपो में आने वाले इनवेस्टर्स और बिजनेस डिग्निट्रीज के साथ एमओयू समेत विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेंगे। यूपीडा के एग्जिबिशन विजिटिंग एरिया को बेहद आकर्षक बनाया जाएगा और यहां डिफेंस इक्विप्मेंट्स के मॉडल्स को भी शोकेस किया जाएगा।

कांवड़िया संघ जौनपुर ने भगवान शिव की निकाली शोभायात्रा

केटी न्यूज / जौनपुर



प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्रावण मास में भगवान शिव की कावड़ शोभा यात्रा आज दिनांक 31 जुलाई 2024 को बोल बम कांवरिया संघ जौनपुर द्वारा निकाला गया।शोभायात्रा में सर्वप्रथम हनुमान घाट स्थित चौरा माता मंदिर पर बोल बम कांवरिया संघ के संरक्षक संतोष सेठ और महासचिव विमल सिंह ने पूजन अर्चना की। इसके पश्चात एसड्वपीड्वसिटी बृजेश कुमार ने नारियल फोड़कर यात्रा शुभारंभ की घोषणा किया।उसके बाद कोतवाल मिथिलेश मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को आरंभ कराया भगवान शिव की भव्य शोभायात्रा में घोड़ा,डीजे, एवं भगवान शिव की भव्य झांकियां,12 ज्योतिर्लिंग के साथ-साथ,नगर के विभिन्न स्थानों से आयी हुयी प्रमुख झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए सद्भावना पुल,कजगांव पड़ाव, ओलंदगंज,शाही पुल, चहारसू चौराहा,कोतवाली चौराहा, सब्जी मंडी,सुत्तहट्टी बाजार से होते हुए भंडारी स्टेशन पर 12:30 बजे फरक्का ट्रेन से कांवरियों की रवानगी हुई। कावंरियो की शोभा यात्रा पर महिलाओं ने अपने घरों से पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। जगह जगह पर समाजसेवी संस्थाओं ने कावंरियो के लिए जलपान की व्यवस्था किया। शोभायात्रा में प्रमुख रूप से कांवरिया संघ के संरक्षक अशोक सेठ, अजय साहू, गौतम सोनी, श्रवण कुमार चौरसिया, सुभाष गर्ग, संजय मोदनवाल, अजय सेठ, संजय जयसवाल, राजन बम, मनोज सोनी, पप्पू चौरसिया, उदय सेठ आदि उपस्थित थे।



ढाई दशक पहले रेलवे स्टेशन परिसर में स्मृति पट्ट का हुआ था अनावरण

संत साहित्य के मर्मज्ञ आचार्य परशुराम चतुर्वेदी की उपेक्षा का दर्द..

अखिलानंद तिवारी/ बलिया



संत साहित्य मर्मज्ञ व प्रख्यात समीक्षक आचार्य पंडित परशुराम चतुर्वेदी को हम भूल गए हैं। दो दशक पहले तक जिनके मरणोपरांत 'भारत रत्न' देने की बात चल रही थी, लेकिन आज उन्हें समाज ने किनारे कर दिया है। जिले के साहित्यकार पिछले कई दशकों तक 25 जुलाई को उनकी जयंती पर भव्य आयोजन करते थे। उन्हें शिद्दत से न केवल याद किया जाता था, बल्कि आचार्य जी की जयंती समारोह में साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों एवं पत्रकारों का एक मंच व एक स्वर हुआ करता था। आचार्य जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर लोग विचार व्यक्त करते थे। उन्हें याद कर संत साहित्य की परंपरा से प्रेरणा ली जाती थी। लेकिन बीते 25 जुलाई 2024 को आचार्य परशुराम चतुर्वेदी की 120वीं जयंती पर साहित्य समाज भी खामोश दिखा। इसे लेकर समाज का बुद्धिजीवी वर्ग मर्माहत है। वह अपना दर्द आखिर किससे कहे और कैसे..? देखा जाए तो केवल साहित्य जगत ही नहीं, बल्कि समाज का हर तबका उनकी उपेक्षा के लिए जिम्मेदार है। उनकी जयंती पर दिलचस्पी नहीं, कुछ सालों से महज खानापूर्ति होती आ रही है। दलगत राजनीति एवं अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए भ्रष्ट से भ्रष्टतम लोगों की हमारे पढे-लिखे समाज में आरती उतारी जाती है। उनके उम्र के बराबर केक काटा जाता है। जाति, धर्म व सम्प्रदाय के नाम पर समाज में जहर घोलने वालों की भी जयंती एवं पुण्यतिथि हम धूमधाम से मनाते नहीं थकते। लेकिन अफसोस बलिया की माटी में जन्में डा. हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य पंडित परशुराम चतुर्वेदी, डा. भागवत शरण उपाध्याय, केदारनाथ सिंह, दूधनाथ सिंह आदि जैसे मूर्धन्य साहित्यकार को याद करना, उनसे नयी पीढ़ी को परिचित कराना, क्या समाज की जिम्मेदारी नहीं बनती ? लेकिन क्या करें, हम इतने व्यस्त हैं कि आज केवल बच्चों व परिवार तक सीमित हैं, समय नहीं निकल पाता तो समाज के लिए चिंतन कैसे करें ?

हाल ही में 25 जुलाई को आचार्य जी की जयंती पर उपेक्षा का दर्द कहीं ना कहीं परिवार एवं समाज को कुंठित करने का काम करेगा। कुछ लोगों ने अपना दर्द साझा किया, लेकिन उम्र के चौथेपन में कुछ कर पाने में असहाय हैं। देखा जाए तो आचार्य का जीवन दर्शन बहुत ही सरल और सहज रहा है। उनके बारे में एक नजर डालें तो उनका पूरा नाम आचार्य पंडित परशुराम चतुर्वेदी था। उनका जन्म 25 जुलाई 1894 में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वह जनपद के बेलहरी विकास खंड अंतर्गत जवहीं दियर गांव के रहने वाले थे। उनका गोत्र कात्यायन, पिता का नाम पंडित रामछबीला चतुर्वेदी तथा माता का नाम सूरजा देवी था। उनके बड़े भाई नरदेश्वर चतुर्वेदी एक वरिष्ठ साहित्यकार एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। भारत की संत परंपरा परिवार में शुरू से कायम रही। आचार्य जी की पत्नी का नाम फूलमतिया देवी था। ज्ञात हो कि आचार्य परशुराम चतुर्वेदी आनेरी मजिस्ट्रेट थे, जो अंग्रेजी शासन में अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। आचार्य परशुराम चतुर्वेदी की प्रमुख रचनाओं में वैष्णव धर्म, रहस्यवाद, उत्तरी भारत की संत परंपरा, भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा, हिंदी काव्य धारा में प्रेम प्रवाह, भक्ति साहित्य में मधुरोपासना, हिंदी के सूफी प्रेमाख्यान, कबीर साहित्य की परख आदि प्रमुख हैं।

देखा जाए तो आचार्य परशुराम चतुर्वेदी की रचनाएं भावना प्रधान रही हैं। उनके रचनाओं में गंभीरता और शालीनता उनका श्रृंगार रहा है। शैली इतनी सुलभ जैसे कोई संत अपनी बातों को प्रवचन की तरह रखा हो। आचार्य की कथनी और करनी के साथ उनकी लेखनी में भी एकरूपता थी। कहा जाता है कि आचार्य जी का जीवन व्यक्तिगत, सामाजिक एवं एक रचनाकार के रूप में अत्यंत ही क्रांतिकारी था। मूलतः क्रांतिवादी होते हुए भी जीवन के निजी क्षेत्र में वह अनुशासन पसंद एवं सख्त थे। वह सामाजिक जीवन में भी एकरूपता पसंद करते थे। बलिया की माटी में जन्में डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी कि गांव गंगा के इस पार तो दूसरी किनारे यानि यूपी-बिहार के सीमा पर बसा जवहीं दियर की माटी में आचार्य परशुराम चतुर्वेदी का जन्म हुआ था।

सुभाषितम्

मनुष्य की इच्छाओं का पेट आज तक कोई नहीं भर सका है।
- वेदव्यास

राहुल गांधी की बिछाई बिसात मे फंसी भाजपा

समय किसी का नहीं होता है। समय अपनी गति से चलता है। समय की गति के साथ जो नहीं चल पाता है, वह नेपथ्य में चला जाता है। 2013 से भारतीय जनता पार्टी का समय शुरू हुआ था। भारतीय जनता पार्टी जो विसात बिछाती थी। कांग्रेस को उस विसात में खेलना पड़ता था। कांग्रेस जवाब देने में फंस जाती थी। कांग्रेस यह भी भूल गई थी, कि उसने 70 सालों में क्या काम किए हैं। आरोपों के चक्रव्यूह में फंसी कांग्रेस उस समय आरोपों के बचाव में लग गई थी। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने सपनों का ऐसा मायाजाल मतदाताओं के लिए बुना। मतदाताओं को लगा कि नरेंद्र मोदी आएंगे, उसके अच्छे दिन आ जाएंगे। महंगाई खत्म हो जाएगी। हर साल 2 करोड लोगों को नौकरी मिलेगी। विदेश से काला धन आएगा। हर परिवार को 15 से 20 लाख रुपए मिल जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीयता का सबसे उच्चतम स्तर था। मतदाताओं के मन में यह विश्वास बैठा दिया गया था। 70 सालों में कांग्रेस ने कुछ नहीं किया है। कांग्रेस नेताओं ने केवल भ्रष्टाचार किया है। कांग्रेस को भ्रष्टाचार का पर्याय बना दिया गया था। वे सारे आरोप अब भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ नजर आ रहे हैं। पिछले 10 वर्ष से केंद्र में भाजपा और नरेंद्र मोदी की सरकार है। देश के कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। जो आरोप उस समय भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर लगाए थे। किसी भी आरोपों को वह सिद्ध नहीं कर पाए। अदालत से भी 2जी घोटाले और कोयला घोटाले के आरोप प्रमाणित नहीं हुए। पिछले 5 वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं पर आरोप लगाकर जिस तरह ईड़ी और सीबीआई के माध्यम से दबाव बनाकर या तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी में लाया गया या जेल भिजवा दिया गया। आरोपों की इस राजनीति को कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने समझा। आम जनता को भी जो सपने दिखाए गए थे। 10 साल में वह पूरे नहीं होने पर, आम जनता के सपने भी टूटने शुरू हो गए। मुसलमानों का जो डर और भय हिंदुओं में फैलाया गया था। महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते हुए टैक्स ने अब हिंदुओं को भी भाजपा से दूर करना शुरू कर दिया है। हिंदू मतदाता भी समझने लगा है। सत्ता में बने रहने के लिए उसको मोहरा बनाया जा रहा है। लोकसभा 2024 के चुनाव परिणाम के बाद से स्थितियां बदलीं। जिस राहुल गांधी को भाजपा और मीडिया ने पप्पू बनाया था, वही पप्पू अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के सामने एक ऐसे योद्धा के रूप में खड़ा है, जिसका मुकाबला करना अब भाजपा के लिए आसान नहीं है। भाजपा जिस तरह की राजनीति करती थी। राहुल गांधी और कांग्रेस भी जिन अस्त्र और शस्त्र का प्रयोग बीजेपी, कांग्रेस और विपक्षी दलों के खिलाफ करती थी, उसे करना शुरू कर दिया है। विपक्ष ने अब भाजपा को उसी स्टाइल में घेरना शुरू कर दिया है। पहले चक्रव्यूह भाजपा रचती थी, अब विपक्ष ने भी चक्रव्यूह बनाना सीख लिया है। अग्निवीर,जाति जनगणना को लेकर जिस तरह से राहुल गांधी ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है, उसकी प्रतिक्रिया सारे देश में हो रही है। केंद्र में अल्पमत की सरकार होने के कारण भाजपा की घबराहट स्पष्ट रूप से दिखने लगी है। सदन की कार्रवाई में जिस तरह से अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी की जाति को लेकर उन पर निजी हमला बोला। उधार की बुद्धि जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। नेता प्रतिपक्ष के रूप में प्रोपेगेंडा करने की बात कही। राहुल गांधी ने सदन के अंदर जिस तरह से इसका जवाब दिया, उससे स्पष्ट है, कि अब बिसात राहुल गांधी बिछाते हैं। भाजपा उसमें फंस जाती है। इस समय सारे दांव भाजपा के लिए उल्टे पड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की राजनीति को समझने में कांग्रेस को 10 साल लग गए। कहा जाता है, जिस काम में जिस तरह से वह किया गया है, उसमें सफलता मिलती है। हम यह मानकर चलने लगते हैं कि यह रास्ता ही सबसे अच्छा है।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें..

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी। सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं। मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे। हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

यादों में बसे हैं सावन के झूले व मायके

- रमेश सर्राफ धमोरा





सावन को बहुत पवित्र महीना माना जाता है। मान्यता है कि सावन में माता पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या करके उन्हें पाया था। सावन दक्षिणायन में आता है जिसके देवता शिव हैं। इसीलिए इन दिनों उन्हीं की आराधना शुभ फलदायक होती है। सावन के महीने में बहुत वर्षा होती है। इसलिये इसे वर्षा ऋतु का महीना या पावस ऋतु भी कहा जाता है।

तुम्हें गीतों में ढालूँगा सावन को आने दो । ऐसे गाने सावन आते ही लोगों की जुबान पर खुद-ब-खुद आ जाते हैं। पहले सावन शुरू होते ही गांव की गलियों से लेकर शहरों तक झूले पड़ते थे। महिलाएं झूला झूलतीं और गाती थीं। सावन व भादो का महीना हमे प्रकृति के और निकट ले जाता है। झूले झूलने के दौरान गाये जाने वाले गीत मन को सुकून देते हैं। झूले गांव के बागीचों, मंदिर के परिसरों में डाले जाते थे। भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। श्री कृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों संग रास रचाते थे। मान्यता है कि इससे प्रेम बढ़? के अलावा प्रकृति के निकट जाने एवं उसकी हरियाली बनाये रखने की प्रेरणा मिलती है। एक दौर था जब लोगों को सावन के महीने का बेसब्री से इंतजार रहता था। लड़कियां ससुराल से मायके आती थीं। लेकिन अब ये परंपरा खत्म होती जा रही है। अब न तो झूले पड़ते हैं और न गीत सुनाई देतें है।

सावन शुरू हो गया है लेकिन इसका एहसास ही नहीं हो रहा है। उमंग और खुमारी का संगम इसी महीने में हरियाली तीज पर खत्म होता था। सखियों को सुख-दुख बांटने, साथ बैठकर मेंहदी लगाने की परंपरा फिर गीत गाना सब गुम हो चुका है। बच्चे अब झूले नहीं वीडियो गेम में मस्त रहते हैं। महिला संगठन भी अब किटी पार्टी जैसे आयोजनों तक सीमित हैं। झूले की परम्परा लुप्त होने के पीछे सबसे प्रमुख वजह मनोरंजन के भरपूर साधनों का होना भी हैं।

सावन के आते ही गली-कूचों और बगीचों में मोर, पपीहा और कोयल की मधुर बोली के बीच युवतियां झूले का लुत्फ उठाया करती थीं। अब न तो पहले जैसे बाग-बगीचे रहे और न ही मोर की आवाज सुनाई देती है। अब बिना झूला झूले ही सावन गुजर जाता है। वन माफियाओं के चलते गांवों में भी बाग-बगीचे नहीं बचे हैं। जहां युवतियां झूला डाल कर झूल सके। अब समय के साथ पेड़ गायब होते गए और उनके स्थान पर बहुमंजिला इमारतों के बनने से आंगन का अस्तित्व समाप्त हो गया। ऐसे में सावन के झूले भी यादें बनकर हमारी परम्परा से गायब हो रहे हैं। जन्माष्टमी पर मंदिरों में सावन की एकादशी के दिन भगवान को झूला झुलाने की परम्परा जरूर अभी भी निभाई जा रही है। आज के समय में सावन के झूले नजर नहीं आने का कारण जनसंख्या घनत्व में वृद्धि के साथ ही वृक्षों की कटाई हैं। लोग अब घर की छत पर या आंगन में लोहे के झूले पर झूलकर मन को संतुष्ट कर रहे हैं। बुद्धिजीवी वर्ग सावन के झूलों के लुप्त होने की प्रमुख वजह सुख सुविधा और मनोरंजन के साधनों में वृद्धि को मान रहे हैं। सावन में झूला झूलना मात्र आनंद की अनुभूति नहीं कराता अपितु यह स्वास्थ्यवर्धक प्राचीन योग भी है। सावन में चारो तरफ हरियाली छाई होती है। हरा रंग आंखों पर अनुकूल प्रभाव डालता है। इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है। झूला झूलते समय श्वांस-उच्छवास लेने की गति में तीव्रता आती है। इससे फेफड़े सुदृढ़ होते हैं। इसके साथ ही झूलते समय श्वांस अधिक भरा, रोका एवं वेग से छोड़ा जाता है। इससे नवीन प्रकार का प्राणायाम पूर्ण हो जाता है जो स्वास्थ्य वर्धक है। झूलते समय रस्सी पर हाथों की पकड़ सुदृढ़ होती है। इसी प्रकार खड़े होकर झूलते समय झूले को गति देने बार-बार उठक-बैठक लगानी पड़ती हैं। इन क्रियाओं से एक ओर हाथ, हथेलियों और उंगलियों की शक्ति बढ़ती है वहीं दूसरी ओर हाथ-पैर और पीठ-रीढ़ का व्यायाम हो जाता है। गांवों की बुजुर्ग महिलायें बताती हैं कि सावन आते ही बेटियां ससुराल से मायके बुला ली जाती थीं और पेड़ों पर झूला डाल कर झूलती थीं। त्योहार में बेटियों को ससुराल से बुलाने की परम्परा तो आज भी चली आ रही है। लेकिन जगह के अभाव में न तो कोई झूला झूल पाता है और न ही अब मोर, पपीहा व कोयल की सुरीली आवाज ही सुनने को मिलती हैं। दस साल पहले तक यहां रक्षाबंधन तक झूले का आनंद लिया जाता था। गांव के पेड़ पर मोटी रस्सी से झूला डाला जाता था और सारे गांव की बहन-बेटियां झूलती थीं। अब पेड़ ही नहीं हैं तो झूला कहां डालें। सावन के महीने में नवविवाहित महिलाओं को अपने मायके जाने की परम्परा राजस्थान में तो आज भी चली आ रही है। अब वक्त ने ऐसी करवट ली है कि सावन तो आता है पर अपने रंग नहीं बिखेर पाता। जिस सावन के आते ही नववधु ससुराल से मायके पहुंच जाती थी। अब वैसा सावन नही होता है। झूले की परम्परा लुप्त होने के साथ ही सावन भादों की खुशबू अब कहीं नहीं दिखती है। कुछ स्थानों को छोड़ कर लोग इसका आनंद नहीं ले पा रहे हैं। झूलों के नहीं होने से हमे लोक संगीत भी सुनने को नहीं मिलता है। आधुनिकता की दौड़ में प्रकृति के संग झूला झूलने की बात अब कहीं नहीं दिखती है। आज से दो दशक पहले तक झूलों और मेंहदी के बिना सावन की परिकल्पना भी नही होती थी। झूला झूलने के खत्म हुए रिवाज के लिए गांवों में फैल रही वैमनष्यता भी जिम्मेदार हैं। पहले गांव के लोग हर बहन-बेटी को अपनी मानते थे लेकिन अब जमाना बदल गया है। जिसके हाथ में रक्षा सूत्र बांधा जाता है वही भक्षक बन जाता है। बाग-बगीचों के खात्मे के साथ जहां मोर-पपीहों की संख्या घटी है वहीं भाईचारे में कमी आई है। नतीजतन झूला-झूलने की परम्परा को ग्रहण लग गया है। पहले संयुक्त परिवार में बड़े-बूढ़ों के सानिध्य में लोग एक दूसरे के घरों में एकत्रित होते थे। आज बढ़ती एकल परिवार की प्रवृति ने आपसी स्नेह को खत्म कर दिया है। महिलाएं सामुदायिक केन्द्रो में जाकर पर्व मनाती हैं। शहरों में अब झूले डालने के लिए जगह की तलाश करनी पड़ती है। अब तो पारम्परिक पहनावा भी आधुनिकता की भेंट चढ़ गया है। अब छुट्टी के दिन लोग परिवार के साथ बाग-बगीचों में जाकर सावन का त्यौहार मनाने की रस्म पूरी करते हैं। वर्षा ऋतु में सावन की खूबियां अब किताबों तक ही सीमित रह गई हैं। अब प्रकृति के साथ जीने की परम्परा भी थमती सी जा रही है।

यहां तालों में बंद है आजादी के दीवानों का मंदिर!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन



इंजीनियरो के शहर रुड़की का भू भाग चुका सुनहरा गांव में मौजूद ऐतिहासिक वट वृक्ष ब्रिटिश हुकूमत के जुल्म का आज भी साक्षी बना हुआ है। अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाने वाले 152 क्रांतिकारियों को एक ही दिन में इस वट वृक्ष पर सरेआम लटकाकर फांसी दे दी गई थी। सन 1857 की क्रांति को भले ही देश की आजादी की पहली क्रांति कहा जाता हो, लेकिन अंग्रेजी शासन के समय के गजेटियर के मुताबिक रुड़की में इस क्रांति की ज्वाला सन 1822 में ही भड़क गई थी और जब हालात असहनीय हो गए तो अक्तूबर सन 1824 को कुंजा ताल्लुका में राजा विजय सिंह के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ पहला युद्ध हुआ था और इस दौरान अंग्रेजों को भारी क्षति उठानी पड़ी थी। इसके साथ ही गुस्साए अंग्रेजों के कोपभाजन का शिकार हुए 152 स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण भी न्यौछावर किए थे।सन 1822 से क्रांति का बिगुल बजना शुरू हुआ तो ब्रिटिश हुकूमत में खलबली मच गई थी।आजादी के मतवालों को सबक सिखाने के लिए अंग्रेजों ने इलाके में कत्लेआम का तांडव मचाया था। इसके बाद रुड़की के ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट सर राबर्ट्सन ने 10 मई 1857 को रामपुर, कुंजा, मतलबपुर आदि गांवों के 152 ग्रामीण आंदोलनकारियों को पकड़कर इस पेड़ पर सरेआम फांसी पर लटका दिया था।

यह ऐतिहासिक वट वृक्ष 500 साल से अधिक समय से ब्रिटिश हुकूमत के जुल्म का साक्षी बनकर खड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों की पहल के बाद वट वृक्ष को शहीद स्मारक के रूप में स्थापित किया गया है, जो स्वतंत्रता संग्राम में रुड़की के शौर्य को दर्शा रहा है। ऐतिहासिक दस्तावेजों में यह भी उल्लेख है कि ब्रिटिश हुकूमत के खौफ के चलते आसपास के लोग गांव छोड़कर चले गए थे। सन 1910 में स्वतंत्रता सेनानी स्व. ललिता प्रसाद ने इस वटवृक्ष के आसपास की जमीन को खरीदकर इसे आबाद किया था। उसके बाद यहां मंत्राचरणपुर गांव बसाया गया, जो बाद में सुनहरा के नाम से जाना गया है।इस ऐतिहासिक स्वतंत्रता संग्राम की पावन स्थली पर शहीदों को नमन करने के लिए एक कमेटी का गठन भी किया गया था। शहीदी यादगार कमेटी ने वटवृक्ष के नीचे शहीद हुए आजादी के दीवानों की याद में 10 मई 1957 को स्वतंत्र भारत में पहली बार विशाल सभा का तत्कालीन एसडीएम बीएस जुमेल की अध्यक्षता में हुआ था। जिसमें शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई थी। ब्रिटिश हुकूमत ने सामुहिक फांसी का कदम इसलिए उठाया कि रुड़की के लोग भयभीत हो जाएं और अंग्रेजों के खिलाफ आवाज न उठा सकें, ताकि आसानी से रुड़की और सहारनपुर में मौजूद छावनी से ब्रिटिश फौज को दूसरी जगह भेजा जा सके।सन 1947 में जब देश आजाद हुआ, तब तक इस पेड़ पर लोहे के कुंडे एवं जंजीरें लटकी हुई थीं,जो बाद में धीरे धीरे गायब हो गई। हालांकि जंजीरों के निशान पेड़ की टहनियों पर बाद तक भी मौजूद रहे। यह वटवृक्ष आजादी के आंदोलन व शहीदों के बलिदान का प्रतीक है। लेकिन बदलते दौर में यह वटवृक्ष उपेक्षा की भेंट चढ़ता जा रहा है। प्रशासनिक उपेक्षा के चलते ऐतिहासिक वट वृक्ष जिसका सौन्द्रियकण उत्तराखंड सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा तत्कालीन नारायण दत्त तिवारी सरकार द्वारा कराया गया,के आसपास का क्षेत्र केएल पालीटेक्निक का छात्रावास परिसर होने के कारण यह शहीद स्मारक घोर उपेक्षा का शिकार है।पालीटेक्निक प्रबंधन द्वारा मुख्य द्वार पर ताला जड़ देने के कारण लोग चाहकर भी शहीद स्मारक तक नही पहुंच पाते है,वही शहीद स्मारक के आसपास की भूमि पर तारबाड़ कर देने से भी शहीद स्मारक का रास्ता संकीर्ण हो गया है।साथ ही शहीद स्मारक स्थल पर भी लोगो ने धर्म की आड़ में नाजायज कब्जे कर लिए है।स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति से जुड़े लोग हर माह के प्रथम रविवार को दस बजे दस मिनट अपने पूर्वजो के नाम कार्यक्रम करके शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते है,उन्हें भी शहीद स्मारक तक पहुंचने में परिसर पर ताला लगा होने के कारण भारी परेशानी होती है।जिसे लेकर कई बार प्रशासनिक स्तर पर भी स्वतंत्रता सेनानी परिवारों द्वारा शिकायत की गई।भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष नीलकमल शर्मा ने भी उक्त शहीद स्मारक को अतिक्रमण मुक्त कराने व इसके द्वार नियमो के मुताबिक 24 घण्टे खुले रखने व तार बाड हटाने को लेकर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल तक शिकायत की लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी की पदाधिकारी की शिकायत भी नोकरशाही की भेंट चढ़ गई है।

हर तरह की त्रासदियों का देश भारत

- राकेश अचल

`भारत त्रासदियों का देश है । यहां कभी संसद के भीतर त्रासदी होती है तो कभी संसद के बाहर । कभी हाथरस में त्रासदी होती है तो कभी केरल के वायनाड के चूरलामाला इलाके में। कहीं कोई भगदड़ से मरता है तो कहीं कोई भूस्खलन से ,लेकिन इन त्रासदियों के लिए कोई दोषी नहीं ठहराया जाता। गनीमत ये है कि केरल सरकार ने चूरलामाला की त्रासदी के बाद राज्य में दो दिन का रजकीय शोक घोषित किया है । उत्तर प्रदेश में हाथरस हादसे के बाद ऐसा निर्णय नहीं हुआ,क्योंकि उत्तर-प्रदेश में राम राज है और केरल में नही। मंगलवार को तड़के हुई वर्षा और भूस्खलन वायनाड के चार गांवों के लिए अमंगल लेकर आया । अचानक पानी का बहाव बढ़ा और पहाड़ों ने धसकना शुरू कर दिया। पहाड़ों के मलवे ने पहाड़ों की तलहटी में बसे चार गांवों को देखते ही देखते श्मशान में बदल दिया । आधिकारिक जानकारी के मुताबिक इस प्राकृतिक हादसे में 122 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है । राहत -बचाव कार्य जारी है। आपदाग्रस्त इलाके के पूर्व सांसद राहुल गांधी और उनकी बहन ने प्रियनका वाड्रा भी पीड़ितों तक पहुँचने के लिए तैयार बैठे रहे लेकिन राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने उन्हें खराब मौसम की वजह से वहां जाने से रोक दिया। आपदाएं कहकर नहीं आतीं । न दिल्ली में और न हाथरस में और न वायनाड में। तमाम त्रासदियों यनि आपदाओं के लिए हम खुद जिम्मेदार हैं । हम प्रकृति के खिलाफ खड़े होकर उसे लगातार उसे चुनौतियाँ दे रहे हैं। लेकिन हम जानते हैं कि प्रकृति सबसे अधिक बलवान होती है। उससे नहीं जूझा जा सकता। हमेशा की तरह इन त्रासदियों के पीड़ितों के बीच माननीय नहीं गए । वे खुद इस समय सबसे बड़ी सियासी आपदा से जूझ रहे हैं। वे मणिपुर नहीं गये । हाथरस नहीं गए । जाकर करेंगे भी क्या ? उनके हाथ में तो कुछ नहीं है। वे भले ही अपने आपको भगवान का अवतार मानते हों लेकिन वे अवतार तो नहीं हैं। वायनाड त्रासदी में फंसे लोगों की सेवा में सेना और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के जवान लगे है। वहां राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ का कोई प्रशिक्षित कार्यकर्ता नहीं है। होता तो भी शायद वो कुछ कर नहीं पता क्योंकि आजकल संघ ने सेवा कार्यों से अवकाश ले रखा है। संघ प्रमुख इन दिनों भाजपा को उत्तर प्रदेश ,हरियाणा,महाराष्ट्र और झारखण्ड में बचाने में लगे हैं। केरल में डबल इंजिन की सरकार नहीं है । केरल सरकार भी मुमकिन है कि पीड़ितों को अपेक्षित सहायता न पहुंचा पायी हो ,लेकिन केंद्र की सनातनी सरकार ने भी वायनाड के पीड़ितों के लिए अपना खजाना नहीं खोला। ये खजाना तो सरकार को समर्थन देने वाली टीडीपी और जेडीयू को मिनिमम समर्थन मूल्य देने के लिए खुलता है। मैंने हाल ही में कहा था की हमारे देश में मानव जीवन की कोई कीमत तय नहीं है। । हम सब कीड़े-मकोड़े है। सरकार त्रासदियों के समय मरने वालों को 50 हजार रुपए दे या पांच करोड़ रुपए, ये उसकी मर्जी है। फिर केरल वाले तो दिल्ली की आंख की किरकिरी हमेशा से रहे हैं। केरल ने आजतक भाजपा का साथ नहीं दिया ऐसे में दिल्ली वायनाड के पीड़ितों को सहायता कैसे दे सकती है।?वायनाड से जो तस्वीरें आ रहीं हैं ,वे हृदयविदारक हैं। लोग कीचड़ में ,मलबे में दबे हैं। इन लोगों को मदद की जरूरत है । जिन अभागों तक मदद नहीं पहुँच सकी वे मारे जा चुके हैं। लेकिन हमारा देश,हमारी संसद, वायनाड त्रासदी के मुकाबले दिल्ली की त्रासदी पर सियासत में उलझी हुई है। मुझे वायनाड की तस्वीरें देखकर महाराष्ट्र का लातूर याद आ रहा है। 1993 में भूकंप ने लातूर को तबाह कर दिया थ। 2024 में भूस्खलन ने वायनाड के चार गांवों को जमीदोज कर दिया है। मुमकिन है कि ये हादसा इस इलाके का प्रारब्ध हो और मुमकिन है कि इस हादसे के लिए केरल की राज्य सरकार जिम्मेदार हो।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपको ऑफिस के साथ ही घर में हर प्रकार का सपोर्ट प्राप्त होगा।

वृषभ आज लाभ और सम्मान का दिन है और आपको हर कार्य में भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन आज लाभ होगा और आपका आर्थिक मामलों में से जुड़ा कोई फैसला पूरा होगा।

कर्क आज लाभ होगा और आपका मन शुभ कार्य में लगेगा। आपको भाग्य का साथ मिलेगा।

सिंह आज लाभ होगा और दिन सम्मान से भरा होगा। आपको खुशी का एहसास होगा।

कन्या आज भाग्य साथ देगा और किसी क्रिएटिव काम में आपकी रुचि बढ़ेगी और भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपको दिल और दिमाग के संतुलन से सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आज करियर में लाभ होने की उम्मीद है। पॉलिटिक्स में आपकी रुचि बढ़ेगी।

धनु ऑफिस में आज आपको बहुत काम करना होगा। भागदौड़ करने से आपको लाभ होगा।

मकर आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। एक बार आप अपने काम को एक के बाद एक निपटाने लगेंगे।

कुंभ आज आपको सुबह से ही आपको किसी शुभ समाचार का इंतजार करना पड़ेगा।

मीन दिन लाभ से भरा होगा। आप जिन बातों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे, दोपहर में वही आपको खुशी देगी।

विशेष

हैवीवेट नेताओं को छोटे राज्यों का राज्यपाल?

केंद्र सरकार ने अभी 6 नए राज्यपाल बनाये हैं। चार राज्यपालों का ट्रांसफर किया है। जिनको राज्यपाल बनाया गया है। उनमें सबसे चौंकाने वाले नाम में ओम माथुर का है। यह भाजपा के बड़े हैवीवेट नेता हैं। उन्हें छोटे से राज्य सिक्कम का राज्यपाल बनाया गया है। नरेंद्र मोदी ने सबसे चहेते के कैलाश नाथ को पांडिचेरी का उपराज्यपाल बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें दिल्ली लौटने के बाद प्रशासन की पूरी जिम्मेदारी दे रखी थी। लेकिन राज्यपाल बहुत छोटे से राज्य का बनाया गया है। इसको लेकर सभी को आश्चर्य हो रहा है।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल चचाओं में

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का कार्यकाल 29 जुलाई को समाप्त हो रहा है। अभी 6 नए राज्यपाल बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश का कोई राज्यपाल अभी नहीं बनाया गया है। आनंदीबेन पटेल की उम्र 82 वर्ष हो चुकी है। क्या वह राज्यपाल बनी रहेगी। इसको लेकर देश की राजधानी दिल्ली और उत्तर प्रदेश में लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। आनंदीबेन पटेल ने उत्तर प्रदेश में साढ़े 6 साल का कार्यकाल पूरा किया है। डेढ़ साल वह उत्तर प्रदेश प्रभारी राज्यपाल थी। उत्तर प्रदेश में जिस तरह से उलटफेर की राजनीति हो रही है। वह राज्यपाल के पद से रिटायर होंगी, या नई नियुक्ति उन्हें मिल जाएगी। राज्यपाल के लिए आयु सीमा का कोई बंधन नहीं है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1560: स्काटलैंड की सांसद ने चर्च ऑफ स्काटलैंड की स्थापना का कानून बनाया. 1664: रोम की फौजों को हंगरी में तुर्की की फौजों से हार का सामना करना पड़ा. 1672: कंपनी के निदेर्शानुसार इंग्लैंड के कानून यहाँ लागू किए गए. 1916: श्रीमती एनी बेसेन्ट ने होम रूल लीग की शुरूआत की. 1920: बाल गंगाधर तिलक का निधन हुआ और गांधीजी ने कैसर ए-हिन्द पद क लौटाया. गांधीजी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया. 1950: बेल्जियम नरेश लियोपोल्ड तृतीय ने अपने बेटे के लिए गद्दी छोड़ी. 1953: भारत की सभी विमान सेवाओं का राष्ट्रीयकरण किया गया. 1957: राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की स्थापना, 1958: जार्डन के शाह ने ईरान के संघ को भंग कर दिया. 1963: ब्रिटेन ने माल्टा को स्वतंत्रता देने की घोषणा की. 1971: अमरीकी रक्षा विभाग ने वियतनाम से सभी सैनिकों की वापसी का ऐलान किया.

दैनिक पंचांग

01 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.42 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	08.54 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.05 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.19 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	15.35 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	17.40 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	19.27 बजे से
राहु	मीन में	मीन	21.00 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	22.30 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	वृष	00.10 बजे से
		मिथुन	02.08 बजे से
		कर्क	04.22 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 214 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** द्वादशी 15.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 10.24 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 12.50 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 15.30 बजे तदनन्तर गर 03.25 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 56'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872058
जूलियन दिन 2460523.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम
तारीख 25
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore



स्टेनोग्राफर एक अच्छा कॅरियर विकल्प

जिन युवाओं की इच्छा सरकारी नौकरी करने की है। उनके लिए स्टेनोग्राफी एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है। यह 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद स्टेनोग्राफी करियर का एक अच्छा क्षेत्र है। स्टेनोग्राफर के पद का वेतनमान आकर्षक होता है। यह कम खर्चीला भी होता है। स्टेनोग्राफर पर कार्यालय या संस्था के गोपनीय रिकॉर्डों को संभालने का दायित्व रहता है। स्टेनोग्राफर अपने अधिकारी के प्रति विश्वनीय पद है। इस पद पर काम करना एक गरिमापूर्ण व चुनौतीपूर्ण है। अच्छी खासी तनख्वाह ऊपर से सरकारी नौकरी का रौब अलग। यही बातें हैं जो युवाओं को स्टेनोग्राफी की तरफ आकर्षित करती हैं, लेकिन इसमें कड़ी मेहनत की आवश्कता होती है।

स्टेनोग्राफी आशय होता है संक्षिप्त लेखन जिसे अंग्रेजी में शॉर्टहैंड कहा जाता है एक प्रकार की लेखन विधि होती है। हमारे देश में स्टेनोग्राफर के पद अदालतों, शासकीय कार्यालयों, मंत्रालयों, रेलवे विभागों में होते हैं। स्टेनोग्राफर का कोर्स करने के लिए कड़े परिश्रम की आवश्कता होती है, क्योंकि इस भाषा में शब्द गति होना आवश्यक है। एक कुशल स्टेनोग्राफर बनने के लिए उस विषय की भाषा का व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है। स्टेनोग्राफर बनने के लिए 100 शब्द प्रति मिनट की गति उत्तीर्ण करना आवश्यक होता है। देश में विभिन्न संस्थाएं स्टेनोग्राफर के कोर्स करवाए जाते हैं। देश में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई में भी स्टेनोग्राफर का एक वर्षीय कोर्स करवाया जाता है। इन संस्थानों में 100 शब्द प्रति मिनट की गति से परीक्षाएं भी ली जाती हैं। इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद आप स्टेनोग्राफर बन सकते हैं। सरकारी विभागों द्वारा विज्ञापनों में स्टेनोग्राफर की भर्तियां निकाली जाती हैं।

महत्वपूर्ण पद

हर सरकारी दफ्तर में स्टेनोग्राफर के कई पद होते हैं। स्टेनोग्राफर गरिमापूर्ण पद होता है क्योंकि उसकी नियुक्ति विभागाध्यक्ष के निजी सहायक के रूप में होती है। वह कार्यालय के गोपनीय कार्य सम्भालना, डिक्टेशन कार्य और पीठासीन अधिकारी के प्रति विश्वसनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी संभालता है। स्टेनोग्राफर पद का वेतनमान भी आकर्षक है। यह द्वितीय श्रेणी का पद है। कुशल और तीव्र गति की स्टेनोग्राफी के माध्यम से सीधे ही राजपत्रित अधिकारी का पद भी प्राप्त किया जा सकता है जिससे संसद व विधानसभा में संसदीय रिपोर्टर के पद नियुक्ति प्राप्त की जा सकती है। यह बहुत आकर्षक पद होता है।

जरूरी योग्यता

स्टेनोग्राफर पद के लिए उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण होना तथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी आशुलिपि में न्यूनतम 80 शब्द प्रति मिनट की गति होना आवश्यक है। इस पद के लिए न्यूनतम 18 वर्ष तथा अधिकतम 27 वर्ष तक की आयु निर्धारित है, कुछ विभागों में अधिकतम आयु 35 वर्ष तक निर्धारित है।

भर्ती

स्टेनोग्राफर पद की भर्ती संसद, विधानसभाओं, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों, कर्मचारी चयन आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, रेल्वे भर्ती बोर्ड, अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड तथा अन्य राजकीय उपक्रमों के माध्यम से की जाती है। इनके द्वारा चयनित अभ्यर्थियों का पदस्थापन केंद्रीय सचिवालय, शासन सचिवालय, संसद, विधानसभाओं आदि सरकारी कार्यालयों में राजकीय कर्मचारी के रूप में किया जाता है। पॉलिटेक्निक कॉलेजों में आधुनिक कार्यालय प्रबंधन या मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एमओएम के रूप में कोर्स करवाए जाते हैं। इसमें आशुलिपि के अलावा कम्प्यूटर, टंकण एवं लेखा से संबंधित कोर्स भी सम्मिलित है। राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई में भी एक वर्षीय कोर्स करवाया जाता है।



अवसरों की भरमार है बैंकिंग क्षेत्र में

देश में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार देने वाले सेक्टर के रूप में बैंकिंग इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के दूरदराज के इलाकों में बैंकों की नई शाखाएं खुलने तथा प्रति वर्ष लगभग 40-50 हजार बैंक कर्मियों के रिटायर होने अथवा स्वैच्छिक सेवा अवकाश लेने के कारण इस क्षेत्र में नियुक्तियां करने की प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती है। युवाओं में आज भी बैंकिंग जॉब्स का आकर्षण बना हुआ है। यह इस बात से सिद्ध हो जाता है कि प्रति वर्ष लाखों नहीं बल्कि करोड़ों की संख्या में युवा बैंकिंग चयन परीक्षाओं में शामिल होते हैं। इन्हीं प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से बैंकों में क्लर्क और अधिकारी वर्ग की रिक्तियों को भरा जाता है।

वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य

देश की विशाल आबादी की ही तरह भारतीय बैंकिंग क्षेत्र भी व्यापक है। इसका नेटवर्क देश के लगभग साढ़े पांच लाख गाँवों को अपनी परिधि में किसी न किसी रूप में अवश्य लिए हुए है। इस विस्तृत बैंकिंग ढांचे के अंतर्गत 27 पब्लिक सेक्टर बैंक, 22 प्राइवेट बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 रीजनल रूरल बैंक, 1589 शहरी को-ऑपरेटिव बैंक, 93550 ग्रामीण को-ऑपरेटिव बैंक शामिल हैं।

बैंकिंग क्षेत्र के लिए व्यक्तिगत गुण

ऑफिस जॉब और जीवन में स्थिरता चाहने वाले युवाओं के लिए बैंकिंग सेक्टर एक बेहतर और उपयुक्त करिअर ऑप्शन माना जा सकता है। इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कारूरी है कि युवा में मैथ्स के साथ एकाउंटिंग में रुचि हो। पब्लिक डीलिंग का प्रावधान होने की वजह से धैर्यवान और गुस्से से कोसों दूर रहने जैसे गुण भी काफी उपयोगी कहे जा सकते हैं।

बैंकिंग चयन परीक्षाएं

इंस्टिट्यूट ऑफ़ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन (आई बी पी एस) द्वारा देश भर के बैंकों की रिक्तियों को भरने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इन परीक्षाओं के लिए आवेदन से लेकर परीक्षा के पैटर्न आदि के बारे में आई बी पी एस की वेबसाईट से अधिकृत जानकारी हासिल की जा सकती है। इस संस्थान द्वारा आयोजित बैंकिंग परीक्षाओं में 2016-17 के दौरान लगभग 1.51 करोड़ प्रत्याशियों ने अखिल भारतीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन कराया था। इस तथ्य से इसकी क्षमता का सहज ही अंदाकाा हो जाता है। स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया और इससे सम्बद्ध बैंकों की रिक्तियों को भरने के लिए एस बी आई द्वारा स्वयं चयन प्रक्रिया का संचालन किया जाता है।

बैंकिंग परीक्षाओं के पैटर्न

क्लर्क और प्रोबेशनरी ऑफिसर के पदों की रिक्तियों को भरने के लिए बुनियादी तौर पर दो तरह के बैंकिंग एग्जाम्स का आयोजन किया जाता है। क्लेरिकल पदों के एग्जाम में इंग्लिश लैंग्वेज, न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिग, कम्प्यूटर एप्टीट्यूड, बैंकिंग/फाइनेंस इत्यादि पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रोबेशनरी ऑफिसर की रिक्तियों को भरने के लिए आयोजित परीक्षा में तीन स्तर पर चयन प्रक्रिया का आयोजन किया जाता है। इनमें प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू शामिल हैं। दोनों ही पदों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता ग्रेजुएशन ही है।

जॉब्स के प्रकार

प्रोबेशनरी ऑफिसर (पी ओ) पर बैंक शाखा के प्रबंधन से लेकर अन्य प्रकार के समन्वयन संबंधित कार्यों का जिम्मा होता है और क्लर्क कैडर के कर्मियों द्वारा पब्लिक डीलिंग का काम मुस्तैदी से संभाला जाता है। मात्र तीन -चार वर्षों के बाद ही ये कर्मी भी पी ओ वर्ग की श्रेणी में प्रोन्नति पाकर पहुँच जाते हैं। इसके अतिरिक्त बैंकिंग इंडस्ट्री में विभागीय परीक्षाओं का समय-समय पर आयोजन किया जाता है। इन परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर समय से पूर्व प्रमोशन भी लिया जा सकता है।

बैंकिंग स्पेशियलिस्ट ऑफिसर

बैंकिंग सेक्टर में बहुसंख्यक कर्मी पी ओ और क्लेरिकल वर्ग के ही होते हैं,परन्तु इनके अलावा खास विधाओं में ट्रेंड कर्मियों की भी सभी बैंकों द्वारा नियुक्तियां की जाती हैं। इनमें इन्फोर्मेशन टेक्नोलोजी ऑफिसर(आई टी डिग्रीधारक) , एग्रीकल्चरल फील्ड ऑफिसर(एग्रीकल्चर साइंस में ग्रेजुएट), ह्युमन रिसोर्स ऑफिसर (ह्युमन रिसोर्स में एम बी ए/पर्सोनल मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा), लॉ ऑफिसर(एल एल बी डिग्रीधारक), मार्केटिंग ऑफिसर (मार्केटिंग की विधा में ट्रेंड), राजभाषा अधिकारी आदि का खास तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। इनके पदनामों से ही इनके कार्यकलापों के महत्त्व को समझा जा सकता है।

सैलरी

बैंकिंग इंडस्ट्री की सैलरी और इनके भत्तों को एक समय में काफी आकर्षक माना जाता था लेकिन वेतनमानों में मुद्रास्फीति की बढ़ती दरों के अनुसार संशोधन नहीं होने के कारण अब इनका आकर्षण कुछ कम हुआ है। बैंक कर्मी लगातार इस दिशा में संघर्षरत हैं और उम्मीद की जाती है कि निकट भविष्य में बैंकिंग इंडस्ट्री के वेतनमानों को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाये जा सकते हैं। इसके बावजूद करिअर निर्माण और स्थाई जॉब की दृष्टि से यह क्षेत्र अभी भी युवाओं की प्राथमिकताओं में काफी ऊपर है।





स्टार्टअप नहीं बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं युवा

मौजूदा आर्थिक अनिश्चितताओं और भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के सामने आने वाली हालिया चुनौतियों के साथ, नौकरी चाहने वाले अब स्टार्टअप्स के बजाय बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं.

नौकरी और पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 73 प्रतिशत नौकरी चाहने वाले संगठन के साथ काम करने और करियर में आगे बढ़ने के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों को पसंद करते हैं. मंगलवार को जारी नई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक केवल 27 प्रतिशत कर्मचारी अभी भी करियर के विकास के लिए स्टार्टअप पर स्विच करने पर विचार करेंगे. अपना डॉट को के संस्थापक और सीईओ निरमित पारिख ने कहा, नौकरी चाहने वालों की बदलती प्राथमिकताओं के साथ भारत का नौकरी बाजार तेजी से विकसित हो रहा है. ऐसे में नौकरी चाहने वाले अब बेहतर करियर की संभावनाओं के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं.

10 हजार नौकरी चाहने वालों से पूछे गए सवाल

रिपोर्ट तैयार करने के लिए में 10,000 से अधिक नौकरी चाहने वालों और 1,000 मानव संसाधन भर्तीकर्ताओं के बयानों को शामिल किया गया है.

इसके मुताबिक नियोक्ता एक कौशल-प्रथम दृष्टिकोण को प्राथमिकता दे रहे हैं. रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि नौकरी चाहने वाले नौकरी की तलाश करते समय, स्थान, आने जाने और वर्क लाइफ बैलेंस और कंपनी की संस्कृति के साथ-साथ वेतन के साथ-साथ करियर के विकास के अवसरों को प्राथमिकता देते हैं. लगभग 73 प्रतिशत भारतीय अपनी नौकरी की खोज में करियर के विकास को प्राथमिक कारक मानते हैं. यहां तक कि वर्क लाइफ बैलेंस और लचीले काम के घंटों के महत्व को भी पार कर जाते हैं. 10 में से लगभग 9 नियोक्ताओं ने कुशल पेशेवरों के महत्व को भर्ती के लिए एक प्रमुख मानदंड के रूप में पहचाना है, हालांकि 10 में से केवल 6 नियोक्ताओं ने अपने संगठनों में अपस्किलिंग कार्यक्रमों को लागू किया है. इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि नियोक्ता अब तकनीकी कौशल वाले उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में भूमिकाओं के लिए. लगभग 65 प्रतिशत पेशेवर नौकरी के साक्षात्कार में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल को एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिग्री के रूप में महत्वपूर्ण मानते हैं.

स्टार्टअप्स में नौकरी जाने का डर

रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं प्रासंगिक कौशल पर अधिक जोर देती हैं, 77 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने 51 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में इसके महत्व का संकेत दिया है. नौकरी के लिए बड़ी कंपनियों को चुनना इस बात की ओर भी इशारा करता है कि लोग छंटनी से बचना चाहते हैं क्योंकि हाल के दिनों में स्टार्टअप्स में छंटनी तेजी से बढ़ी है. स्टार्टअप कवरेज पोर्टलने पिछले महीने एक रिपोर्ट जारी की थी. उसके मुताबिक देश में अब तक 84 स्टार्टअप द्वारा 24,256 कर्मचारियों की छंटनी की जा चुकी है. कर्मचारियों को बर्खास्त करने वाले स्टार्टअप्स की सूची देश में बढ़ती ही जा रही है.



कब लें कॅरियर काउंसलर की सलाह

अक्सर हम करियर काउंसलिंग का समय पहचानने में देरी कर देते हैं। जब बच्चे आगे की राह चुनने की दहलीज पर होते हैं। इसे आप हाई स्कूल (सेकेंडरी) ही मानिए, क्योंकि इसके बाद ही स्टूडेंट्स के लिए स्ट्रीम चेंज करने का समय होता है और यही वह समय है, जब उन्हें प्रॉपर गाइडेंस की जरूरत होती है। पैरेंट्स को इसी फेज में बच्चों को करियर संबंधी गाइडेंस प्रोवाइड करवानी चाहिए। इससे उसे सही सब्जेक्ट चुनने में मदद मिलती है, बल्कि वह यह भी जान पाता है कि किन विषयों में वाकई उसका रूझान है। प्रोफेशनल काउंसलर मनोवैज्ञानिक तरीके से छात्र से बातचीत करते हैं और मनोवैज्ञानिक या साइकोमेट्रिक टेस्ट के आधार पर स्टूडेंट के टैलेंट को समझते हैं। अक्सर हम करियर काउंसलिंग का समय पहचानने में देरी कर देते हैं।

दरअसल, करियर काउंसलिंग का सही समय वह है, अगर 11वीं में सही सब्जेक्ट का चुनाव न किया, तो पूरा करियर ही यू-टर्न ले सकता है। पैरेंट्स को बच्चे की पढ़ाई पर ध्यान तो देना ही चाहिए, जरूरत उन्हें यह समझने की भी है कि बच्चे की रुचि किन सब्जेक्ट्स में है और वह उनमें कैसा कर रहा है!

यह भी देखना चाहिए कि किन विषयों को पढ़ने में बच्चे का मन नहीं लगता। इसके बाद अभिभावक करियर के चुनाव में बच्चे की मदद कर सकते हैं। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैरेंट्स बच्चों के लिए कितना वक्त निकाल पाते हैं, यह सबको मालूम है। बच्चे का रिजल्ट भले पैरेंट्स को पता हो, लेकिन वे अक्सर उसकी पसंद को समझने में चूक जाते हैं। सिर्फ किसी सब्जेक्ट में अच्छे नंबर लाना उस सब्जेक्ट में बच्चे के आगे बेहतर करने की गारंटी नहीं है।पैरेंट्स के लिए इस बात को समझना जरूरी है।

इंजीनियरिंग-मेडिकल जैसे क्षेत्रों के प्रति क्रेज का ही यह नतीजा है कि मन मुताबिक पढ़ाई न कर पाने की वजह से बच्चे तनाव में घिर रहे हैं। यहीं पर बच्चों यानी स्टूडेंट्स को काउंसलिंग की जरूरत होती है, ताकि उनके पैरेंट्स उनकी प्रतिभा को पहचान सकें और उसे अपनी पसंद के रास्ते पर बढने की इजाजत दे सकें। यह कतई जरूरी नहीं है कि साइंस में 90 या 100 फीसदी अंक लाने वाला छात्र साइंस स्ट्रीम ही पसंद करे। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। हो सकता है उसकी रुचि गणित में न हो, क्योंकि 10वीं के बाद पढ़ाई का लेवल अचानक हाई हो जाता है और अगर स्टूडेंट की रुचि उसमें न हो, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित होने लगता है। काउंसलिंग में इन्हीं बातों को पैरेंट्स को समझाने की कोशिश की जाती है। नए क्षेत्रों की जानकारी काउंसलिंग का एक सबसे बड़ा फायदा यह भी है कि काउंसलर आपको वैसे सब्जेक्ट या उभरते क्षेत्रों के बारे में भी बताते हैं, जिनसे आप अनजान होते हैं। काउंसलर आपको मार्केट ट्रेंड (देश-विदेश) के बारे में बताते हैं और इन सबसे ऊपर आपको अच्छा इंस्टीट्यूट चुनने में मदद करते हैं। सब्जेक्ट पसंद का होने से आप अपनी पसंद की राह पर बढ़ तो सकते हैं, लेकिन इस गलाकाट प्रतियोगिता के जमाने में अच्छे इंस्टीट्यूट का चुनाव करके ही आप दूसरों पर बढ़त ले सकते हैं। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। इसी तरह लॉ का क्षेत्र बढ़ गया है। फैशन टेक्नोलॉजी का बुखार और खुमार तो है ही, खेल के क्षेत्र में हो रहे सुधार और कमाई से इस क्षेत्र में क्रिकेट के अलावा नए ऑप्शन पर भी उभरे हैं। एक काउंसलर की सलाह यहीं कारगर होती है।

संक्षिप्त समाचार

मिनिमम बैलेंस न रखने पर खाताधारकों से सरकारी बैंकों ने 2000 करोड़ वसूले

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के 11 बैंकों ने बचत खातों में मिनिमम बैलेंस बनाए न रखने पर खाताधारकों से 2331 करोड़ रुपये जुर्माने के रूप में वसूल किए हैं। लोकसभा में एक प्रश्न के जवाब में वित्त मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि इन बैंकों ने पिछले तीन वर्षों में न्यूनतम शेष राशि न बनाए रखने के लिए खाताधारकों से 5,614 करोड़ रुपये वसूले हैं। वित्त वर्ष में 12 में से 11 सार्वजनिक बैंकों ने बचत खातों में मिनिमम बैलेंस न रख पाने वाले खाताधारकों से 25 फीसदी ज्यादा जुर्माना वसूला है। एसबीआई ने वित्त वर्ष 2020 में ही मिनिमम बैलेंस न होने पर जुर्माने का प्रावधान हटा दिया था।

स्टेट बैंक ने कोई पैसा नहीं लिया

वित्त मंत्रालय की जानकारी के मुताबिक भारतीय स्टेट बैंक ने वित्त वर्ष 2020 में ही न्यूनतम राशि न होने पर जुर्माने का प्रावधान हटा दिया था। शेष 11 बैंकों द्वारा वित्त वर्ष 2024 में खाताधारकों से वसूली गई 2331 करोड़ की रकम वित्त वर्ष 2023 के 1,855.43 करोड़ रुपये से 25.63 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इन बैंकों ने पिछले तीन वर्षों में खाताधारकों से 5,614 करोड़ रुपये वसूले हैं। सबसे ज्यादा 633.4 करोड़ रुपये का जुर्माना पंजाब नेशनल बैंक ने वसूली। बैंक ऑफ बड़ौदा 386.51 करोड़ की राशि के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, इंडियन बैंक ने 369.16 करोड़ रुपये की राशि वसूल की। यदि निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा लगाए गए शुल्कों पर ध्यान दिया जाए तो न्यूनतम शेष राशि पर जुर्माना काफी अधिक होगा।

अभी मंगवा कर रख लीजिए सरिया, फायदे में रहेंगे... दिल्ली से मुंबई तक मिल रहा इतना सस्ता



नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप अपने सपनों का आशियाना बनवाने का प्लान कर रहे हैं और इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि बिल्डिंग मैटेरियल्स के दाम घटें, तो फिर आपके लिए सुनहरा मौका है. बारिश के मौसम में इनकी कीमत में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. दिल्ली से मुंबई तक और इंदौर से गोवा तक Sariya Price में कमी आई है. ऐसे में घर बनवाने की तैयारी है, तो खासतौर पर सलिया अभी मंगवा का रख लीजिए, इससे कंस्ट्रक्शन पर होने वाले आपके खर्च में कमी आ सकती है. आज के समय में सबसे महंगे कामों में शामिल है. पहले लाखों की रकम से जमीन खरीदना और फिर उस पर भारी भरकम खर्च करके सपनों का आशियाना तैयार कराना, इस पर तगड़ा पैसा खर्च होता है. ये सबसे बड़ा कारण है कि लोग घर बनवाते समय बिल्डिंग मैटेरियल्स के दाम घटने का इंतजार करते हैं. सीमेंट, ईंट, रेत-बालू के साथ ही सरिया सबसे महंगे सौदों में शामिल होता है. इसकी कीमत में उतार-चढ़ाव हाउस कंस्ट्रक्शन कॉस्ट को बढ़ा या घटा देता है. अब जबकि इसके दाम में बड़ी गिरावट आई है, तो कंस्ट्रक्शन पर आपका खर्च घट सकता है. इस साल 2024 में अब तक सरिया की कीमतों में) बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. साल की शुरुआत में जहां इसके दाम में गिरावट आई थी, तो वहीं मई 2024 से इसमें फिर तेज उछाल देखने को मिला था, वहीं अब दो महीने में सरिया का प्राइस फिर घट गया है.

डिजिटल क्रांति में भारत सबसे आगे

ऑनलाइन लेनदेन में तेजी, देश में 8011 फिनटेक कंपनियां

नईदिल्ली, एजेंसी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने की सरकार की कोशिशों की बदौलत भारतीय फिनटेक कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इसका अंदाजा फिनटेक कंपनियों के बढ़ते राजस्व से लगाया जा सकता है। भारत डिजिटल क्रांति के मोर्चे पर दुनिया में सबसे आगे है। देश ने डिजिटल भुगतान में तेजी लाकर न सिर्फ वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) को अपनाया है बल्कि इसे अपनाने में दुनिया की अगुवाई कर रहा है। आरबीआई की ताजा करेंसी एंड फाइनेंस 2023-24 रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में फिनटेक को अपनाने की दर सबसे ज्यादा 87 फीसदी है। यह दर 64 फीसदी के वैश्विक औसत से 23 फीसदी अधिक है। 22 जुलाई, 2024 तक देश में फिनटेक कंपनियों की संख्या बढ़कर 8,011 पहुंच गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहित करने की सरकार की कोशिशों की बदौलत भारतीय फिनटेक कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं।



इसका अंदाजा फिनटेक कंपनियों के बढ़ते राजस्व से लगाया जा सकता है। 2030 तक फिनटेक कंपनियों का राजस्व 11.17 गुना बढ़कर 190 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। 2022 में यह आंकड़ा 17 अरब डॉलर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय फिनटेक कंपनियों को जनवरी, 2018 से दिसंबर, 2023 के बीच करीब 27 अरब डॉलर की फंडिंग मिली है। इसमें घरेलू और विदेशी फंडिंग दोनों शामिल है।

आंकड़ों को समझें...

42.4 करोड़ यूपीआई यूनिक यूजर्स
95.4 करोड़ इंटरनेट सब्सक्रिप्शन
46.7 करोड़ सोशल मीडिया यूजर्स
116.5 करोड़ वायरलेस सब्सक्रिप्शन
75.0 करोड़ स्मार्ट फोन यूजर्स
138 करोड़ आधार जारी हुए हैं

डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने में काफी मददगार

आरबीआई ने कहा, 84 फीसदी बैंक व 35 फीसदी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने के लिए फिनटेक से साझेदारी कर रही हैं। 92 फीसदी बैंकों और 60 फीसदी एनबीएफसी का मानना है कि फिनटेक का साथ डिजिटल बैंकिंग समाधान पेश करने में मददगार साबित हो रहा है।

अर्थव्यवस्था को संगठित बनाने में मिली सहायता

2014 से अब तक 116 अरब से अधिक आधार आधारित और 20 अरब से ज्यादा ई-केवाईसी प्रमाणीकरण हुए हैं। इससे अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद मिली है। जीएसटी नेटवर्क ने 1.4 करोड़ करदाताओं को जोड़ा है और 400 करोड़ से अधिक ई-वे बिल जारी किए जा चुके हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिये 2023-24 में 176 करोड़ लाभार्थियों को 6.9 लाख करोड़ रुपये सीधे हस्तांतरित किए गए हैं।

नईकर व्यवस्था के तहत दाखिल किएगए 70 फीसदी आईटीआर, राजस्व सचिव ने कही यह बात



नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2023-24 में अर्जित आय के लिए करीब छह करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं।?इनमें से 70 फीसदी नई कर व्यवस्था के तहत भरे गए हैं। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के बजट बाद सत्र को संबोधित करते हुए कहा, आशंकाएं जताई जा रही थीं कि लोग सरलीकृत नई कर व्यवस्था को अपनाएंगे या नहीं। अब इसे लेकर कोईआशंका नहीं है।? उन्होंने कहा कि बजट में घोषित व्यापक आयकर समीक्षा के पीछे का विचार कर कानून को सरल बनाना है। हम एक मसौदा तैयार करेंगे और फिर सुझाव मांगेंगे। मल्होत्रा ने कहा, यह पूरा कदम सरलीकरण की दिशा में उठाया गया है।इसका अंतिम उद्देश्य कर अनुपालन बोझ को कम करना है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 8.61 करोड़ आईटीआर भरे गए थे। नई कर व्यवस्था में कर की दरें कम हैं, लेकिन छूट या कटौतियों के दावे का विकल्प नहीं है।

शेयर बाजार में सकारात्मक शुरुआत; सेंसेक्स 180 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 के पार पहुंचा



नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन हरियाली दिखी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 180 अंकों तक उछला। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 24900 के पार पहुंच गया। सुबह 10 बजकर 20 मिनट पर सेंसेक्स 269.13 (0.33त्न) अंकों की बढ़त के साथ 81,730.98 के स्तर पर जबकि निफ्टी 82.11 (0.33त्न) अंकों की मजबूती के साथ 24,939.40 पर कारोबार करता दिखा।

एफएंडओ: खुदरा निवेशकों को बचाने के लिएसेबी ने दिएसात सुझाव, खुदरा निवेशकों की डूब रही बचत को बचाने की कवायद

नईदिल्ली, एजेंसी। फ्यूचर एंड ऑप्शन (एफएंडओ) में खुदरा निवेशकों की डूब रही बचत को लेकर चिंता के बीच सेबी ने उनकी सुरक्षा के लिए सात उपाय सुझाए हैं। सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा, एफएंडओ में परिवारों को साल में 60,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। 2023-24 में 92.5 लाख खुदरा निवेशकों और प्रोपराइटरशिप फर्मों को एफएंडओ में 51,689 करोड़ का घाटा हुआ था।

मौजूदा स्ट्राइक प्राइस परिचय पद्धति को तर्कसंगत बनाया जाए। स्ट्राइक अंतराल प्रचलित सूचकांक मूल्य (मौजूदा कीमत के आसपास 4 फीसदी) के करीब एक समान होना चाहिए। स्ट्राइक प्रचलित मूल्य (लगभग 4 फीसदी से 8 फीसदी) से दूर जाने पर अंतराल बढ़ना चाहिए।



एक्सपायरी डे पर कैलेंडर स्प्रेड लाभ हटाएं

अन्य गैर समाप्ति दिनों की तुलना में एक्सपायरी डे पर वॉल्यूम में अंतर और उसके साथ तरलता जोखिम को देखते हुए कैलेंडर स्प्रेड स्थिति के लिए मार्जिन लाभ उन स्थितियों के लिए प्रदान नहीं किया जाएगा जिनमें कोई भी कांट्रैक्ट उसी दिन समाप्त हो रहा हो।

पोजीशन लिमिट की इंट्रा डे में निगरानी

इंडेक्स डेरिवेटिव अनुबंधों के लिए पोजीशन लिमिट्स की निगरानी इंट्राडे आधार पर क्लीयरिंग कॉरपोरेशन/स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा की जाएगी। उचित निर्धारण के साथ और संबंधित टेक्नोलॉजी बदलाव की जरूरत को देखते हुए पूर्ण कार्यान्वयन के लिए एक आसान रास्ता तय किया जाएगा। डेरिवेटिव्ज कांट्रैक्ट का मूल्य पहले चरण में 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख और 15 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करना चाहिए। दूसरे चरण में इसे 20 से बढ़ाकर 30 लाख रुपये करना चाहिए। सप्ताह के सभी पांच कारोबारी दिनों में साप्ताहिक अनुबंधों की समाप्ति होती है। ऐसे में किसी एक्सचेंज के सिंगल बेंचमार्क सूचकांक पर साप्ताहिक ऑप्शन कांट्रैक्ट दिए जाने चाहिए। सेबी ने कहा कि समाप्ति के करीब ऑप्शन अनुबंधों में उच्च जोखिम से निपटने के लिए ऑप्शन में काम करने वाली संस्थाओं के लिए अनुमानित आधार पर भारी हानि मार्जिन (ईएलएम) को 3 से 5 फीसदी तक बढ़ाया जाना चाहिए।

हिंदुस्तान जिंक को 1,170 करोड़ का कर नोटिस, बायजू और बीसीसीआई के बीच हो सकती है सुलह

नईदिल्ली, एजेंसी। रिकॉर्ड उच्च कीमतों के कारण देश में सोने की मांग 2024 की अप्रैल-जून तिमाही में पांच फीसदी घटकर 149.7 टन रह गई। 2023 की समान अवधि में यह 158.1 टन रही थी। आयकर विभाग ने हिंदुस्तान जिंक को आकलन वर्ष 2021-22 के लिए 1,170 करोड़ का नोटिस भेजा है। कंपनी ने मंगलवार को कहा, नेशनल फेसलेस असेसमेंट सेंटर की मांग पिछले वर्षों की तरह समान अस्वीकृतियों पर आधारित है। इस नोटिस का उस पर वित्तीय असर नहीं पड़ेगा।वह इसके खिलाफ संबंधित प्राधिकरण के पास अपील दायर करेगी।

इस बीच खबर है कि बायजू और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच सुलह हो सकती है। बीसीसीआई के वकील तुषार मेहता ने मंगलवार को बताया, दोनों पक्षों के बीच सेटेलमेंट को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है। इसलिए, दिवालिया प्रक्रिया को स्थगित कर दिया जाए।

रिकॉर्ड उच्च कीमतों के कारण देश में सोने की मांग 2024 की अप्रैल-जून तिमाही में पांच फीसदी घटकर 149.7 टन रह गई। 2023 की समान अवधि में यह 158.1 टन रही थी। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) के मुताबिक, मूल्य के लिहाज से सोने



की मांग दूसरी तिमाही में 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये पहुंच गई।अप्रैल-जून तिमाही में 24 कैरेट सोने की कीमतें प्रति 10 ग्राम 74,000 रुपये के स्तर को पार कर गई थीं।

सोना 550 रुपये महंगा

आभूषण कारोबारियों की मजबूत मांग से मंगलवार को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 550 रुपये महंगा होकर 71,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।हालांकि, चांदी बिना किसी उतार-चढ़ाव के 84,500 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव रही।

चार कंपनियों के आईपीओ दस्तावेज वापस

विशाल मेगामार्ट, अवांस फाइनेंशियल सर्विसेज, साई लाइफ साइंसेज और बीएमडब्ल्यू के आईपीओ से संबंधित दस्तावेजों को सेबी ने वापस लौटा दिया है। इन कंपनियों ने कुछ नियमों का पालन नहीं किया है, जिससे बाजार नियामक ने उनके दस्तावेज वापस लौटा दिएहैं।

अदाणी समूह की तीन कंपनियों का बेहतर प्रदर्शन

अदाणी समूह की तीन कंपनियों अदाणी ग्रीन एनर्जी, टोटल गैस और एनर्जी सॉल्यूंशस ने पहली तिमाही ने बेहतर वित्तीय प्रदर्शन किया है।टोटल गैस के सीईओ सुरेश मंगलानी ने कहा, हमने 1,000 ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाए हैं।ग्रीन एनर्जी का एबिट्डा 23 फीसदी बढ़ गया है।

पेटीएम जैसी गड़बड़ी की अनुमति नहीं... फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग में सालभर में निवेशकों के डूबे? 60,000 करोड़



नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने मंगलवार को कहा कि बाजार के वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) सेगमेंट में शिरकत करने से देश के परिवारों को साल भर में 60,000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मुखिया ने यहां नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में इस बात पर आश्चर्य जताया कि डेरिवेटिव बाजारों में इस तरह के दांव को 'बड़ा इश्यू' क्यों नहीं कहा जाना चाहिए। बुच ने कहा, ''अगर एफएंडओ खंड में हर साल 50,000-60,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है तो यह व्यापक मुद्दा क्यों नहीं है? यह राशि आने वाले आईपीओ, म्यूचुअल फंड या अन्य उत्पादक उद्देश्यों के लिए लगाई जा सकती थी।''

भारतीय व्यापारियों को सलाह : चीनियों से कारोबार से रहें सावधान

बीजिंग, एजेंसी। चीन में भारतीय दूतावास ने भारत की कंपनियों को सलाह दी है कि वे अनुलग्नक दस्तावेजों पर भी ध्यान दें और चीनी संस्थाओं के साथ व्यवहार करते समय सावधान रहें। उसने कहा, दूतावास को चीन में चीनी संस्थाओं से व्यापार पर भारतीय कंपनियों के सामने कई समस्याओं की शिकायतें मिली हैं। ऐसे में भारतीय दूतावास की सलाह काफी कारगर रहेगी।

भारत ने चीन की संस्थाओं के साथ कारोबार करते समय पर्याप्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। चीन में भारतीय दूतावास ने उन छोटे-मध्यम भारतीय उद्यमों (एसएमई) के लिए व्यापार सलाह अपडेट की है जो चीनी कंपनियों के साथ व्यापार कर रहे हैं। दूतावास को नियमित रूप से चीन में भारतीय कंपनियों के सामने आने वाली समस्याओं के बाद यह सलाह देनी पड़ी।



चीन में भारतीय दूतावास ने भारत की कंपनियों को सलाह दी है कि वे अनुलग्नक दस्तावेजों पर भी ध्यान दें और चीनी संस्थाओं के साथ व्यवहार करते समय सावधान रहें। उसने कहा, दूतावास को चीन में चीनी संस्थाओं से व्यापार पर भारतीय कंपनियों के सामने कई समस्याओं की शिकायतें मिली हैं। ऐसे में भारतीय दूतावास की सलाह काफी कारगर रहेगी। उसने भारतीय कंपनियों को चीनी कंपनियों के साथ व्यापार से पहले भारतीय दूतावास को लिखित सूचना देने की भी सलाह दी है। दूतावास ने बड़े लेनदेन में भी एडवाइजरी जारी की है। विवाद के अधिकांश मामले शेडोंग, हेबेई, गुआंगडोंग, जियांग्सू और झेजियांग प्रांतों में देखे गए। एजेंसी चीन में भारतीय दूतावास ने कहा, अनुलग्नक 1 में उन विशिष्ट समस्याओं की एक सूची है जिनका भारतीय कंपनियों को सामना करना पड़ता है। इसमें सावधानियों की चेकलिस्ट भी है। अनुलग्नक 2 में वर्णनात्मक विवरण शामिल हैं। चीनी संस्थाओं द्वारा अपनाई गई विशिष्ट कार्यप्रणाली के अनुबंध 3 में 2009 से अप्रैल 2024 तक भारतीय कंपनियों के साथ व्यापार विवादों में शामिल चीनी संस्थाओं की एक सूची शामिल है।

जिम्मेदार वार्ताकारों की जानकारी रखें

दूतावास ने सिफारिश की कि किसी भी चीनी इकाई के साथ व्यापार करने से पहले, भारतीय कंपनियां भारतीय दूतावास या शंघाई में भारतीय वाणिज्य दूतावास को लिखें। भारतीय कंपनियों को सलाह दी गई कि चीनी कंपनियों के साथ उन्हें चीनी इकाई के मालिक और अन्य जिम्मेदार वार्ताकारों के निवासी पहचान पत्र अपने पास रखने चाहिए।

हिंडनबर्ग प्रकरण के बाद अदाणी समूह की इस कंपनी ने पहली बार की शेयरों की बिक्री, एक अरब डॉलर जुटाए

नईदिल्ली, एजेंसी। हिंडनबर्ग मामले के बाद पहली बार अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने शेयर बिक्री कर एक अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। रिपोर्ट से अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। अरबपति कारोबारी गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समहू की पावर ट्रांसमिशन यूनिट ने शेयर बिक्री कर एक अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। यह हिंडनबर्ग रिपोर्ट सामने आने के बाद समूह ने पहली बार शेयर बिक्री की है। रिपोर्ट से अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिए यह रकम जुटाई है। मंगलवार को खुले क्यूआईपी को करीब 26 हजार करोड़ रुपये की मांग के साथ तीन गुना ओवरसब्सक्रइब किया गया था। जिससे यह भारत के उर्जा क्षेत्र में सबसे बड़ा सौदा बन गया।

क्या है हिंडनबर्ग, जिसकी रिपोर्ट से अदाणी को हुआ था भारी नुकसान

हिंडनबर्ग रिसर्च एक वित्तीय शोध करने वाली कंपनी है, जो इक्विटी, क्रेडिट



और डेरिवेटिव मार्केट के आंकड़ों का विश्लेषण करती है। इसकी स्थापना साल 2017 में नाथन एंडरसन ने की है। हिंडनबर्ग रिसर्च हेज फंड का कारोबार भी करती है। इसे कॉरपोरेट जगत की गतिविधियों के बारे में खुलासा करने के लिए जाना जाता है। इस कंपनी का नाम हिंडनबर्ग आपदा पर आधारित है जो 1937 में हुई थी, जब एक जर्मन यात्री हवाई पोत में आग लग गई थी, जिसमें 35 लोग मारे गए थे। कंपनी यह पता लगाती है कि क्या शेयर मार्केट में कहीं गलत तरीके से पैसों की हेरा-फेरी तो नहीं हो रही है? क्या कोई कंपनी अकाउंट मिसमैनेजमेंट तो खुद को बड़ा नहीं दिखा रही है? क्या कंपनी अपने फायदे के लिए शेयर मार्केट में गलत तरह से दूसरी कंपनियों के शेयर को बेट लगाकर नुकसान तो नहीं पहुंचा रही?

पिछले साल 25 जनवरी को हिंडनबर्ग ने अदाणी ग्रुप के संबंध में 32 हजार शब्दों की एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के निष्कर्ष में 88 प्रश्नों को शामिल किया। रिपोर्ट में दावा किया गया कि यह समूह दशकों से शेयरों के हेरफेर और अकाउंट की धोखाधड़ी में शामिल है।

33 घंटा से अधिक समय बीत जाने के बाद भी नहीं शुरू हो सका ट्रेनों का परिचालन

खरसावां, एजेंसी। हावड़ा-मुंबई मुख्य मार्ग पर चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां-बड़ाबांबो रेलवे स्टेशन के बीच रेल हादसे हुए 33 घंटे से अधिक का समय बीत गया, लेकिन अब तक ट्रेनों का परिचालन सामान्य रूप से नहीं हो सका है. जानकारी के मुताबिक अब भी इसके शुरू होने में 8-10 घंटे समय लग सकता है. बुधवार को देर रात तक इस लाइन में ट्रेनों का आवागमन सामान्य हो सकता है.

दुर्घटनाग्रस्त 12810 अप हावड़ा-मुंबई मेल के डब्बों को रेल पटरियों से हटाने का कार्य जारी है. इस कार्य में रेलवे के अधिकारियों से लेकर कर्मियों तक को लगाया गया है. चक्रधरपुर व बंडोमुंडा से उच्च क्षमता वाले क्रेन लाकर दुर्घटनाग्रस्त रेल के डब्बों के साथ साथ मलवा को हटाने का कार्य जारी है. समाचार लिखे जाने तक इस दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन के 16 डब्बों को रेल पटरियों से हटाया जा चुका है. इंजन समेत अन्य डब्बों को हटाने का कार्य जारी है. राहत कार्य में अधिकारी से लेकर कर्मियों तक आपसी समन्वय बनाकर



कार्य कर रहे हैं.

रात भर चला मलवा हटाने का कार्य : रेल हादसे के बाद से ही रेलवे, एनडीआरएफ, आरपीएफ, जिला पुलिस और जिला प्रशासन की टीम घटनास्थल पर पहुंच कर राहत कार्य चलाने में जुट गयी. दुर्घटना स्थल पर टेंट का विशेष कैंप लगा कर मंगलवार दोपहर से ही कार्य शुरु किया गया. रेल के पटरियों से मलवा हटाने के लिये अलग अलग स्थानों से आवश्यक उपकरण व मशीन मंगा कर कार्य शुरू कराया गया.

दुर्घटनाग्रस्त माल के डब्बों को भी हटाने का कार्य शुरु : रेल हादसे में दुर्घटनाग्रस्त मालगाड़ी (गुड्स ट्रेन) के डब्बों को भी हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है. जमीन से करीब 12 फीट से भी अधिक उंचाई पर रेलवे का ट्रेन होने के कारण रेल डब्बों को हटाने में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इसके बावजूद भी रेल कर्मी जुटे हुए हैं.

कई डब्बों में किसी यात्री के फंसे रहने की संभावना को देखते हुए गैस कटर से काटा गया. बोगियों के अंदरुनी हिस्सों को भी काट कर खोजबीन किया गया. लेकिन, कहीं भी किसी के फंसे होने की सूची नहीं मिली.

डीसी व डीआरएम ले कर रहे हैं पल-पल की जानकारी : सरायकेला-खरसावां जिला के उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला लगातार घटनास्थल का दौरा कर जायजा ले रहे हैं. साथ ही रेल परिचालन सामान्य करने के लिए किये जा रहे कार्यों के पल-पल की जानकार भी ले रहे हैं. दूसरी ओर चक्रधरपुर के मंडल रेल प्रबंधक भी पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग कर मामले की जानकारी ले रहे हैं. रेल के पटरियों से दुर्घटनाग्रस्त टफ़ेन के मलवे को हटाने के कार्य में स्थानीय लोगों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है. स्थानीय युवा रेल कर्मियों की हर तरह से सहायता रहे हैं. किसी तरह के छोटे-मोटे सामान उपलब्ध कराने में खास कर युवा वर्ग आ रहे हैं.

घायलों का सीकेपी रेल अस्पताल में चल रहा है इलाज : रेल हादसे में घायल हुए आठ रेल यात्रियों का चक्रधरपुर स्थित रेल अस्पताल में उपचार किया जा रहा है. सभी मरीजों की स्थिति खतरे से बाहर बतायी जा रही है. बड़ी संख्या में लोग मरीजों का हाल चाल लेने के लिए रेलवे अस्पताल में पहुंच रहे हैं.

30 जुलाई को अप हावड़ा-मुंबई मेल हुई थी दुर्घटनाग्रस्त, दो यात्रियों की हुई थी मौत : चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां-बडाबांबो रेलवे स्टेशन के बीच पोटोबेड़ा गांव के पास 30 जुलाई (मंगलवार) की तड़के सुबह तकरीबन 3.40 बजे 12810 अप हावडा-मुंबई मेल दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थी. इस दुर्घटना में इंजन समेत 18 बोगी पटरी से उतर गये. इस घटना में इंजन, पेंट्री कोच व एसी कोच क्षतिग्रस्त हो गया. हादसे में एसी कोच संख्या चार के दो यात्रियों की मौत हो गयी. मृतक पी विकास (35) व अजीत सामल (45) राउरकेला (ओड़िशा) के निवासी थे. साथ ही दुर्घटना में करीब 20 यात्री घायल हो गये थे.

संक्षिप्त समाचार

निरसा-गोविंदपुर जलापूर्ति योजना चालू करने को ले विधानसभा में धरना पर बैठी अपर्णा

निरसा, एजेंसी। निरसा-गोविंदपुर मेगा जलापूर्ति की बंद पड़ी योजना को शुरू करा कर जलापूर्ति करने की मांग को लेकर विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने झारखंड विधानसभा परिसर में मंगलवार को धरना दिया. साथ ही, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर से मिलकर मांग पत्र सौंपा. उन्होंने मंत्री से बंद पड़ी योजना को जल्द चालू करने एवं निरसा पांड्रा मोड़ स्थित पांड्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पाइपलाइन से जलापूर्ति करने की मांग की. कहा कि वर्ष 2017 में 439 गांवों में पेयजलापूर्ति कराने के लिए चार सौ 38 करोड़ की लागत से टहल कंपनी द्वारा कार्य शुरू किया गया था. 36 माह में कार्य पूरा करना था, लेकिन समय से कार्य पूरा नहीं करने के कारण कंपनी को काली सूची (ब्लैक लिस्ट) में डाल दिया गया था. उन्होंने नये सिरे से टेंडर कराकर योजना को शुरू कराने की मांग की. वहीं विधानसभा के मानसून सत्र के अल्पसूचित प्रश्न काल में पांड्रा उवि, पोद्दारडीह उवि, केलियासोल व सालूकचापड़ा उवि में 10 प्लस 2 की पढ़ाई की उचित व्यवस्था करने, निरसा पोद्दारडीह राज ग्राउंड स्टेडियम में गैलरी का निर्माण, तोरणद्वार, स्टेज, बाउंड्री में फेंसिंग वायरिंग, पेयजल, खिलाड़ियों के लिए अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करने की मांग सरकार से की.

नेतरहाट घाटी में सड़क दुर्घटना में पुलिस जवान की हुई मौत

गुमला, एजेंसी। जिले के गुरदरी थाना इलाके के नेतरहाट घाटी में हुए सड़क दुर्घटना में टीटही गांव निवासी पुलिस जवान अभिषेक उरांव की मौत हो गई। यह घटना सोमवार अपराहन की है। मृतक जवान की पत्नी ने बताया कि उसके पति साहेबगंज जिला पुलिस बल में पदस्थापित थे। जानकारी के मुताबिक अभिषेक उरांव एक सप्ताह का छुट्टी लेकर घर आया था। बुधवार को ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए जाने वाले थे, परंतु घर का कुछ काम को लेकर सोमवार को लोहरदगा गया था। वहां से लौटने के बाद बाइक से नेतरहाट जा रहा था। इसी क्रम में नेतरहाट घाटी के झाऊ ढलान के समीप एक वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे पुलिस जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी मिलने पर गुरदरी थाना की पुलिस ने एंबुलेंस के जरिये अभिषेक उरांव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विशुनपुर पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने पुलिस जवान को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर विशुनपुर थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह और गुरदरी थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह ने परिजनों को ढाढस बांधा। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मॉनसून की बेरूखी से खेती हो रही चौपट, पानी के अभाव में सूख रहा बिचड़ा

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले में मॉनसून की बेरूखी से खेती कार्य चौपट हो गया है. जिले में नहीं के बराबर खेती कार्य किया गया है. मुश्किल से पूरे जिले में 10-12 फीसदी सिंचित भूभाग में धान की रोपाई की जा सकी हैं. बारिश के अभाव में जिले में खेती कार्य प्राय-ठप पड़ गया है. विभाग के अनुसार पिछले साल अब तक 30-35 फीसदी भूभाग पर फसल की बुआई की जानी चाहिये थी, लेकिन आंकड़ा दयनीय है. विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूरे जिले में सामान्य से 30 फीसदी कम वर्षा हुई है. जिले भर में 331.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गयी है, जो सामान्य से 30 फीसदी कम है. हालांकि संताल में सभी जिलों में बेहतर हाल आंकड़ों के हिसाब से गोड्डा का ही है. सबसे खराब हालत देवघर व दुमका की है. देवघर में सामान्य से 56 फीसदी तथा दुमका में सामान्य से 41 फीसदी कम वर्षा हुई है. बारिश नहीं होने से खेती कार्य पर बुरा असर पड़ा है. बारिश के अभाव में किसान तैयार धान की बुआई तक नहीं कर पाये हैं. जिले के सभी प्रखंडों में कमोबेश यही हाल है. इधर खेती कार्य नहीं होने से गांव देहात में खेतीहर मजदूरों पर रोजी रोजगार का संकट मंडरा गया है. मालूम हो दो तीन महीने खेती के समय गांव देहात में खेतीहर मजदूरों को रोजी रोजगार के लिए सोचना नहीं पड़ता है. खेत आदि में मजदूरी कार्य कर अपनी जीविका चला लेते हैं. परंतु बारिश नहीं होने से खेतीहर मजदूरों के रोजी रोजगार पर गहरा असर पड़ा है.

महागामा एसडीओ गेट पर वामदलों का धरना जारी

रांची, एजेंसी। बीते 24 मार्च को एसडीओ और राजमहल परियोजना पदाधिकारी के साथ हुए समझौता को अविलंब लागू करने सहित 18 सूत्री मांगों को लेकर महागामा एसडीओ कार्यालय गेट पर वामपंथियों का महाधरना तीसरे दिन भी जारी रहा. इस दौरान सीपीआइ, सीपीएम व भाकपा माले के नेताओं ने अनिश्चितकालीन महाधरना कार्यक्रम के दौरान किसानों और राजमहल परियोजना क्षेत्र के प्रभावित गांव तालझारी व नीमा के ग्रामीणों को संबोधित किया. इस दौरान किसानों व राजमहल परियोजना के प्रभावितों की समस्या को दूर करने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की गयी. वामपंथी नेताओं ने बताया कि तीन दिनों से धरना पर डटे रहने के बावजूद एसडीओ सुधि नहीं ले रहे हैं. अगर धरना पर बैठे लोगों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया जाता है, तो और अधिक जोरदार आंदोलन किया जाएगा. धरना पर बैठे लोगों की मांगों में महागामा होते हुए पीरपैंती तक जाने वाली रेल लाइन को मेहरमा के शंकरपुर, पत्तीचक, पिरोजपुर, गोविंदपुर इटहरी गांव के बाहर से रेल लाइन ले जाने की गारंटी देने, महागामा प्रखंड के दर्वेचक शिव मंदिर से होते हुए कनककिता, सरभंगा, मोहनी व दिग्घी तक सिंचाई नाला का खुदाई कर पक्का नाला का निर्माण करने, भूविस्थापितों के प्रत्येक परिवार के नौजवान को अविलंब रोजगार देने की मांग शामिल है. इस मौके पर माकपा राज्य कमेटी सदस्य अशोक साह, माले नेता अरुण सहाय, सीपीआइएम के जिला सचिव रघुवीर मंडल, अनिल सिंह, मोहम्मद अख्तर, फौजदारी यादव, मजबूल अंसारी, जनार्दन ठाकुर, बेटका मुर्मू, मार्गेट मेरी टूडू, धर्मदेव रविदास, वाजुद्दीन, मंजूर, मोनिका टुडू सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

संतोष गंगवार ने झारखंड के राज्यपाल पद की शपथ ली, कार्यवाहक चीफ जस्टिस ने दिलाई शपथ



रांची, एजेंसी। संतोष गंगवार झारखंड के 12वें राज्यपाल बने हैं। उन्होंने बुधवार को राजभवन के बिरसा मंडप में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल पद की शपथ ली। झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एसएन प्रसाद ने उन्हें शपथ दिलाई।

शपथ लेते हुए राज्यपाल ने कहा कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करेंगे तथा राज्य की जनता के कल्याण के लिए काम करेंगे।

इससे पहले राज्य के मुख्य सचिव एल खियांग्ते ने उनके राज्यपाल के रूप में नियुक्ति का पत्र पढ़ा। समारोह का शुभारंभ और अंत राष्ट्रगान से हुआ।

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधानसभाध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो, मंत्री मिथलेश ठाकुर, दीपिका पांडेय सिंह, इरफान अंसारी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, उच्च न्यायालय के कई न्यायाधीश, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी तथा विभिन्न विभागों के सचिव आदि उपस्थित रहे।

शपथ लेने के बाद राज्यपाल मंच से उतरकर मुख्यमंत्री सहित अन्य सभी गणमान्य लोगों से उनकी सीट पर जाकर मुलाकात की। मुख्यमंत्री सहित गणमान्य लोगों ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ सौंपकर उन्हें राज्यपाल पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी। इस मौके पर राज्यपाल के परिजन, मित्रगण आदि भी उपस्थित थे।

राजाभिट्ठा के बड़ा पिपरा गांव में फसल चरने के विवाद में हुई मारपीट में घायल की मौत

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा के राजाभिट्ठा थाना क्षेत्र में फसल चरने के विवाद में हुई मारपीट की एक घटना में अधेड़ की मौत हो गयी. मृतक का नाम अर्जुन हांसदा (56 वर्ष) बताया जाता है. मारपीट की घटना कल ही हुई थी, जिसमें इलाज के लिए घायल को भर्ती कराया गया था. इलाज के क्रम में घायल ने दम तोड़ दिया. इसके बाद पहले तो परिजन शव को अपने साथ घर ले गये. बाद में जब पुलिस को जानकारी हुई, तो पुन- पोस्टमॉर्टम के लिए शव को गोड्डा भेजा गया. मंगलवार की सुबह शव का पोस्टमॉर्टम किया जा सका. इस मामले में पुलिस द्वारा परिजनों से प्राप्त आवेदन के आलोक में केस दर्ज किया गया है.

जानकारी के अनुसार सोमवार को अर्जुन हांसदा बछडा गांव के ही मंत्री हेंब्रम के खेत में लगे बिचड़े में चला गया तथा चरने लगा. इस पर गुस्साये मंत्री हेम्ब्रम ने पहले तो मवेशी को खदेड़ा और साथ ही मंत्री अर्जुन हांसदा से उलझ गया. अर्जुन हांसदा के साथ मारपीट भी की. गांव में इसको लेकर पंचायती की गयी. पंचायत ने मंत्री हेंब्रम पर अर्जुन हांसदा के इलाज का फैसला सुनाया. इसके बाद अर्जुन हांसदा का उपचार सदर अस्पताल में किया गया. लेकिन इलाज के क्रम में ही अर्जुन हांसदा की मौत हो गयी. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा पहले पोस्टमॉर्टम कराया गया. बाद में हत्याकांड के मामले में एक को अभियुक्त बनाते हुए केस दर्ज कर लिया गया. थाना प्रभारी अशोक कुमार ने मौत के मामले की पुष्टि की है. साथ ही बताया कि कार्रवाई की जा रही है.

कोर्ट की मनाही के बावजूद दुमका में मकान पर चला बुलडोजर, उच्च न्यायालय की फटकार; 5 लाख मुआवजा देने का दिया आदेश



रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में अतिक्रमण बताकर मकान तोड़े जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने मकान फिर से बनाने और प्रार्थी को पांच लाख मुआवजा देने का निर्देश सरकार को दिया है। इस संबंध में ओमप्रकाश ने याचिका दायर की है।

अदालत ने आदेश में कहा कि जब हाई कोर्ट के आदेश के आलोक में प्रार्थी ने निर्धारित समय में अपीलीय प्राधिकार में अपील दाखिल कर दिया था।

कोर्ट ने मकान नहीं तोड़ने का आदेश दिया था, तो उनका मकान क्यों तोड़ा गया। मकान तोड़ने के पहले झारखंड सरकारी जमीन अतिक्रमण एक्ट के तहत कोई कार्यवाही भी नहीं चलाई गई।

मामले में दुमका सदर सीओ ने उनकी जमीन को अतिक्रमण बताते हुए दो सप्ताह में हटाने का नोटिस आठ जून 2016 को दिया था।

कुछ समय बाद फिर से सीओ ने प्रार्थी की जमीन खाली करने का आदेश दिया, ऐसा नहीं करने पर उसे तोड़ने का आदेश दिया गया। इसके खिलाफ प्रार्थी ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

प्रार्थी ने कोर्ट को बताया कि उक्त जमीन पर वह वर्ष 1949 से रह रहे हैं। पूर्व में सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने प्रार्थी को दो सप्ताह में सक्षम प्राधिकार के पास अपील दाखिल का आदेश था। साथ ही, इस दौरान किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया था।

कोर्ट के आदेश के आलोक में प्रार्थी ने निर्धारित समय सीमा के दौरान एसडीओ दुमका के पास अपील दायर की। एसडीओ ने दो सप्ताह की अवधि पूरा होने के बाद बुलडोजर से उनके मकान को तोड़ दिया। जबकि उसकी अपील लंबित थी।

मकान तोड़ने के पहले एसडीओ ने अपील को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह अपील एडिशनल कलेक्टर के पास दाखिल की जानी थी।

प्रार्थी ने दोबारा हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए कहा कि गलत जगह अपील दाखिल करने के बावजूद उनकी अपील को एसडीओ खारिज नहीं की कर सकते। वह संबंधित प्राधिकार के पास उनकी अपील भेज सकते थे।

राज्य सरकार का कहना था कि वर्ष 2009 में यह जमीन झारखंड सरकार को ट्रांसपोर्ट विभाग के लिए आवंटित की गई है। इससे पहले एकीकृत बिहार के समय यह जमीन बिहार राज्य ट्रांसपोर्ट के लिए वर्ष 1959 में अधिग्रहित की गई थी।

कृषि को बढ़ावा के लिए बैंक आफ इंडिया की कई योजनाएं : महाप्रबंधक



गोविंदपुर, एजेंसी। बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक (मुंबई) धनंजय प्रसाद ने कहा कि कृषि एवं व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बैंक की कई योजनाएं संचालित हैं. किसान व व्यापारी इनका लाभ उठायें. बीओआइ नियो मोबाइल सेवा के जरिए घर बैठे भी बैंकिंग योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं. श्री प्रसाद मंगलवार को गोविंदपुर बाजार में बैंक ऑफ इंडिया केआइइ शाखा के नए परिसर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे. कहा कि केसीसी, मुद्रा लोन, विश्वकर्मा लोन समेत छोटे व्यवसाय के लिए भी कई तरह के लोन दिये जा रहे हैं. आंचलिक प्रबंधक विकास रंजन पटनायक ने कहा कि बीओआइ अग्रणी बैंक के दायित्वों को बखूबी निभा रहा है. सीओ धर्मेंद्र कुमार दुबे ने कहा कि अब ग्राहकों को बेहतर सेवा मिलेगी. शाखा प्रबंधक रजनीश कुमार श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत किया. कार्यक्रम में डीजेडएम दिनेश प्रसाद, ओमप्रकाश बजाज, सुरेश सरिया, कमल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जितेश जायसवाल, राजेश दुदानी, आनंद जायसवाल, खुशबू कुमारी, यमुनालाल रजक, सुनील कुमार, नवीन भगत, वरुण कुमार, संजय सिंह, प्रेम, डालू महतो, रामनिवास रिटोलिया, एजाज अहमद, विनोद बर्मन, शैलेंद्र भगत, चंद्रकांत गिरि, अमित बजाज आदि थे. इधर सामाजिक संस्था नागरिक समिति ने बैंक के जीएम एवं जेडएम को ज्ञापन देकर साहिबगंज रोड पाथुरिया मोड़, गोविंदपुर ऊपर बाजार से बरवाअड्डा के बीच तथा नगरकियारी गांव में बैंक की शाखा खोलने, आमाघाटा शाखा का सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरण आदि की मांग की.

मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना के लिए शिविर में देना होगा आवेदन : बीडीओ

रांची, एजेंसी। बसंतराय प्रखंड में महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना को लेकर जागरूकता कार्यक्रम जारी है. इसको लेकर पंचायत सेवक, आंगनबाड़ी सेविका, प्रखंड कर्मी को निर्देश पत्र के माध्यम से बीडीओ प्रभास चंद्र दास द्वारा निर्देश जारी किया गया है. इसमें प्रखंड के सभी मुखिया, उप मुखिया, पंचायत सचिव, बीएलओ, पीडीएस डीलरों एवं जेएसपीएलएस की सदस्य को पत्र प्रेषित किया गया है. बीडीओ ने कहा कि मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना के तहत 21 वर्ष से 50 वर्ष तक की महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपये दिया जाएगा. योजना का लाभ शत-प्रतिशत महिलाओं तक पहुंचाने में सभी की भूमिका अहम होगी. योजना का लाभ लेने के लिए महिलाओं को तीन से दस अगस्त तक सभी पंचायतों में लगने वाले शिविर में आवेदन स्वयं उपस्थित होकर करना होगा. आवेदन के साथ राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, वोटर कार्ड की छाया प्रति और दो पासपोर्ट साइज फोटो जमा करना है. 10 से 15 अगस्त तक आवेदनों की जांच होगी. संभवतः 16 अगस्त को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और महिला बाल विकास मंत्री देवी द्वारा राशि सीधे लाभुकों के खाते में भेज कर योजना की शुरुआत की जाएगी.

शादीशुदा महिला आशिक के साथ कमरे में पकड़ी गई

गिरिहीड, एजेंसी। एक शादीशुदा महिला अपने प्रेमी के साथ एक कमरे में संबंध बना रही थी। तभी महिला के घरवालों ने उसे अंतरंग हालत में पकड़ लिया। हालांकि महिला का कहना है कि विवाह का झांसा देकर आरोपी उसके साथ यौन संबंध बना रहा था। यह झारखंड के गिरिहीड जिले की घटना है।

बंद कमरे में बना रहे थे संबंध

दरअसल, बदडीहा के एक विवाह भवन के एक कमरे से महिला के परिजनों ने दोनों को पकड़ा था। सामाजिक स्तर पर दोनों की शादी की बात तय नहीं होने पर अंतत महिला द्वारा इस मामले में युवक के विरुद्ध मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई। पुलिस ने सोमवार को आरोपी मोइन अंसारी को अदालत में प्रस्तुत किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में गिरिडीह केंद्रीय कारा भेज दिया गया।

मोइन के चंगुल में कैसे फंसी विवाहिता

पीड़िता विवाहिता है और उसकी उम्र लगभग 22 वर्ष है। उसकी शादी तीन वर्ष पूर्व राजधनवार के एक गांव में हुई थी। विवाह के बाद सबकुछ ठीक ठाक रहा। इसी बीच वह अपने बहन के घर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव में आयी थी। इसी दौरान मोइन अंसारी ने किसी तरह उसका मोबाइल नंबर ले लिया और उसे फोन करने लगा। बात करने के लिए वह उस पर दबाव बनाने लगा। पसंद करने तथा शादी करने की बात कहने लगा। पति को छोड़ने के लिए कहने लगा। उसकी बात पर आकर पीड़िता अपने पति से रिश्ता तोड़ दी। मोइन से वह लगातार बात करने लगी और कई बार मोइन ने उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाया। साथ ही कहा कि वह उसकी पत्नी है और वह उसे जिंदगी भर अपने साथ रखेगा।

विवाहिता के परिजनों ने कैसे पकड़ा

26 जुलाई 2024 को चार बजे शाम विवाहिता अपने घर पर थी। इसी बीच मोइन ने फोन किया और विवाहिता को जरूरी बात करने के लिए बदडीहा बुलाया। विवाहिता किसी तरह उसके बाद बदडीहा पहुंची। यहां पहुंचने के बाद मोइन ने उसे एक विवाह भवन में ले गया तथा उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाया। इस बीच विवाहिता के परिवार के लोग भी पहुंच गये और दोनों को एक कमरे में पकड़ लिया।

चापाकल के मुद्दे पर हंगामा, बैठक छोड़ निकल गये मुखिया

गोविंदपुर, एजेंसी। जल जीवन मिशन अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित सभी मुखिया और जलसहिया की बैठक में खराब चापाकलों को लेकर मुखियाओं ने हंगामा किया. उन्होंने कहा है कि विभाग न तो नया चापाकल लगा रहा है और ना ही खराब चापाकलों की मरम्मत कर रहा. विभाग ने गर्मी में भी चापाकलों की मरम्मत नहीं की. केवल बैठक हो रही है. इसके बाद बीच बैठक में ही सभी मुखिया निकलकर चले गये. कनीय अभियंता कुमार आनंद ने कहा कि मुखिया और जलसहिया पर ही सिंगल विलेज स्कीम के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी है. बैठक में जलसहिया से सभी स्कीम की जानकारी ली गयी. मुखिया से भी सुझाव लिये गये. सभी मुखिया से स्कीम के संचालन में जनसंख्या को सहयोग करने की अपील की गयी. बैठक में जिला समन्वयक सुनाक्षी कुमारी, जेइ मो दानिश, हरिराम महतो, मुखिया रामकिशुन विश्वकर्मा, गोविंद प्रसाद साव, बाबूराम हेंब्रम, निमाई महतो, वीरेंद्र रजक, अख्तर अंसारी, मिहिर मंडल, अनवर अंसारी, शांतिराम रजवार, प्राण चंद्र सोरेन, सोनू मंडल, कृष्ण प्रसाद महतो, यशोदा देवी आदि मौजूद थे.

फुटबॉल मैच के दौरान फिर से सुरक्षा में चूक, मैदान में घुसा दर्शक



सेंट एटीने (फ्रांस), एजेंसी। पेरिस ओलंपिक खेलों में फुटबॉल मैच के दौरान फिर से सुरक्षा में चूक हुई जब अमेरिका और गिनी के बीच खेले गए मैच के दौरान एक दर्शक मैदान में घुस गया। यहां मंगलवार को स्टेड जियोफरॉय गुइचार्ड में अमेरिका की गिनी पर 3-0 की जीत के आखिर में एक व्यक्ति ने मैदान पर दौड़ लगाई। इसी स्टेडियम में अर्जेंटीना और मोरक्को के बीच खेले गए मैच के दौरान दर्शकों ने उपद्रव मचाया था। मोरक्को के प्रशंसक तब मैदान में घुस आए थे जिससे खेल दो घंटे तक रोकना पड़ा था। अमेरिका और गिनी के बीच मैच के दौरान मैदान पर दौड़ लगाने वाला दर्शक गिनी के अलीउ बाल्डे से भिड़ गया था। सुरक्षा कर्मियों ने बाद में उसे पकड़ कर बाहर निकाला।



लक्ष्य सेन ने दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी को हराया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के लक्ष्य सेन ने बुधवार 31 जुलाई को यहां अंतिम ग्रुप मैच में इंडोनेशिया के विश्व नंबर 3 जोनाथन क्रिस्टी पर सीधे गेम में शानदार जीत के साथ ओलंपिक पुरुष एकल बैडमिंटन प्रतियोगिता के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य 8 साल बाद ओलंपिक नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता, अल्मोड़ा के 22 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार परिपक्वता और सामरिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए मौजूदा ऑल इंग्लैंड और एशियाई चैंपियन क्रिस्टी को हराया, जो एकतरफा मुकाबला निकला। शुरूआत में 2-8 से पिछड़ने के बाद भारतीय शटलर ने शानदार वापसी करते हुए दोनों गेम 21-18 और 21-12 से जीत लिए। सेन का प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन एचएस प्रणय से सामना होने की संभावना है। प्रणय का सामना दिन में बाद में वियतनाम के ले डुक फाट से होगा। सेन ने रविवार को ग्रुप एल के शुरुआती मैच में टोक्यो ओलंपिक के सेमीफाइनलिस्ट केविन कॉर्डन को हराया था, जिसे उनके ग्वाटेमाला के प्रतिद्वंद्वी द्वारा बाएं कोहनी की चोट के कारण बाहर होने के बाद हटा दिया गया। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता सेन ने इसके बाद बेल्जियम के जूलियन कैराग्गी को हराया।

मेरी यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई फोकस अब अगले मैच पर: मनु



पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में दो मेडल जीतकर इतिहास रचने वाली मनु भाकर ने बातचीत में बताया कि अभी उनकी यात्रा समाप्त नहीं हुई है और वह अपने अगले शूटिंग मैच पर फोकस कर रही हैं। मनु भाकर ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे पास दो मेडल है, लेकिन मेरी यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है। अभी मेरा एक मैच और है, जिसके लिए मुझे फोकस करना है। मैं हर बार अपने मैच से पहले नर्वस होती हूं, लेकिन यह सोचती हूं कि ईश्वर ने अब तक साथ दिया है और वह आगे भी साथ देगा। मनु भाकर ने अपने गेम विनिंग शॉट से पहले अपनी विचार प्रक्रिया का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, आपको केवल अपने बेस्ट देना है, बेस्ट तकनीक इस्तेमाल करनी है, आपके हाथ में यही है। मेरा प्लान हमेशा यही होता है कि अपना बेस्ट दूं और कभी भी हार ना मानूं। मेरा गेम प्लान आगे भी यही होगा कि अंतिम शॉट तक ऐसा करती रहूं। हालांकि, नतीजे आपके नियंत्रण में नहीं होते।

राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार विजेता निशानेबाज रोंजन सोढ़ी ने भी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि उनको निशानेबाजी में भारत से और पदक की उम्मीद हैं। उन्होंने कहा कि, भारत को ओलंपिक में एक और मेडल शूटिंग में मिला है और मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। वह एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। यह मैच आसान नहीं था क्योंकि कोरिया की टीम अच्छी थी, लेकिन मनु और सरबजोत को उनके शानदार खेल का क्रेडिट देना चाहिए। उन्होंने कहा कि, पेरिस ओलंपिक में शूटिंग में भारत के पास और भी मेडल आएंगे। आशा है कि हम शॉटगन में भी बेहतर करेंगे। मैं खिलाड़ियों को यह संदेश देना चाहूंगा कि आपने बहुत मेहनत की है और आपने ट्रेनिंग में जो किया है, केवल उसी पर फोकस बनाए रखें। मनु भाकर ने अपने दोनों पदक 10 मीटर एयर पिस्टल (महिला व्यक्तिगत और मिक्स्ड टीम इवेंट) में जीते हैं। उनको अब 25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भाग लेना है। मनु का प्रदर्शन देखते हुए उनसे एक और मेडल की उम्मीद बढ़ चुकी है।

पेरिस ओलंपिक

ब्राजील की तैराक को ओलंपिक के नियमों का उल्लंघन पड़ा भारी



पेरिस, एजेंसी। 26 जुलाई को एना पेरिस में एफिल टॉवर देखनेके लिए अपने बॉयफ्रेंड के साथ निकली थीं। इस दौरान उन्होंने किसी से अनुमति नहीं ली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी इस हरकत को ओलंपिक समिति ने नियमों का उल्लंघन माना, जिसके बाद महिला तैराक को घर भेज दिया गया।खेलों के महाकुंभ पेरिस ओलंपिक का आगाज हो चुका है। इसमें 10 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया है। इन्हीं में से एक हैं ब्राजील की तैराक एना कैरोलिना विएरा जिन्हें तगड़ा झटका लगा है। उन्हें ओलंपिक खेल गांव से निकाल दिया गया है। उन पर ओलंपिक के नियमों के उल्लंघन करने पर यह कार्रवाई की गई।

इस खिलाड़ी के जज्बे को सलाम!

गर्भवती तलवारबाज ने लिया ओलंपिक में हिस्सा



पेरिस, एजेंसी। नादा ने कहा मेरे लिए और मेरे बच्चे के लिए शारीरिक और जज्बाती चुनौती थी। हफीज तीन बार की ओलंपियन हैं और 2019 के अफ्रीकी खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। प्री क्वार्टर में पहुंचना उनका ओलंपिक में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन है। मिस्र की तलवारबाज नादा हफीज ने खुलासा किया है कि उन्होंने सात महीने की गर्भवती होने के बावजूद स्पर्धा में हिस्सा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं एक नन्हे ओलंपियन को लेकर खेल रही हूं। छब्बीस साल की काहिरा की इस खिलाड़ी ने अमेरिका की एलिजाबेथ को महिलाओं की साबेर स्पर्धा में हराकर प्री क्वार्टर में प्रवेश किया लेकिन दक्षिण कोरिया की जियोन हेयंग से हार गई। नादा ने कहा मेरे लिए और मेरे बच्चे के लिए शारीरिक और जज्बाती चुनौती थी। हफीज तीन बार की ओलंपियन हैं और 2019 के अफ्रीकी खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।



मुक्केबाज प्रीति पवार ओलंपिक से बाहर

पेरिस, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों का पेरिस ओलंपिक खेलों में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा तथा अनुभवी अमित पंघाल और जैस्मीन लम्बोरिया के बाद प्रीति पवार भी प्री क्वार्टर फाइनल में हार कर बाहर हो गई। प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोलंबिया की पैन अमेरिकन खेलों की चैंपियन और विश्व रजत पदक विजेता येनी मार्सेला एरियास को कड़ी चुनौती दी लेकिन इसके बावजूद उन्हें 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले पंघाल पुरुष 51 किग्रा वर्ग में और पदार्पण करने वाली महिला मुक्केबाज जैस्मीन 57 किग्रा वर्ग में हारकर बाहर हो गये थे। पंघाल का पेरिस ओलंपिक अभियान राउंड 16 में अफ्रीकी खेलों के चैंपियन और तीसरे वरीय जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा से 1-4 से हारकर समाप्त हुआ जबकि जैस्मीन फिलीपींस की तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन नेस्टी पेटेसियो से 0-5 से हारकर बाहर हो गईं।

अश्विनी ने किया संन्यास का ऐलान

- रोते हुए बोली ये मेरा ये आखिरी ओलंपिक



नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी अश्विनी पोनप्पा ने मंगलवार को तनीषा क्रास्टो के साथ पेरिस खेलों की महिला युगल स्पर्धा में लगातार तीसरी हार के बाद आंसू बहाते हुए घोषणा की कि उन्होंने अपना आखिरी ओलंपिक खेल लिया है. अश्विनी और तनीषा को मंगलवार को सेतियाना मोपासा और एंजेला यू की ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी के खिलाफ 38 मिनट में 15-21, 10-21 से हार झेलनी पड़ी. भारतीय जोड़ी ने अपने तीनों ग्रुप मैच गंवाकर अपना अभियान खत्म किया.अपने तीसरे ओलंपिक में खेल रहीं अश्विनी से जब 2028 ओलंपिक में खेलने की उम्मीद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा की यह मेरा आखिरी होगा लेकिन तनीषा को अभी लंबा रास्ता तय करना है. अश्विनी पोनप्पा ने आंसू रोकने की कोशिश करते हुए कहा की इसका भावनात्मक और मानसिक रूप से असर पड़ता है, मैं इसे फिर से नहीं झेल सकती. यह आसान नहीं है, अगर आप थोड़े युवा हैं तो आप यह सब झेल सकते हैं. इतने लंबे समय तक खेलने के बाद मैं इसे और नहीं झेल सकती.वर्ष 2001 में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीतने वाली अश्विनी ने ज्वाला गुट्टा के साथ एक शानदार और इतिहास रचने वाली महिला जोड़ी बनाई थी। ये दोनों 2017 तक साथ खेलीं.

इस जोड़ी ने कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीते थे जिसमें 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक और उबेर कप (2014 और 2016) और एशियाई चैंपियनशिप (2014) में कांस्य पदक शामिल हैं.इस जोड़ी ने 2011 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर ऐसा करने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनकर इतिहास रच दिया. यह उनके करियर का सबसे बड़ा पुरस्कार था. ज्वाला और अश्विनी की जोड़ी लगातार विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 में रही और एक समय 10वें स्थान पर पहुंच गई. अश्विनी ने कहा की हम आज जीतना चाहते थे. हम चाहते थे कि परिणाम अलग और बेहतर हो, मेरे और तनीषा के लिए सबसे बड़ी बात यह रही कि ओलंपिक में पहुंचने के लिए हमें काफी लंबा सफर तय करना पड़ा. यह आसान नहीं था. तनीषा भी अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर पाईं और वो भी रोने लगीं. उन्होंने कहा की वह (अश्विनी) यहां मेरा सबसे बड़ा सहारा रही हैं. हम बेहतर परिणाम चाहते थे और हमने अपना सिर ऊंचा रखा. उन्होंने हर बार मुझे प्रेरित किया.

टी20 सीरीज में शानदार जीत के बाद अब भारत की नजर वनडे सीरीज पर



पल्लेकेले, एजेंसी। टीम इंडिया और श्रीलंका के बीच टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। इस मैच का नतीजा सुपर ओवर में निकला और इसी के साथ भारतीय टीम ने ये सीरीज 3-0 से जीती। यह गौतम गंभीर के कार्यकाल की पहली सीरीज थी। अब 2 अगस्त से वनडे सीरीज खेली जाएगी। जहां अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और वनडे कप्तान रोहित शर्मा भी टीम में वापसी करेंगे।

पल्लेकेले में श्रीलंकाई टीम ने सुपर ओवर में महज 3 रन का लक्ष्य दिया था और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली गेंद पर चौका मारकर टीम को जीत दिलाई। इसी के साथ गौतम गंभीर के कार्यकाल की टी20 सीरीज जीत के साथ शानदार शुरुआत हुई। कहीं न कहीं जिस प्रेशर सिचुएशन में टीम इंडिया लड़खड़ा जाती थी, गंभीर और सूर्या के नेतृत्व में टीम ने वहां बाजी मारी। आखिरी मुकाबले में कोच गंभीर ने कुछ ऐसे प्रयोग किए जिसकी वजह से टीम 3-0 से जीत का मौका गंवा सकती थी। भविष्य की योजनाओं और नए प्रयोग का नजारा इस मुकाबले में नजर आया। सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह ने भी गेंदबाजी की।

दिलचस्प बात ये है कि टीम का ये प्रयोग सफल भी हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने श्रीलंका को तीसरे टी20 मैच में जीत के लिए 138 रनों का टारगेट दिया था। भारत की ओर से ओपनर शुभमन गिल ने सर्वाधिक 39 रनों की पारी खेली। जवाब में श्रीलंका भी 20 ओवर में 8 विकेट पर 137 रन ही बना सका और मैच टाई हो गया।इस मैच का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट वॉशिंग्टन का 17वां ओवर ही था, जिसमें उन्होंने लगातार दो गेंदों पर पहले वानिंदु हसरंगा और फिर कप्तान असलंका को पवेलियन भेजा। हालांकि अभी भी श्रीलंका के हाथ में छह विकेट शेष थे और सेट बल्लेबाज परेरा भी क्रीज पर मौजूद थे।अंतिम दो ओवर में श्रीलंका को जीत के लिए सिर्फ 9 रन ही चाहिए थे। हालांकि रिंकू ने परेरा और रमेश मेंडिस दोनों को पवेलियन चलता कर एक बार फिर भारत की उम्मीदों को जगा दिया।



अमिताभ बच्चन ने इंस्टाग्राम पर मांगी माफी

सुपरस्टार अमिताभ बच्चन बॉलीवुड के युवा सितारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। हाल ही में उनसे एक बड़ी गलती हो गई। जब इसका एहसास बिग बी को हुआ, तो उन्होंने तुरंत इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर फैंस से माफी मांगी। दरअसल, अमिताभ ने हाल ही में ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह दौड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्ट को शेयर करते उन्होंने कैप्शन में लिखा, अग्निपथ से अब तक भाग रहे हैं। इस पोस्ट को लेकर बिग बी से एक बड़ी गलती हो गई, जिसके लिए उन्हें लोगों से माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, इस पोस्ट पर कई फैंस ने कमेंट के जरिए उन्हें उनकी गलती बताई कि वीडियो में जिस सीन को वह अग्निपथ का बता रहे है, वह अकेला फिल्म का है।

बिग बी को जब अपनी इस गलती का एहसास हुआ, तो उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर माफी मांगी और लिखा- क्षमा करें... अग्निपथ से भागते हुए जो वीडियो मैंने पोस्ट की थी, वह गलत है। यह अकेला से है, शुभचिंतकों का धन्यवाद। बता दें कि अग्निपथ 1990 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अमिताभ बचन के अलावा मिथुन चक्रवर्ती, नीलम कोठारी, टीनू आनंद और अर्चना पूरन सिंह अहम किरदार में नजर आए थे। बिग बी ने ऐसे शख्स का किरदार निभाया था, जो मुंबई अंडरवर्ल्ड में शामिल होकर अपने पिता की मौत और अपने परिवार के साथ हुए अन्याय का बदला लेता है।

काम्या पंजाबी ने मुंबई की बदहाल सड़कों पर निराशा जताई

एक्ट्रेस काम्या पंजाबी ने मंगलवार को मुंबई के वसई क्रीक इलाके में सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर निराशा जताई। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। काम्या पंजाबी ने इंस्टाग्राम के अपने स्टोरी सेक्शन में एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में भारी बारिश और इलाके में गड्ढों के कारण रोड पर लंबा जाम दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी



गंभीर स्थिति के बावजूद कोई भी रेडियो जॉकी (आरजे) अपने प्रोग्राम में इस पर बात नहीं करता। काम्या पंजाबी ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, वेलकम टू मुंबई। अजीब बात है कि कोई भी रेडियो जॉकी इस मार्ग के बारे में अपने प्रोग्राम में बात नहीं करता। वीडियो को वसई क्रीक लोकेशन के साथ टैग किया गया था। काम्या पंजाबी को रेथ, अस्तित्व- एक प्रेम कहानी और बनू मैं तेरी दुल्हन जैसे धारावाहिकों में निगेटिव रोल करने के लिए पहचान मिली। उन्होंने पिया का घर, मर्यादा- लेकिन कब तक और क्यों होता है प्यार जैसे शो में पॉजिटिव किरदार भी निभाए हैं। एक्ट्रेस ने वो रहने वाली महलों की, जीत जाएंगे हम, नागिन-वादों की अग्निपरीक्षा, दो दिल एक जान, बेइंतहा, द एडवेंचर्स ऑफ हातिम, डोली अरमानों की और शक्ति- अस्तित्व के एहसास की जैसे शो में भी काम किया है। काम्या पंजाबी ने कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस 7 में भी हिस्सा लिया था। उन्होंने हाल ही में शो तेरे इश्क में घायल में नंदिनी की भूमिका निभाई है और वह नीरजा- एक नई पहचान में भी नजर आई।

जयंती रेड्डी के कलेक्शन में भारतीय संस्कृति की झलक दिखती है : अदिति राव हैदरी

अदिति राव हैदरी ने एक बार फिर अपनी खूबसूरती से सबका दिल चुरा लिया है। एक्ट्रेस ने एफडीसीआई इंडिया कॉउचर वीक में फैशन डिजाइनर जयंती रेड्डी के कलेक्शन के लिए शोस्टॉपर के तौर पर रैंप वॉक किया। गोल्डन शरारा सेट में अदिति परियों जैसी नजर आ रही थीं। इस शरारा सेट में लॉन्ग स्लीव्स, डीप नेकलाइन और प्लीटेड डिटेल्स थीं। आउटफिट के बॉर्डर पर मोतियों का काम किया गया था। इस आउटफिट के साथ अदिति ने ग्लैमरस मेकअप किया। रेड लिप्स, हाइलाइट फेस और सिग्नेचर आइब्रो में एक्ट्रेस बोल्ड लुक दे रही थीं। उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ था।



निरहुआ-आम्रपाली दुबे के बीच आई अंग्रेजी मेम !

भोजपुरी में आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ की जोड़ी हिट जोड़ियों में से एक रही है। दोनों ने 30 से ज्यादा फिल्मों में साथ काम किया है। एक्ट्रेस ने निरहुआ की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' से करियर की शुरुआत की थी। इसमें दोनों की जोड़ी इस कदर हिट हुई कि दोनों आजतक साथ में हैं। बाद में इस मूवी के तीन सीक्वल आए और सभी में आम्रपाली रहीं, मगर सपोर्टिंग एक्ट्रेस बदलती रहीं। मगर सभी सीक्वल हिट रहे। ऐसे में अब इसी फिल्म के चौथे सीक्वल का ऐलान कर दिया गया है। इसका फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया गया है। भोजपुरी फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी 4' का फर्स्ट लुक पोस्टर दिनेश लाल यादव निरहुआ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है। इसमें देखने के लिए मिल रहा है कि निरहुआ और आम्रपाली साथ में नजर आ रहे हैं मगर उनके साथ एक विदेशी अभिनेत्री भी नजर आ रही हैं। फिल्म के पोस्टर को काफी पसंद किया जा रहा है। पोस्टर से एक बात झलक रही है कि इसके चौथे सीक्वल में काफी कुछ अलग देखने के लिए मिलने वाला है। ऐसा प्रतीत होता है कि निरहुआ और आम्रपाली के बीच इस बार विदेशी मेम का जादू देखने के लिए मिलने वाला है। पोस्टर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया है। लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। इतना ही नहीं, लोग पोस्टर से ही इसकी हिट की बात करने लगे हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म के चौथे सीक्वल को दर्शकों से कैसा रिस्पांस मिलता है।



बारिश के मौसम से शुभांगी अत्रे को है प्यार

मानसून सीजन आते ही पेड़-पौधे, पशु पक्षी, इंसान सभी खिल उठते हैं। बारिश का मौसम जहां लोगों के मूड को बेहतर बनाता है, वहीं, आत्मा को भी तरोताजा कर देता है। इस सुहाने और जादुई मौसम का 'भाभीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी यानी अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने खूब लुत्फ उठाया और बारिश में फोटोशूट भी कराया। अपने मानसून एडवेंचर के बारे में बताते हुए शुभांगी उर्फ 'अंगूरी भाभी' ने कहा, मानसून मेरा पसंदीदा मौसम है। इस दौरान बाहर निकलने में एक अनोखी खुशी और सुकून मिलता है। प्रकृति हमेशा से मेरे लिए प्रेरणा रही है, चाहे वह मालशेज घाट की हरी-भरी हरियाली हो या मुंबई की जीवंत जिंदगी। मैं हमेशा से मानसून के दौरान मुंबई के अनोखे आकर्षण को कैद करना चाहती थी और मैं इसके नतीजों से रोमांचित हूं।' उन्होंने कहा कि मैं मानसून के मौसम में लोगों को निकलने के लिए प्रोत्साहित करती हूं।





मैंने भी आर्थिक परेशानिया का सामना किया है: रश्मि देसाई

रश्मि देसाई टीवी इंडस्ट्री की दुनिया का जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने कई टीवी सीरियल में काम किया। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, जहां वह अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े अपडेट्स पोस्ट करती हैं, लेकिन एक वक्त ऐसा था, जब उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा था। पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट पर एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन पर करोड़ों का कर्ज था और वह इन सब से बाहर निकलना चाहती थीं, लेकिन कोई रास्ता नहीं मिल पा रहा था। रश्मि ने कहा, 2017 एक ऐसा दौर था जब मुझे परिवार से जुड़ी कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। मैं आर्थिक तौर से बेहद कमजोर थी, आप कह सकते हैं कि मैं जीरो पर थी। मेरे ऊपर करोड़ों का कर्ज था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं इसे कैसे चुकाऊंगी। तभी मुझे दिल से दिल तक का शो ऑफर हुआ। उस शो का सफर मेरे लिए बहुत दिलचस्प रहा। उन्होंने कहा, लेकिन फ्यूचर के बचाने के अलावा भी कई दूसरे काम हैं। मुझे नहीं पता था कि मेरे पास जो चीजें हैं, उनका इस्तेमाल मैं कैसे कर सकती हूं। मेरे पास कोई इन्वेस्टमेंट प्लान भी नहीं था। रश्मि ने कहा कि वह एक ऐसी फैमिली से आती हैं, जहां इन्वेस्टमेंट पर ध्यान नहीं दिया जाता। इसलिए, उन्हें अपने पैसे को कैसे संभालना है और अपने भविष्य के लिए कैसे तैयारी करनी है, यह नहीं सिखाया गया था। यही कारण है कि उन्हें अपने आप को वित्तीय रूप से सुरक्षित करने में मुश्किल हुई, भले ही वह इतने लंबे समय से काम कर रही हैं। रश्मि का असली नाम दिव्या देसाई है।

निर्देशक के सुनाए गए आइडिया से प्रभावित हुए जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर के प्रशंसकों द्वारा उनकी नई फिल्म देवरा के रिलीज होने का इंतजार किया जा रहा है। फिल्म की टीम मिलकर इस पर तेजी से काम कर रही है। देवरा के सिनेमाघरों में पहुंचने से पहले ही उनकी नई फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हो गई है, जिसका फिल्म हाय नन्ना से भी नाता है।

जूनियर एनटीआर और निर्देशक शौर्यव के एक साथ मिलकर काम करने की चर्चाओं ने अब जोर पकड़ लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शौर्यव एक ऐसी फिल्म बनाने पर काम कर रहे हैं, जो दो भागों में बनाई जाएगी। कुछ दिन पहले ही खबर आई थी कि शौर्यव, जूनियर एनटीआर को फिल्म का आइडिया भी सुना चुके हैं। रिपोर्ट्स में एक ताजा अपडेट यह दिया जा रहा है कि जूनियर एनटीआर को कहानी ने प्रभावित किया है। साथ ही शौर्यव से कहा है कि फिल्म की पूरी कहानी पर काम किया जाए। यह भी कहा जा रहा है कि अगर अभिनेता को कहानी पंसद आ गई तो फिर इस पर आगे बढ़ा जाएगा।





अदिति भाटिया को कौन सी चीज कर रही पागल, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

एक्ट्रेस अदिति भाटिया आज भी लोकप्रिय शो ये है मोहब्बतें में मेन लीड रमन कुमार भल्ला की बेटी रूही भल्ला के किरदार से घर-घर में मशहूर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने अपनी मौजूदा स्थिति को बयां किया। वीडियो में, एक्ट्रेस अपने घर को शिफ्ट करने की तैयारी कर रही हैं। मूवर्स फर्नीचर और सामान पैक कर रहे हैं। उन्होंने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि इस समय पागल हो रही हूं। अदिति ने हाल ही में नया घर खरीदा, जिसकी कीमत करोड़ों में है। उन्होंने इंटरनेट पर गृह पूजा की फोटो शेयर की।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस पारंपरिक तरीके से पूजा पाठ करती हुई नजर आई। इन फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा कि आज जो भी मेरे पास है उसकी वजह सिर्फ मेरी मां है। मैं बहुत फालतू के खर्चे करती हूं, लेकिन मेरी मां सब कुछ मैनेज कर लेती हैं, इसीलिए मैं इन्हें थैंक्यू बोलती हूं। अदिति ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की। उन्होंने सबसे पहले छोटे पर्दे पर सीरियल होम स्वीट होम में करिश्मा का रोल अदा किया। वह टीवी सीरियल तुझ संग प्रीत लगाई साजना में तुलसी के किरदार में नजर आईं।

उन्होंने शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म विवाह में अमृता राव के बचपन का किरदार निभाया था। इसके अलावा उन्होंने फिल्म शूट आउट एट लोखंडवाला में संजय दत्त की बेटी का किरदार निभाया। द ट्रेन में इमरान हाशमी की ऑनस्क्रीन बेटी बनी। इसके अलावा चांस पे डांस और सरगोशियां जैसी फिल्मों में भी बतौर बाल कलाकार काम किया।